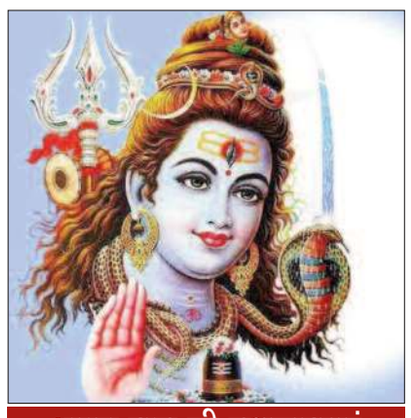
23 जुलाई 2024 मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



श्रावण मास की शुभकामनाएं



बोले राजद सुप्रीमो लालू... पीएम मोदी ने विशेष राज्य पर पकड़ाया झुनझुना

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

काशी विश्वनाथ के दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़



सभी ज्योतिर्लिंगों में से एक वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में महादेव के दर्शन पूजन और जलाभिषेक के लिए सावन के पहले सोमवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। जानकारी के अनुसार मंदिर में सुबह 9 बजे तक 1 लाख से ज्यादा भक्तों ने दर्शन और जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मंदिर में प्रवेश के लिए दो-तीन नए रास्ते बनाए गए हैं। इससे पहले शिवलिंग का अभिषेक दूध से किया गया और फिर जलाभिषेक किया गया। इसके बाद सबसे आखिर में फूलों और बेलपत्रों से बाबा का श्रृंगार से किया गया। शिवलिंग का चंदन से लेपन किया गया और दूर्वा चढ़ाई गई।

बिहार विधानसभा में 47,512 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

- बिहार विधान मंडल के मानसून सत्र की शुरुआत
- 12 विधेयक रखे गए पटल पर

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधान मंडल के मानसून सत्र की शुरूआत सोमवार को हुई। 26 जुलाई तक चलनेवाले इस पांच दिवसीय सत्र के पहले दिन विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव ने रुपौली उपचुनाव में जीत दर्ज करनेवाले नए विधायक शंकर सिंह को शपथ दिलाई और सभी विधायकों को मानसून सत्र में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया। विधानसभा के चालू सत्र में कुल पांच बैठक होंगी। स्पीकर नंदकिशोर यादव ने अमरेंद्र सिंह, दामोदर रावत, विजय शंकर दुबे, भूदेव चौधरी और ज्योति देवी को अधिशासी सदस्य मनोनीत किया। इसी के साथ स्पीकर ने कार्य मंत्रणा समिति का भी गठन किया और इसकी जानकारी विस्तार के साथ सदन को दी गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद सांसद बने विधायकों के इस्तीफा के बारे में भी जानकारी दी। पहले दिन कुल 12 विधेयक पटल पर रखे गए। इसके साथ साथ पहले दिन विधानसभा और विधान परिषद के वर्तमान एवं पूर्व दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। स्पीकर के आदेश पर सदन की कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।



सड़क व पुल निर्माण पर खर्च होंगे 2098 करोड़ रुपए

मानसून सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश किया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 47,512 करोड़ रुपये का अनुपूरक व्यय बजट सदन के पटल पर रखा। इसमें 25,551 करोड़ रुपये वार्षिक स्कीम मद में प्रस्तावित हैं। 21,954 करोड़ रुपये स्थापना एवं प्रतिबद्ध व्यय मद में तथा 5.7284 करोड़ रुपये का प्रावधान केंद्रीय क्षेत्र स्कीम मद में किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष 2024-24 में वार्षिक स्कीम के राज्य स्कीम मद में कुल 12,684 करोड़ रुपये का योजनावार प्रावधान किया गया है। इनमें सर्वाधिक 2098 करोड़ रुपये सड़क एवं पुल परियोजनाओं के निर्माण पर खर्च किया जाएगा। बिहार में इन दिनों पुलों के गिरने, धंसने और जर्जर होकर झुकने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिसमें बजट के इस प्रावधान से काम किया जाएगा। इस बार अनुपूरक बजट में सबसे ज्यादा 1350 करोड़ रुपये ऊर्जा प्रक्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के विकास के लिए रखे गए हैं। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने 885 करोड़ रुपये मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं चिकित्सकीय संस्थान के निर्माण के लिए रखा है। सरकार ने 670 करोड़ मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, 584 करोड़ सिंचाई सृजन, 525 करोड़ मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना, 400 करोड़ रुपये बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के नाम पर रखे हैं।

लोकसभा में बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने सीएम नीतीश को दिया झटका

बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

- बीते कई सालों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की उठती रही है मांग

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केंद्र सरकार से बड़ा झटका लगा है। दरअसल लोकसभा में बजट सत्र के दौरान केंद्र सरकार की ओर से वित्त राज्य मंत्री पकंज चौधरी ने साफ कर दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि विशेष राज्य के दर्जे के लिए जिन प्रावधानों को पूरा करना होता है वह बिहार में नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा पूर्व में कुछ राज्यों को विशेष श्रेणी का दर्जा दिया गया था, जिनकी कई विशेषताएं थी, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी। इन विशेषताओं में पहाड़ी और कठिन भूभाग, कम जनसंख्या घनत्व या जनजातीय आबादी का बड़ा हिस्सा, पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं पर रणनीतिक स्थान, आर्थिक और अवसंरचनात्मक पिछड़ापन और राज्य वित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति शामिल थी।

यह निर्णय ऊपर सूचीबद्ध सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति पर एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। इससे पहले, विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) द्वारा विचार किया गया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आईएमजी इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर बिहार के लिए विशेष दर्जा का मामला नहीं बनता है। बता दें, बीते कई सालों से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठती रही है। अभी हाल ही में रविवार को भी दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के दौरान जेडीयू के राज्यसभा सांसद संजय झा ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने की मांग को उठाया था। बता दें, सीएम नीतीश कुमार भी कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं।



विशेष दर्जा के प्रावधानों पर खरा नहीं उतर रहा बिहार

भारतीय संविधान के आर्टिकल 275 के मुताबिक किसी राज्य को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा दिए जाने के प्रावधान हैं। वर्तमान में देश में कुल 29 राज्य हैं और 7 केंद्रशासित प्रदेश, जिनमें से 11 राज्यों को विशेष श्रेणी राज्य का दर्जा हासिल है, लेकिन अब भी बिहार, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा समेत पांच राज्य हैं जो विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। आर्टिकल 275 में बताया गया है कि किन स्थितियों में किसी राज्य को यह विशेष दर्जा दिया जा सकता है। इन प्रावधानों के मुताबिक उन राज्यों को यह दर्जा दिया जा सकता है, जहां पहाड़ी या मुश्किल भौगोलिक स्थितियां हों, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के लिहाज से राज्य रणनीतिक महत्व का हो, प्रति व्यक्ति आय बहुत कम हो, आबादी का घनत्व कम हो या आदिवासी बहुल आबादी हो या फिर आर्थिक और संरचनात्मक पिछड़ापन और राजस्व के स्रोतों की कमी हो।

संसद सत्र में बोले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी... अगर आप अमीर हैं तो आप इंडियन एग्जामिनेशन सिस्टम को खरीद सकते हैं



नई दिल्ली। संसद सत्र के पहले ही दिन लोकसभा में पेपर लीक मामले को लेकर जमकर हंगामा हो रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने देश के परीक्षा सिस्टम को फ्रॉड बताया। राहुल ने कहा कि शिक्षा मंत्री समझ नहीं पा रहे कि क्या हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा, 'ये देश के लिए जानना जरूरी है कि हमारी परीक्षा सिस्टम में दिक्कत है। नीट ही नहीं सभी जगह ये समस्या है। मुझे नहीं लगता कि शिक्षा मंत्री कुछ समझ पा रहे हैं। अभी जो रहा है उससे देश चिंतित है, भारतीय परीक्षा सिस्टम फ्रॉड है। लाखों लोगों का मानना है कि अगर आप अमीर हैं और आपके पास पैसा है तो आप इंडियन एग्जामिनेशन सिस्टम को खरीद सकते हैं। आप क्या कर रहे हैं, सिस्टेमिक लेवल पर क्या कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा, देश में लाखों छात्र ऐसे हैं, जो वर्तमान हालात को लेकर चिंतित हैं। वे इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि भारत का एग्जामिनेशन सिस्टम फर्जी है। यही वजह है कि हम शिक्षा मंत्री से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। राहुल ने शिक्षा मंत्री से सवाल करते हुए कहा, अगर ये व्यवस्थागत समस्या है तो फिर आप इसे ठीक करने के लिए क्या कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान के रहते छात्रों को न्याय नहीं मिलने वाला : अखिलेश



संसद में नीट पेपर लीक को लेकर चर्चा के दौरान कन्नौज से सांसद और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि ये सरकार पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाने वाली है। अगर धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा मंत्री रहते हैं तो छात्रों को कभी न्याय नहीं मिलने वाला है। इस पर शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने जवाब देते हुए कहा कि नीट पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मैं इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहता हूं। अखिलेश के यूपी के सीएम रहते कितने पेपर लीक हुए हैं, इसकी भी सभी को जानकारी है।

हादसा... भागलपुर में गंगा नदी में डूबने से चार युवकों की मौत

नवगछिया नारायणपुर के मथुरापुर की घटना



केटी न्यूज/पटना

सावन की पहली सोमवारी के दिन भागलपुर में बड़ा हादसा हो गया। यहां नवगछिया नारायणपुर के मथुरापुर जहाज घाट पर नहाने के दौरान चार युवक की डूबने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार चारों युवक नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला का रहने वाले थे। सोमवारी को लेकर सभी मथुरापुर जहाज घाट पर गंगा स्नान करने आये थे। गंगा स्नान करने के दौरान 10 लोग गंगा की तेज धार में बह गए। जिसमें 6 को बाहर निकाल लिया गया। चार की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि 10 लोग गंगा नदी में स्नान करने पहुंचे थे इसी दौरान सभी गंगा नदी की धारा में बह गए। जानकारी के अनुसार भागलपुर जिला के नारायणपुर प्रखंड अंतर्गत भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर नहाने के क्रम में यह घटना घटी। गोताखोरों की मदद से तीन मृतक लोगों का शव नदी से निकाल कर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले थे। मृतक के साथियों ने बताया कि सोमवार की पहली सोमवारी को लेकर नवगछिया नया टोला गांव से 11 लोग गंगा स्नान के लिए मधुरापुर गंगा जहाज घाट आये थे। गहरे पानी में जाने की वजह से 10 लोग डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से 6 को बचा लिया गया, जबकि इस हादसे में चार बच्चे शिवम कुमार (18वर्ष) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार उम्र (16 वर्ष) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार उम्र (18 वर्ष) पिता संतोष भगत, संजीव कुमार (17वर्ष) पिता अरुण कुमार शाह की मौत हो गई। घटना स्थल पर भवानीपुर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार, अंचलाधिकारी विशाल अग्रवाल, आरओ भरत कुमार झा, सहित कई पदाधिकारी पहुंचे।

आर्थिक सर्वेक्षण... वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान

एजेंसी/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद सत्र के दौरान आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश की। इसमें अनुमान जताया गया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से लेकर 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसमें जोखिम को समायोजित किया गया है। इस बात का भी ध्यान रखा गया कि बाजार इससे अधिक अनुमान की उम्मीद रखता है।

चालू वित्त वर्ष में मजबूत जीडीपी विकास दर की वजह सामान्य मानसून के कारण कृषि क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव और गुड्स सर्विस टैक्स (जीएसटी) और भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) जैसे सुधारों से अर्थव्यवस्था पर पड़े सकारात्मक परिणाम को माना गया है।

सर्वे के नोट में कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत बनी हुई है और कोरोना के बाद आई रिकवरी को अर्थव्यवस्था ने कंसोलिडेट किया है। अर्थव्यवस्था को सहारा मजबूत घरेलू फैक्टर्स मिल रहा है। वित्त वर्ष में रियल जीडीपी 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सर्वेक्षण में कहा गया कि भारत में विकास व्यापक स्तर पर दिखा है। बेरोजगारी दर और बहुआयामी गरीबी दर में कमी आई है। इसके साथ ही काम करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की मांग कमजोर रही, हालांकि सेवाओं की मांग इस दौरान मजबूत रही। वित्त वर्ष 2024 में चालू व्यापारिक घाटा जीडीपी का 0.7 प्रतिशत रहा है, जो कि वित्त वर्ष 23 में 2.0 प्रतिशत था।

मशहूर गायक राहत फतेह अली खान दुबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

मशहूर गायक राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ने से रोक उन्हें दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उन्हें दुबई पुलिस स्टेशन ले गई है। पाकिस्तान के जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, राहत फतेह अली खान के पूर्व मैनेजर और मशहूर शोबिज प्रमोटर सलमान अहमद ने दुबई में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है। इसके बाद ही यह कार्रवाई की गई है। राहत विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने के लिए दुबई में आए थे। इस दौरान उन्हें दुबई एयरपोर्ट से ही हिरासत में ले लिया गया। राहत ने कुछ महीने पहले एक विवाद के बाद अहमद को नौकरी से निकाल दिया था। इसके बाद से वह कई मौके पर गायक के खिलाफ कठोर कदम उठाने की बात कर रहे थे, जिसके बाद राहत और अहमद दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ केस भी दर्ज कराया था। गौरतलब है कि एफआईए ने इस साल जनवरी में उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी की जांच शुरू की थी।



सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को जारी किया नोटिस

कांवड़ रूट पर नेम प्लेट लगाने के फैसले पर सुप्रीम रोक

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कांवड़ रूट पर नेम प्लेट लगाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। नेम प्लेट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है और इस पर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है। राज्यों के जवाब देने तक आदेश पर रोक रहेगी। शीर्ष अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं होगी। केवल खाने के प्रकार बताने होंगे. कांवड़ियों को वेज खाना मिले और साफ सफाई रहे। खाना शाकाहारी है या मांसाहारी ये बताना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी।



जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच के समक्ष सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं के वकीलों ने अपने दलीलों कहा कि यह एक चिंताजनक स्थिति है। पुलिस अधिकारी विभाजन पैदा कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों की पहचान कर उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। याचिकाकर्ता के वकील सी यू सिंह ने दलील दी कि शासन का आदेश समाज को बांटने जैसा है। यह एक तरह से अल्पसंख्यक दुकानदारों को पहचानकर उनके आर्थिक बहिष्कार जैसा है। इनमें यूपी और उत्तराखंड ऐसा कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- यह एक प्रेस वक्तव्य था या एक आदेश? याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि पहले एक प्रेस बयान आया था. फिर सार्वजनिक आक्रोश हुआ। राज्य सरकार कहती है स्वेच्छा से, लेकिन वे इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं किया गया. इसका कोई वैधानिक समर्थन नहीं है। कोई भी कानून पुलिस कमिश्नर को ऐसा करने का अधिकार नहीं देता. निर्देश हर हाथ-गाड़ी, रेड़ी, चाय-स्टॉल के लिए है। कर्मचारियों और मालिकों के नाम बताने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होता।

बता दें कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा को लेकर गुरुवार को बड़ा फरमान सुनाया था। योगी सरकार ने कांवड़ रूट की सभी दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश दिया था। आदेश में कहा गया था कि कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर नेमप्लेट लगानी होगी। दुकानों पर मालिक का नाम और पता लिखना अनिवार्य होगा। दरअसल, यह फरमान पहले मुजफ्फरनगर के लिए जारी किया था, लेकिन गुरुवार को सीएम योगी ने इसे पूरे प्रदेश के लिए लागू कर दिया। इसके बाद इस फैले पर घमासान मच गया।

जन्मतिथि में फर्जीवाड़ा कर नौकरी करने का मामला आया सामने, जांच शुरू

- बेतिया के रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय का है मामला
- फर्जीवाड़ा कर पंद्रह साल से नौकरी कर रहे थे कर्मी

केटी न्यूज /बेतिया

बेतिया के रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय में एक बहुत बड़ा गड़बड़ झाला सामने आया है। जहां जन्मतिथि में फेरबदल कर दो कर्मी नौकरी करते आ रहे हैं। मामले का खुलासा होते ही महाविद्यालय में हड़कंप मच गया है। विश्वविद्यालय द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।जानकारी के मुताबिक, जन्मतिथि में फजीर्वाड़ा कर 15 साल की उम्र से कर्मचारी नौकरी कर रहे हैं। ऐसे मामले में दो लोगों का भंडाफोड़ हो गया। मामले को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। कॉलेज के एक नहीं कई कर्मियों की जन्मतिथि में हेरा फेरी की लंबी सूची है। यह सूचना भी सामने आ रही है कि सिर्फ कर्मियों में ही नहीं, बल्कि कई प्राध्यापकों के भी सर्टिफिकेट में गड़बड़ झाला है। हालांकि अब यह मामला विश्वविद्यालय में पहुंच गया है।कॉलेज के एक चतुर्थ वर्गीय कर्मी के अलग-अलग जन्मतिथि के दो सर्टिफिकेट जांच के घेरे में हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जिसकी जांच हो रही है। उसमें 18 साल से कम उम्र में हुई नौकरी, एक दर्जन जन्मतिथि और फर्जी



मार्कशीट पर नौकरी का खुलासा, ऐसे कर्मी जिनके दो-दो जन्मतिथि के अलग-अलग सर्टिफिकेट आदि मौजूद हैं। गौरतलब है कि यहां नौकरी करने के लिए न उम्र की सीमा मायने रखती है और न ही जन्मतिथि। सरकार ने भले ही नौकरी के लिए उम्र की न्यूनतम सीमा 18 वर्ष निर्धारित की है, लेकिन कॉलेज के कई कर्मी खेलने-खाने और स्कूल में पढ़ने की उम्र से नौकरी कर रहे हैं। कई तो नौकरी पूरी कर सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं और सरकार से पेंशन ले रहे हैं। फजीवाड़े के बल पर कॉलेज के प्रधान सहायक विजय प्रसाद यादव के बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में 12 नवंबर 1969 जन्म तिथि अंकित है। जबकि 22 अक्टूबर 1985 को इनका योगदान पत्र जारी हुआ है। यानी 16 साल तीन महीने और 10 दिन में ये नौकरी करने के योग्य हो गए हैं और नौकरी भी कर रहे हैं। कॉलेज में ऐसे एक नहीं कई उदाहरण हैं। यहां तक कि पूर्व प्रधान सहायक रंजीत सिंह यादव अब कॉलेज से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इन्हें हर माह पेंशन भी मिलती है। बिहार बोर्ड से जारी सर्टिफिकेट में उनकी जन्मतिथि 24 नवंबर 1962 अंकित है। इनका योगदान पत्र 14 दिसंबर 1977 को जारी हुआ है। यानी इन्होंने 15 साल 20 दिन की उम्र से कॉलेज में नौकरी करनी शुरू कर दी थी। आरोप है कि विश्वविद्यालय और कॉलेज की मिलीभगत से बड़ा खेल हुआ है।

सरकारी कार्यालय में हो रही थी शराब पार्टी, अनुश्रवण पदाधिकारी गिरफ्तार

केटी न्यूज/गोपालगंज



गोपालगंज पुलिस ने जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी को सरकारी ऑफिस में शराब की पार्टी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस गिरफ्तार पदाधिकारी को नगर थाना लेकर आई है। गिरफ्तार जिला मूल्यांकन एवं अनुश्रवण पदाधिकारी की पहचान अनुराग जीतन के रूप में की गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई सदर अस्पताल स्थित कार्यालय से की है। इस घटना के बाद सदर अस्पताल में हड़कंप मच गया है। घटना के संबंध में गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि डायल 112 की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि जिला स्वास्थ्य समिति में जिला मूल्यांकन और अनुश्रवण पदाधिकारी अनुराग जीतन शराब के नशे में धुत है। वह अपने सरकारी कार्यालय में शराब की पार्टी कर रहे हैं। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ा।

बिहार में सियासत गरमायी, महागठबंधन ने नीतीश सरकार से मांगा इस्तीफा

बोले लालू... मोदी ने विशेष राज्य पर पकड़ाया झुनझुना

- विशेष राज्य का दर्जा नहीं तो विशेष पैकेज के नाम पर ही बिहार को कुछ भी दे दें
- बिहार श्रम आपूर्ति के राज्य के दाग के निकलना चाहता है। यह दाग औपनिवेशिक काल से लगा हुआ है।



बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। लोकसभा में जनता दल यूनाईटेड के सांसद रामप्रीत मंडल के सवाल पर केंद्र सरकार ने दो टूक कह दिया कि बिहार को नेशनल डेवलेपमेंट काउंसिल के क्राइटेरिया के तहत बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे पाना संभव नहीं है। अब इस मामले को लेकर बिहार में सियासत गरमा गई है। महागठबंधन ने नीतीश सरकार से इस्तीफा तक की मांग कर दी। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि एनडीए गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार ने बड़ी निर्लज्जता से बिहार को विशेष राज्य पर झुनझुना पकड़ा दिया है। विशेष राज्य का दर्जा नहीं तो विशेष पैकेज के नाम पर ही बिहार को कुछ भी दे दें। यह कहकर जदयू भाजपा के सामने नतमस्तक है। इसलिए नीतीश कुमार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने तो कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिला देंगे पर केंद्र ने मना कर दिया। लालू बोले- बिहार के वोटों की महत्ता को बेच चुके हैं नीतीश कुमार नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। लेकिन, वह नहीं दिला पाएं। इसलिए वह अपना इस्तीफ तुरंत दें। लालू ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का देना ही पड़ेगा। हमलोग इसे लेकर रहेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार केंद्र और राज्य की सत्ता के लिए अपना जमीर, अपनी अंतरात्मा, बिहार की अस्मिता, बिहारवासियों की आकांक्षाओं और बिहार के वोटों की महत्ता को बेच चुके हैं। विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए। राज्यसभा सांसद ने कहा कि देश का प्रगति का ब्लूप्रिंट बिहार जैसे राज्यों की प्रगति के बगैर संभव नहीं है। बिहार श्रम आपूर्ति के राज्य के दाग के निकलना चाहता है। यह दाग औपनिवेशिक काल से लगा हुआ है। मेरी मांग है कि बिहार को वोटिंग स्टेट सिर्फ मत मानिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दीजिए। बिहार को संवेदना से देखने की जरूरत है। विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए। दोनों के बीच में या नहीं है।नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे। लेकिन, वह नहीं दिला पाएं। इसलिए वह अपना इस्तीफ तुरंत दें। लालू ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का देना ही पड़ेगा। हमलोग इसे लेकर रहेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार केंद्र और राज्य की सत्ता के लिए अपना जमीर, अपनी अंतरात्मा, बिहार की अस्मिता, बिहारवासियों की आकांक्षाओं और बिहार के वोटों की महत्ता को बेच चुके हैं।

भाजपा नेता पर लगा यौन शोषण करने का आरोप

दरभंगा। बिहार में एक भाजपा नेता पर दूसरे धर्म की महिला ने यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के बाद कारवाई करने की बात कह रही है। मामला दरभंगा जिला के लहेरियासराय थाना क्षेत्र का है। आरोपी भाजपा नेता सह अस्पताल संचालक विजय यादव हैं। घटना के संबंध में पीड़ित महिला ने अपने आवेदन में कहा कि मधुबनी जिला के हरलाखी थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलहर गांव निवासी विजय यादव का शहर के बेता स्थित एक हॉस्पिटल सहित तीन रेडियोलॉजी सेंटर है। उन्होंने अपने अस्पताल में काम देने के नाम पर महीनों तक उसका शारीरिक शोषण किया। इस दौरान वह दो बार गर्भवती भी हुई, जिसे अवैध तरीके से दोनों बार उसका गर्भपात करवा दिया गया। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा है कि अल्लपट्टी स्थित एक ईएनटी अस्पताल में प्राईवेट नौकरी करती थी। उसी क्रम में विजय यादव से मुलाकात हुई। विजय यादव ने ज्यादा वेतन देने के साथ बच्चों की अच्छी पढ़ाई-लिखाई का ऑफर दिया।

सहरसा में दूसरे की जगह शिक्षक भर्ती परीक्षा दे रहे पांच मुन्ना भाई गिरफ्तार

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा में बीपीएससी द्वारा आयोजित तीसरे चरण की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में तीन अलग-अलग परीक्षा केंद्रों से जांच के दौरान पांच फर्जी परीक्षार्थियों को गिरफ्तार किया गया है। पांचों फर्जी अभ्यर्थियों से पूछताछ के बाद पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया है। सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि सदर थाना के अंतर्गत पूरब बाजार स्थित प्लस टू मनोहर उच्च विद्यालय से दो फर्जी परीक्षार्थी को बीपीएससी टीआरई- 03 में परीक्षा देते हुए गिरफ्त में लिया गया। दोनों फर्जी अभ्यर्थी दूसरे के बदले परीक्षा दे रहे थे। वहीं जिला स्कूल परीक्षा केंद्र से भी दूसरे के बदले परीक्षा देते हुए दो फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार किए गए जबकि सौर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बैजनाथपुर ओपी क्षेत्र स्थित मनोहर हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में दूसरे के बदले परीक्षा देते एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। सदर डीएसपी ने बताया कि सभी पांच फर्जी परीक्षार्थी के खिलाफ सदर थाना में और बैजनाथपुर थाना में मामला दर्ज कराया गया है। गिरफ्तार फर्जी परीक्षार्थी को आगे की कार्रवाई के लिए जेल भेज दिया गया है। कोर्ट से रिमांड पर लेकर पुलिस सभी से पूछताछ करेगी।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

नवादा में युवती की ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या, शव को रेलवे स्टेशन के समीप फेंका

- प्रथम दृष्टया प्रतित हो रहा है कि लड़की के साथ गलत काम कर उसकी हत्या कर दी गई
- घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस, छानबीन शुरू

केटी न्यूज/नवादा

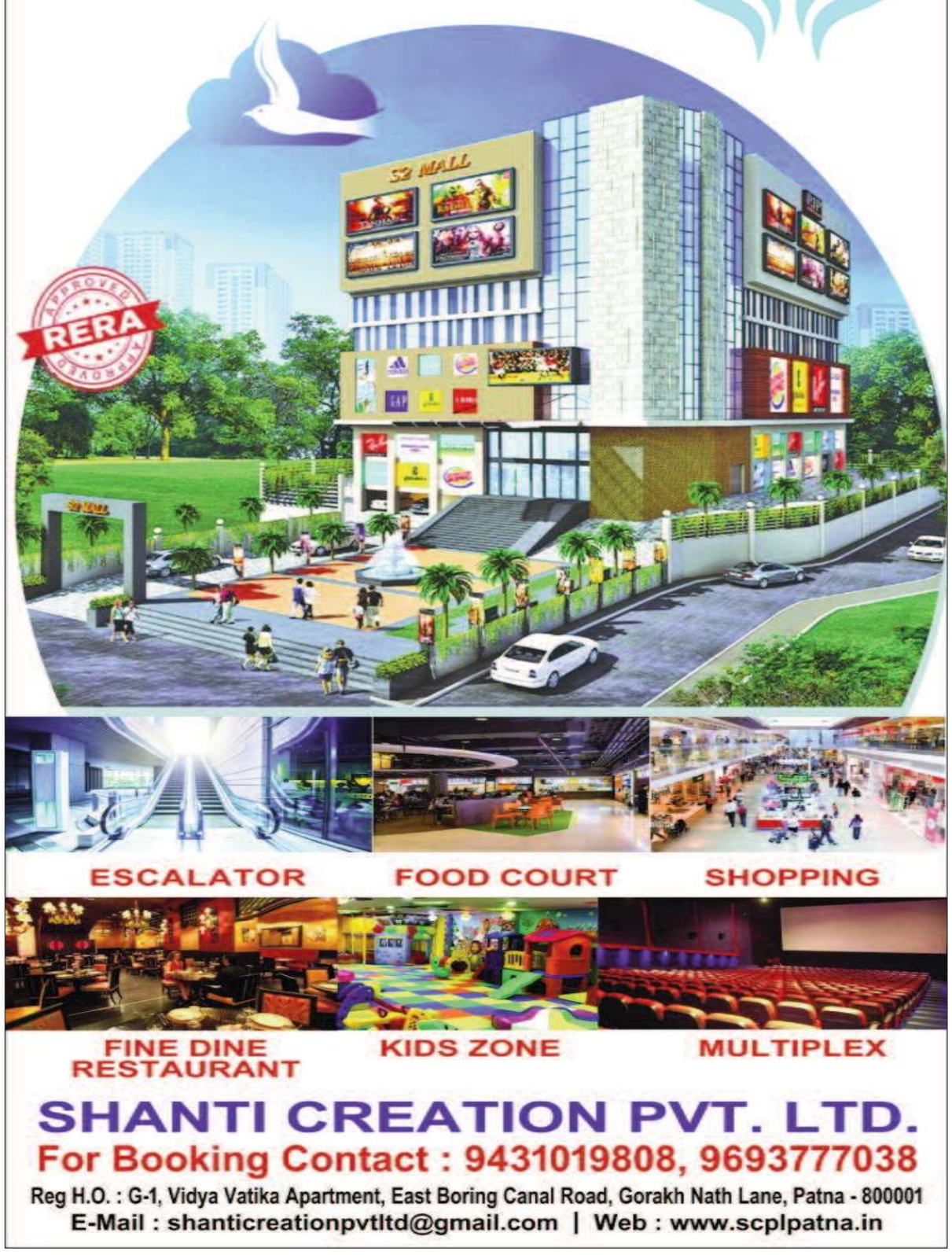


नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में एक युवती की ईंट पत्थर से कूच कर हत्या कर दी गई। घटना किउल-गया रेलखंड पर स्थित बाघी बरडीहा रेलवे स्टेशन परिसर की बताई गई है। सोमवार की सुबह युवती का शव स्टेशन परिसर स्थित एक खंडहरनुमा कमरे से पुलिस ने बरामद किया। घटनास्थल को देखने के बाद प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि लड़की के साथ गलत काम कर उसकी हत्या कर दी गई और शव को खंडरनुमा कमरा में फेंक दिया गया है। जहां से शव बरामद हुआ उसके पास एक कमरे में खून के धब्बे मिले थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि स्टेशन के पुराने मशीन वाले कमरे में ही ईंट से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। शव के पास रहे खंडरनुमा कमरे में फेंककर हत्यारा फरार हो गया। शव का शिनाख्त कराने का प्रयास करने में जुटी है पुलिस घटना की सूचना मिलते ही वारिसलीगंज थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रूपेश कुमार सिन्हा दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। एसडीपीओ पकरीबरावां महेश चौधरी भी घटनास्थल पर पहुंच मामले की तहकीकात की। पुलिस शव का शिनाख्त कराने का प्रयास करने में जुटी है। शव की पहचान होने के बाद स्थिति साफ हो सकेगी। इस स्थान पर उसकी हत्या की गई है। उस स्थान पर नीर जल का एक खाली बोतल और एक जोड़ा हवाई चप्पल पड़ा मिला। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार एसडीपीओ महेश चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह नौ बजे घटना की सूचना मिली कि एक युवती की लाश बाघी बरडीहा रेलवे स्टेशन के समीप फेंकी हुई मिली।

लूट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाला अपने साले के साथ गिरफ्तार

सुपौल। सुपौल जिले के मरौना थानाक्षेत्र में बीते छह जुलाई को दर्ज एक लूट के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। मामले में पुलिस ने शिकायतकर्ता माइक्रो फाइनेंस कर्मी और उसकी पत्नी के भाई की ही गिरफ्तारी की है। साथ ही उनके पास से 50 हजार रुपये की बरामदगी भी की गई है। एसपी शैशव यादव ने सोमवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार मधेपुरा के घैलाढ़ थानाक्षेत्र के झिटकिया निवासी रजनीश कुमार सुपौल में माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कलेक्शन एजेंट के तौर पर काम करता था। उसके लिखित आवेदन पर मरौना थाने में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। दो बाइक सवार अपराधियों ने उसे हथियार का भय दिखा कर कलेक्शन का पैसा लूट लिया। पुलिस जांच में रजनीश की शिकायत फर्जी निकली। रजनीश की पत्नी के भाई के साथ गिरफ्तार किया है।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018



ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

बिहार राज्य ऑडिशन के विजेता को मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 में सीधे प्रवेश मिलेगा

मिस यूनिवर्स इंडिया में काजल करेंगी बिहार का प्रतिनिधित्व, ऑफिशियल ऑडिशन पटना में

- ऑडिशन युवा महिलाओं को उनके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करेगा

केटी न्यूज/पटना



मिस यूनिवर्स इंडिया में पटना की काजल चौधरी बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। विश्व के सबसे बड़े ब्यूटी पेजेंट मिस यूनिवर्स के लिए मिस यूनिवर्स इंडिया द्वारा बिहार में पहली बार ऑफिशियल ऑडिशन का आयोजन किया गया। मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 के लिए राजधानी पटना के नीट में ऑडिशन का आयोजन किया गया। मिस यूनिवर्स बिहार की स्टेट डायरेक्टर नितु कुमारी ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में ही सुष्मिता सेन (1994) और लारा दत्ता (2000) मिस यूनिवर्स खिताब हासिल कर दुनियाभर में अपनी एक खास पहचान बना चुकी हैं। इन महिलाओं ने न सिर्फ सुंदरता का प्रतिनिधित्व किया है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमाते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। नितु कुमारी ने आगे बताया कि इस साल बिहार राज्य ऑडिशन के विजेता को मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 में सीधे प्रवेश मिलेगा। यह ऑडिशन युवा महिलाओं को उनके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक असाधारण मंच प्रदान करेगा। गौरतलब है कि पटना निवासी काजल चौधरी ने मिस यूनिवर्स बिहार का खिताब अपने नाम किया है। वहीं, मुजफ्फरपुर की अंजली फर्स्ट रनर अप रहीं और सेकेंड रनर अप बेगूसराय निवासी दिव्यांशी सची रहीं। पहली बार ऐसा हुआ है कि जब मिस यूनिवर्स इंडिया के लिए बिहार आधिकारिक राज्य के तौर पर ऑडिशन की मेजबानी कर रहा है। प्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर चमकने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुनर चमकाने का अवसर देता है। ऑडिशन के दौरान जज के तौर पर नितु कुमारी (स्टेट डायरेक्टर, मिस यूनिवर्स बिहार), अर्शिना सुम्बुल (मिस ग्रैंड इंडिया 2023), सोफिया सिंह (मिस एशिया पैसिफिक 2024 और मिस टूरिज्म इंडिया 2023) शामिल थीं। वहीं, कार्यक्रम की मेजबानी मिस टीन यूनिवर्स इंडिया 2023 तृष्णा रे ने की। इस मौके पर तनिष्का शर्मा (मिस टीन अर्थ इंडिया 2024) भी मौजूद रहीं, जो कि बिहार से हैं और प्रदेश की नामचीन मॉडलों में शुमार की जाती हैं।

पहली सोमवारी: शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, महादेव के नारों से गुंजयमान रहा इलाका

बक्सर के रामरेखा घाट से गंगा जल उठा शिवभक्तों ने शिवालयों में किया जलाभिषेक

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव/ब्रह्मपुर





- बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक, बक्सर से ब्रह्मपुर तक पूरी रात लगा रहा कांवरियों का तांता

पवित्र सावन मास की की पहली सोमवारी पर श्रद्धालु भक्तों का सैलाब शिवमंदिरों में उमड़ा रहा। अहले सुबह से 11 बजे तक जिलेभर के शिव मंदिर श्रद्धालुओं से गुलजार रहे। सबसे अधिक आकर्षण का केन्द्र ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में रहा। जहां पहली सोमवारी पर ही 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इसके अलावे बक्सर के रामेश्वरनाथ शिवमंदिर, गौरीशंकर शिव मंदिर, नाथ बाबा शिव मंदिर, इटाढ़ी के सोखा धाम, डुमरांव के जंगलीनाथ शिवमंदिर, लंगटू महादेव शिव मंदिर, महरौरा का शिव मंदिर, नया भोजपुर का झरनेश्वर शिव मंदिर, मुगांव का मुगेश्वरनाथ शिव मंदिर, कचईनियां के कंचनेश्वर शिव मंदिर आदि में दोपहर तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्रद्धालु जलाभिषेक, रूद्राभिषेक, पार्थिव पूजन आदि विधानों से महादेव की पूजा अर्चना किए।

अहले सुबह से शुरू हो गया था जलाभिषेक : बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर में सुबह चार बजे मंदिर का पट खुलते ही जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लग गया। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहले से ही मौजूद हो पट खुलने का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान बक्सर के रामरेखा घाट से कांवर में जल लेकर पैदल बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक थी। हालांकि मंदिर प्रबंधन व स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से मुश्तैद था। बावजूद भीड़ अधिक होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। लेकिन, उनकी आस्था में कमी नहीं आई। दोपहर तक बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को जलाभिषेक के लिए मंदिर में भीड़ लगी रही।

डुमरांव में भी दिखा शिवभक्तों का उत्साह : सावन माह की पहली सोमवारी पर डुमरांव में भी शिवभक्तों का उत्साह देखने को मिला। शहर तथा आस पास के विभिन्न शिव मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष से माहौल भक्तिमय हो गया। शिव भक्तों ने जल लेकर अपने नजदीकी प्रमुख शिव मंदिरों में जलाभिषेक किया। शहर के प्रमुख जंगलीनाथ महादेव मंदिर, महाकाल मंदिर, महरौरा शिव मंदिर, छठिया पोखरा शिव मंदिर, शहीद पार्क शिव मंदिर, लंगटु महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों जलाभिषेक को ले शिव भक्तों का तांता लग गया। श्रद्धालु जलाभिषेक के साथ भगवान शिव के प्रिय भांग, धतूर, बेलपत्र, शकरकंद, अबीर-गुलाल, चंदन, अगरबत्ती, धूप, बेलपत्र, तुलसी, दुर्वा, चावल, पुष्प, फल, मिठाई, पान-सुपारी, जनेऊ, पंचामृत के साथ पूजा की। शिव भक्तों ने प्रसाद चढ़ाया और भक्तिभाव से मन्नतें मांगी। मान्यता है कि सावन सोमवार पर व्रत रखना और भगवान शिव की पूजा-आराधना करना विशेष फलदायी होता है। मान्यताओं के अनुसार, श्रावण मास सभी महीनों की तुलना में सबसे पवित्र महीनों में से एक है।

सावन में सृष्टि का संचालन करते है महादेव : सावन के महीने में सृष्टि के संचालन कर्त्ता भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं। ऐसे में सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान भोले ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन महीने के देवता भगवान शिव बन जाते हैं और इस पूरे महीने भक्त शिव जी की पूजा करते हैं। इस दौरान मंदिर परिसर में हर-हर महादेव का उच्चघोष गूंजता रहा। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में महिला व पुरुष भक्तों ने जलाभिषेक के बाद जमकर सेल्फी ली। युवतियों ने व्रत रख भगवान भोले की पूजन कर जलाभिषेक किया। इसके बाद मंदिर परिसर में चंदन से भोले का टीका लगाने के साथ ही तस्वीरें लीं।

इस बार बना है खास संयोग : सावन में इस बार खास संयोग बना है। सावन की शुरूआत और समापन सोमवारी से हो रही है। इसके अलावे 29 दिन के सावन में पांच सोमवारी पड़ने से भी शिवभक्तों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है।

एहतियात के तौर पर की गई थी कई तैयारियां, सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम

किसी भी अनहोनी के मद्देनजर प्रशासन ने कई इंतजामात किए थे। मंदिर के अंदर और बाहर महिला पुलिस बल एवं अतिरिक्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई थी, जोकि श्रद्धालुओं को जलाभिषेक करने में सहायता प्रदान कर रहे थे। सीओ खुशबू खातून ने बताया की मंदिर के समीप स्थित शिव सागर तालाब में नाव के साथ गोताखोरों की नियुक्ति की गई थी। तालाब में रस्सी से बेरिकेटिंग कर रस्सी के इस तरफ ही स्नान करने की प्रशासन द्वारा बार-बार घोषणा की जा रही थी।नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरे से स्थिति पर नजर रखी गई थी। एंबुलेंस के साथ चिकित्सक एवं नर्स की तैनाती की गई थी। मंदिर पूजा समिति के स्वयंसेवक मंदिर के अंदर एवं बाहर तत्पर दिखाई दे रहे थे। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए प्रशासन द्वारा 16 मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे, जो कि मंदिर जाने वाले मार्ग के बेरिकेटिंग एवं मंदिर के आसपास मौजूद रहकर अपनी ड्यूटी बखूबी निभा रहे थे। वहीं, चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक के कारण श्रद्धालुओं को बाबा का दर्शन करने में काफी सहूलियत हुई। हालाकि कई श्रद्धालु केवल एक गेट खुला रहने से परेशानी हुई।

एक नजर

जिला भारतोलन संघ का हुआ पुनर्गठन, निर्विरोध जिलाध्यक्ष बने अरुण पहलवान



बक्सर। जिला भारतोलन संघ के पुर्नगठन के लिए जिला मुख्यालय स्थित पावर हब हेल्थ क्लब में अरुण कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप से बिहार भारतोलन संघ के अमरजीत कुमार की देख-रेख में बैठक सुचारू रूप से चली। इस बैठक में जिला संघ के पुनर्गठन पर चर्चा की गई। जिसमें विभिन्न पदों के लिए चयन किया गया। जिसमे निर्विरोध रूप चौसा के अरुण कुमार यादव को अध्यक्ष बनाया गया। जबकि, उपाध्यक्ष पद पर संजीव कुमार एवं प्रतिमा कुमारी, सचिव विनय कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव मो. मोइनुद्दीन आलम उर्फ नौशाद आलम व कोषाध्यक्ष जय कुमार को बनाया गया। वही, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सोनू कुमार, सुशील कुमार, मनोज कुमार सिंह व बृजेश चौधरी का चयन किया गया। जिला भारोतोलन संघ का अध्यक्ष बनने पर अरूण ने कहा कि जिलेभर में भारोतोलन को बढ़ावा देने के लिए सघन प्रतियोगिताएं कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इस खेल में जिले के युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया। अरुण कुमार यादव उर्फ अरुण पहलवान के भारतोलन संघ के अध्यक्ष बनने पर अजीत यादव अधिवक्ता, जितेंद्र सिंह, सोनू पटेल, विजय सिंह, मो. मुस्तफा, गणेश केशरी, विकास राज, कृष्ण कुमार, रिजवान, पप्पू शेख, राजू खरवार, पप्पू कसेरा, बेचू यादव, मुन्ना चौधरी आदि ने बधाई दी।

पीएचसी के समक्ष सीएचओ व स्टाफ एएनएम ने किया प्रदर्शन, दैनिक कार्यों से रहे दूर



डुमरांव। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले सीएचओ व स्टाफ नर्स ने अपनी मांगों के समर्थन में राज्य सरकार के विरोध में जमकर नारेबजी की। साथ ही सभी ने अपने दैनिक कार्य से अलग रखते हुए धरना-प्रदर्शन किया। संघ के जिलाध्यक्ष गायत्री व अनुमंडल मंत्री विकास सिंह ने कहा कि बिहार चिकित्सा एव जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ राज्य के नियमित कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, आउट सोर्सिंग कर्मियों, स्कीम वर्कर्स का प्रतिनिधित्व करने वाला एकमात्र स्थापित संगठन है, जो उनकी बुनियादी सवालों, सेवा शर्तें के विपरित कर्रवाई, आर्थिक हितों पर हमले तथा दमन और शोषण के खिलाफ मजबूती से संघर्ष करता रहा है। राज्य स्वास्थ्य समिति विगत दिनों राज्य के एनएचएम कर्मियों के लिए बाध्यकारी स्मार्टफोन के माध्यम से एफआरएसएस विधि से हाजिरी दर्ज करने का भेदभावपूर्ण आदेश जारी किया गया है, जिसका बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ कड़ा विरोध करता है। संघ द्वारा एनएचएम कर्मियों के लिए बाध्यकारी एफआरएएस तथा उनकी मांगों के समर्थन में लगातार धरना-प्रदर्शन के माध्यम से मांग पत्रों का संलेख समर्पित किया गया, परंतु इस पर किसी प्रकार की सकारात्मक कार्रवाई करने की बजाय राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा दमनात्मक रूख अख्तियार किया जा रहा है। मौके पर रविकांत सिंह, पूर्णिमा सिंह, पूजा कुमारी, सुरेन्द्र सिंह, अनीता यादव, कृष्ण कुमार, विभा कुमारी, डिंपल, प्रियंका गुप्ता, अक्षय कुमार, उमेश कुमार सहित सीएचओ, स्टाफ एएनएम मौजूद रही।

सफाखाना रोड से अनुसूचित जाति बस्ती तक बनना शुरू हुआ रोड एवं नाली



डुमरांव। वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहे सफाखाना रोड से अनुसूचित जाति बस्ती मोहल्ले के लोगों को अब नया रोड मिलने जा रहा है। इस रोड को बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। 20 लाख की लागत से बनने वाले इस रोड में लगभग आधा दर्जन मोहल्ले का तो जुड़ाव होगा। वहीं संपर्क सड़क से लेकर मुख्य सड़क तक जुट जाएंगे। वार्ड पार्षद अमरनाथ पासवान ने बताया कि नाली और रोड नहीं होने से आधा दर्जन मोहल्लेवासी काफी परेशान थे। लिहाजा इस रोड के बनाने के लिए एजेंडा में शामिल कर लिया गया था। फिर इसके बनाने के लिए सोमवार को कार्य शुरू कर दिया गया है। मालूम हो कि इस रोड के बन जाने से सफाखाना रोड, हरिजी हाता, पासवान टोली, स्टेशन रोड के साथ इसके संपर्क सड़कों में रहने वाले लोगों को जलजमाव व कीचड़ से छुटकारा मिल जाएगी। रोड और नाली नहीं होने से घरों का पानी रोड पर बहता है, जिससे गढ्ढों में पानी भर जाता है, जिससे आने-जाने में काफी परेशानी होती है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बच्चों को होती है। स्कूल बस रोड में नहीं जाते जिससे बच्चों को बस पर चढ़ाने के लिए सफाखाना रोड मोड़ पर आना पड़ता है। महिलाएं बच्चों को लाने के लिए भी मोड़ पर जाकर इंतजार करती हैं। इस रोड के बन जाने से लोगों को इस परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा। साथ ही इस रोड से होकर लोग अन्य मोहल्लो में भी असानी से आ-जा सकते हैं।

बक्सर में जेल पइन रोड के मुहाने पर टूटी पुलिया की हुई मरम्मति

बक्सर। जिला मुख्यालय के स्टेशन रोड से चौसा रोड को जोड़ने वाली जेल पइन रोड के मुहाने पर टूटी पुलिया का विभागीय स्तर पर मरम्मत करा लिया गया है। मरम्मत होने के साथ ही पुलिया से आवागमन शुरू हो गया है। ज्ञात हो कि जेल पइन रोड के निर्माण के बाद बड़े वाहनों का संचालन शुरू हो गया था। जिसके कारण स्टेशन रोड के मुहाने पर बना नाला पर पुलिया कमजोर होने के कारण टूट गया था। जिससे बड़े वाहनों का संचालन पूरी तरह से प्रभावित हो गया था। जहां टूटी पुलिया के एक किनारे पर लटके सरिया पर मिटी भरकर छोटे वाहनों के लिए बनाया गया था। जो कभी भी हादसे का गवाह बन सकता था। पुलिया पर मिट्टी डालने के कारण कई बार छोटे वाहन फंस गये एवं कई बार बड़ी दुर्घटना होने से टल गया। जिसको ध्यान में रखते हुए विभागीय स्तर पर आनन-फानन में पुलिया की ढलाई में प्रयुक्त सरिया को तोड़कर नाला लगाया गया है। जिससे सड़क पर छोटे व हल्के वाहनों का संचालन प्रभावित नहीं हो सके। वहीं टूटी पुलिया वन साइडेड होने के कारण पूरे दिन स्टेशन रोड में जाम लग जाती थी। जिससे आवागमन प्रभावित हो जाता था। संध्या समय मे जाम की समस्या और भी गंभीर हो जाती थी। इससे अब लोगों को मुक्ति मिलेगी। आवागमन अब सुचारू रूप से हो सकेगा।

बारूपुर में पांच वर्षों से बंद पड़ा है सरकारी ट्यूबवेल

केटी न्यूज/राजपुर



सरकार के लाख प्रयास के बावजूद स्थानीय प्रखंड में किसानों के खेत तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जिस कारण धान की यूरोपिनी बाधित हो रही है। प्रखंड के बारूपुर पंचायत अंतर्गत उत्तमपुर गांव में पिछले पाँच वर्षों से सरकारी ट्यूबवेल बंद पड़ा है। बोरवेल होने के बाद से एक दिन भी खेतों की सिंचाई नहीं की गई है। लाखों रुपए की लागत से लगभग 100 हेक्टेयर खेतों की सिंचाई करने के लिए भारत सरकार के तरफ से संचालित योजना के तहत नलकूप विभाग ने इस सरकारी ट्यूबवेल को यहां लगाया था। वर्ष 2018 में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा सिंचाई की सुविधा के लिए ट्यूबवेल लगाया गया था, जो शोभा की वस्तु बना है। विदित हो की पिछले कई वर्षों से इस इलाके में खेती करने वाले किसान अक्सर मानसून पर निर्भर रहते हैं। वर्षा होने पर या नहर में पानी आने पर ही खेती की जाती है। पानी के अभाव में सैकड़ो एकड़ खेत परती रह जाता था। इसको देखते हुए तत्कालीन मुखिया मिथिलेश पासवान ने पहल करते हुए नलकूप विभाग को यहां सिंचाई के लिए सरकारी ट्यूबवेल की मांग की गई थी। जिनके मांग पर यह लगाया गया।जिसको लगाने के लिए वाराणसी से आए कारीगरों ने लगभग 500 फीट गहरे बोरवेल किया। गांव के किसान मुसाफिर राय, रमेश सिंह, रामकृष्ण सिंह, रामनरेश सिंह ,दीपक रजक,बबन राम ने आवाज उठाते हुए कहा कि सरकारी बोरिंग को चालू करने की जरूरत है। अगर यह बोरिंग चालू हो जाता है तो अधिकतर किसान आर्थिक रूप से उन्नत हो सकते हैं।

फर्जीवाड़ा: ब्रह्मपुर की प्रियंका के सर्टिफिकेट पर फर्जी तरीके से शिक्षिका बनी रोहतास की बेबी

- खुलासे के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, डीईओ ने एफआईआर दर्ज कराने का दिया आदेश

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग में फजीर्वाड़े का खेल निराला है। यहां दूसरे के नाम पर नौकरी करना आम बात है, लेकिन दिलचस्प की इसकी जानकारी मिलने के बाद भी विभाग द्वारा सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है। जिले में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जिसमें ब्रह्मपुर के कांट गांव की रहने वाली प्रियंका कुमारी के सर्टिफिकेट पर रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र व मेदिनीपुर पोस्ट के पोंगाढ़ी गांव के जितेन्द्र कुमार की पत्नी बेबी देवी डुमरांव प्रखंड के मध्य विद्यालय नेनुआ में फर्जी शिक्षिका बन गई। दो साल तक विभाग उसके फजीर्वाड़े को नहीं पकड़ सका। लेकिन, इसी बीच असली प्रियंका का चयन बिहार दरोगा पद पर हो गया तथा वह सिवान जिले के महराजगंज में तैनात है। पुलिस विभाग द्वारा जब उसके मूल प्रमाण पत्र की सत्यापन के लिए मांग की गई तो इस फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ। बावजूद एक साल तक विभाग पूरे मामले पर कुंडली मार बैठा रहा। हालांकि अब बक्सर डीईओ ने डुमरांव बीईओ को उस पर एफआईआर दर्ज कराने तथा वेतन रिकवरी के आदेश दिए है। जिससे उम्मीद जगी है कि फर्जी तरीके से शिक्षिका बनी बेबी कुमारी पर कार्रवाई होगी।

विभागीय कर्मियों की संलिप्तता से नहीं किया जा सकता है इंकार : इस पूरे मामले में विभागीय संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो विभागीय कर्मियों के मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं था कि कार्यालय में जमा सर्टिफिकेट किसी दूसरे को मिल जाए। इस पूरे मामले में विभागीय कर्मियों की भूमिका की गहराई से जांच होने पर न सिर्फ कई चौकाने वाले मामले सामने आएंगे बल्कि जिले में दूसरे के नाम पर शिक्षक व शिक्षिका बनने वालों की कलई भी परत दर परत खुलते चली जाएगी। जानकार सूत्रों की मानें तो जिले में दूसरे के नाम पर शिक्षक बन नौकरी करने वालों की बड़ी तादात है।

विभागीयकर्मी प्रियंका का प्रमाण पत्र देने में करने लगे आनाकानी

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कांट गांव निवासी प्रियंका कुमारी ने नियोजित शिक्षक बनने के लिए अगस्त 2021 में बक्सर के एमपी हाई स्कूल में अपना काउंसलिंग कराई थी। इस दौरान उसका चयन भी हो गया था तथा शिक्षा विभाग द्वारा उसके मूल प्रमाण पत्र को जमा करा लिया गया था। लेकिन, 2022 के शुरूआत में ही उसका चयन बिहार दरोगा में हो गया तथा वह योगदान कर सिवान जिले में चली गई। इधर उसका मूल प्रमाणपत्र शिक्षा विभाग के कार्यालय में ही छूट गया था। दिसंबर 2023 में जब उससे पुलिस विभाग द्वारा मूल प्रमाण पत्र की मांग की गई तो वह अपना मूल प्रमाण पत्र लेने शिक्षा विभाग के कार्यालय पहुंची। लेकिन, विभागीयकर्मी उसका प्रमाण पत्र देने में आनाकानी करने लगे। जब प्रियंका ने दबाव बढ़ाया तो पता चला कि उसके नाम पर मध्य विद्यालय नेनुआ में कोई फर्जी तरीके से नौकरी कर रही है। इसके बाद प्रियंका ने बक्सर टाउन थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जबकि विभाग द्वारा दिसंबर 2023 से अबतक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सीए क्वालीफाई करने वाले किशन का हुआ जोरदार स्वागत

केटी न्यूज/बक्सर



सोमवार को हावड़ा अमृतसर मेल से पहली बार चार्टर अकाउंटेंट की परीक्षा सफल होने के बाद किशन केसरी कोलकाता से बक्सर पहुंचे। सफलता हासिल करने के बाद प्रथम आगमन पर संघ, विद्यार्थी परिषद, भाजपा सहित अन्य संगठनों के कुछ प्रमुख कार्यकर्ता किशन को स्टेशन पर ही भारत माता की उद्घोष के साथ स्वागत व सम्मान किया।

सुबह सुबह कार्यकर्ता का जोश देखते बन रहा था सभी अपने बीच के मेहनती, होनहार, कर्तव्य निष्ठ किशन के मेहनत को सम्मान करने के लिए पांच बजे ही जगकर स्टेशन पहुंचे। ट्रेन पहुंचते भारत माता की जय, वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा परिसर गुंजायमान हो गया। स्टेशन पर गौरव कुमार, गौरव जसवाल, सोनू वर्मा ने मिठाई खिला बधाई दिया, वही विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक अविनाश पांडे ने अंग वस्त्र से सम्मानित कर बधाई दिया। साथ ही भाजपा के पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विवेक चौधरी, युवा मोर्चा के अक्षय ओझा ने भी अंग वस्त्र से सम्मानित किया। सभी स्टेशन से घर तक पहुंचाएं बधाई देने हेतु स्टेशन पर विकास मिश्रा, शिवम चौबे, प्रभाकर तिवारी, अविनाश कुमार वर्मा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

पिस्टल दिखा युवक से मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

बक्सर। पिपरपांती रोड स्थित एक दुकान के पास एक युवक के साथ दो लोगों ने पिस्टल दिखा मारपीट की। घटना को लेकर पीड़ित युवक द्वारा नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि नगर के पुराना चौक निवासी मनीष मोहन वर्मा किसी कार्य से कही जा रहा था। वही वह ओम फैंसी स्टोर के पास पहुंचा जहां दुकान के पास खड़े दो व्यक्तियों कोइरपुरवा निवासी अली उषा व उसके बॉडीगार्ड द्वारा पिस्टल दिखा उसके साथ मारपीट की गई है। जिसकी प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

दानापुर- डीडीयू रेलखंड पर डुमरांव व बरुणा स्टेशन के बीच अप लाइन पर किसी ट्रेन से कटकर एक 32 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी बक्सर रेल पुलिस को दी गई। जहा रेल पुलिस पहुंच युवक की पहचान कराने की कोशिश की गई। लेकिन, मृत युवक की पहचान न हो सकी। जहा पुलिस ने शव को उठा पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया। जीआरपी प्रभारी अरुण पासवान ने बताया कि किसी ने सूचना दी थी डुमराव बरुणा के बीच एक युवक का शव पड़ा है। जिसकी सूचना पर पुलिस पहुंच शव को उठा पोस्टमार्टम को भेजा गया। हालांकि, अभी उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

वहीं, 15667 कामख्या एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल बोगी से बक्सर स्टेशन पर एक युवक का शव मिला। युवक असम के धुबरी जिला के गौरीपुर थाना के नेचरघाप गांव का रहने वाला फूलचंद अली है।

सावन के प्रथम सोमवारी पर युवाओं ने मंदिर परिसर में पौधरोपण कर दिया पर्यायवरण संरक्षण का संदेश

पेड़ लगाओ जीवन बचाओ के नारे के साथ किया गया पौधरोपण

- बोले अजय राय... आने वाली पीढ़ी के सुखमय भविष्य के लिए हमें अभी से सजग होना होगा

केटी न्यूज/डुमरांव



पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने के लिए डुमरांव के युवाओं ने पवित्र सावन मास की पहली सोमवारी पर नगर के प्रसिद्ध जंगलीनाथ शिवमंदिर परिसर में पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। "पेड़ लगाओ जीवन बचाओ" का नारा देते हुए पर्यावरण रक्षार्थ मंदिर परिसर में कई पौधों का रोपण किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं से अपने जीवन में अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उसकी देखभाल की अपील की गई।

इस अभियान का नेतृत्व युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पेड़ पौधे प्रकृति के श्रृंगार है तथा यह धरती पर जीवन के लिए सबसे आवश्यक है। पेड़ पौधे ही हमे प्राण वायु देते है, जिससे धरती पर जीवन चलता है। अजय ने कहा कि पेड़ पौधों की अंधाधूंध कटाई से हमारा पर्यावरण पहले ही बहुत बिगड़ चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार बक्सर जिले का तापमान देश के सबसे अधिक हो गया था। जिससे साफ जाहिर होता है कि आने वाले समय में हमारे इलाके का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि जीवन संभव नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी के सुखमय भविष्य के लिए हमे अभी से सजग होना होगा तथा अधिक से अधिक पौधरोपण के साथ ही पेड़ पौधों के संरक्षण की आदत भी डालनी होगी। बताते चले कि अजय के नेतृत्व में जल जीवन हरियाली अभियान के अंतर्गत अब तक सैकड़ो पौधा लगाया जा चुका है। उनके पौधरोपण के इस अभियान से प्रेरित होकर डुमरांव के अन्य लोग भी अब उनसे जुड़ने लगे हैं। इस अभियान का नेतृत्व कर रहें युवा अजय राय का कहना है की पौधरोपण का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस बार बारिश के मौसम में हमलोगों ने ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने लोगो से पर्यावरण हित में अधिक से अधिक पौध रोपण करने के लिए आग्रह भी किया है। इस अभियान में मुख्य रूप से एसआई ददन प्रसाद, अमित सिंह, अमृत कुमार, अभिषेक रंजन, आनंद राय उर्फ.गप्पू राय, प्रियतोष राय समेत दर्जनों युवा शामिल रहें।

जिम संचालक हत्याकांड मामले का मुख्य साजिशकर्ता गांधी चौधरी गिरफ्तार

♦ 2023 में घाट चलाने को लेकर हुआ था झगड़ा, जिसके बाद गांधी ने रची हत्या की साजिश

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



बिक्रमगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने नासरीगंज थाना में सोमवार को थानाध्यक्ष कार्यालय कक्ष में नासरीगंज जिम संचालक हत्याकांड मामले को लेकर प्रेस-वार्ता की। उन्होंने प्रेस-वार्ता करते हुए बताया कि विगत 29 जून 2024 की रात्रि करीब 9 बजे के बीच में नासरीगंज थाना के कुछ ही दूरी पर स्थित झंझरिया पुल के समीप जिम संचालक अतुल श्रीवास्तव उर्फ आदि की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस संदर्भ में नासरीगंज थाना में 30 जून 2024 को आर्म्स एक्ट विरुद्ध अमियावर निवासी गांधी चौधरी पिता महेंद्र चौधरी समेत सात नामजद तथा 3-4 अज्ञात के विरुद्ध दर्ज किया गया। डीएसपी श्री कुमार ने बताया कि कांड के त्वरित उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक रोहतास द्वारा मेरे नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें नासरीगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार, काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी, डीआईयू प्रभारी राहुल कुमार व सुशांत मंडल एवं पुलिस बल को शामिल किया गया।

उन्होंने कहा कि गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए इस कांड के प्राथमिकी अभियुक्त बिरजू पासवान को 30 जून को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गठित टीम द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान करते हुए इस कांड के शूटर छोटू राम को 13 जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के क्रम में शूटर छोटू राम ने अपने साथी के साथ कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि जिम संचालक अतुल श्रीवास्तव एवं गांधी चौधरी के बीच घाट चलाने को लेकर विगत माह दिसंबर 2023 में झगड़ा हुआ था। जिसमें अतुल श्रीवास्तव द्वारा गांधी चौधरी को मारपीट किया गया था। इस बात को लेकर गांधी चौधरी नाराज थे तथा बदला लेने के लिए प्लानिंग कर एक षड्यंत्र के तहत खुद अमरनाथ यात्रा पर निकल कर अन्य साथियों को यह काम सौंपें। जिसमें 29 जून को छोटू राम एवं अन्य द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि शूटर छोटू राम के स्वीकारोक्ति बयान के पश्चात इस कांड के मुख्य षड्यंत्रकर्त्ता अमियावर निवासी गांधी चौधरी पिता महेंद्र चौधरी को थाना क्षेत्र के दाउदनगर पुल के समीप से गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार मुख्य षड्यंत्र- कर्त्ता कई मामलों में आरोपित है।

खबरें फटाफट

नहर में डूबने से मजदूर की मौत

दिनारा। रोहतास जिले के मिल्की करहंसी गांव में नहर में डूबने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक मजदूर नटवार थाना इलाके के मिल्की करहंसी गांव के दशई राम के पुत्र चंदन राम बताया गया। पुलिस ने नहर से काफी मशक्कत के बाद मजदूर चंदन राम के शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। वहीं पुलिस का अगली कार्रवाई की जारी है। मृतक के भाई पप्पू राम ने बताया कि चंदन राम खेत में कार्य कर के नहर में नहाने गया था। इसी दौरान नहर के गहरे पानी में डूबने से चंदन राम की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत

नौहट्टा। रोहतास जिला के टीपा गांव के पास दो बाइकों के टक्कर में एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक बाइक सवार रोहतास जिले के नौहट्टा के शिव साह के पुत्र संजय कुमार बताया गया। जो फिलहाल डेहरी मोहन बीघा में रहता था। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंपते हुए अगली कार्रवाई जारी रखी है। मृतक के चाचा महावीर कुमार साह ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर उनका भतीजा संजय कुमार नौहट्टा से लौट रहा था। जहां विपक्षी ने इस घटना को अंजाम दी है। उन्होंने कहा कि संजय कुमार भूमि विवाद के मामले को निपटारे हेतु किसी से सलाह लेकर लौट रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से विपक्षी ने साजिश के तहत बाइक में टक्कर मार दी।

मां-बेटे समेत चार की पिटाई

आरा। भोजपुर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव में जमीनी विवाद को लेकर मां-बेटे समेत चार लोगों की जमकर पिटाई कर दी गई। जिससे सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी अनुसार जख्मियों में गजराजगंज ओपी क्षेत्र के छोटकी सासाराम गांव निवासी राजेंद्र सिंह की पत्नी शिवकुमारी, देवी पुत्री रानी कुमारी, भवाह तारामुनी देवी एवं भतीजा लल्लू कुमार सिंह शामिल है। इधर लल्लू कुमार सिंह बताया कि पट्टीदार से ही एक बिगहा जमीन को लेकर चार वर्ष से विवाह चल रहा है।

शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही के समीप हुआ हादसा, 15 लोग बुरी तरह जख्मी

खड़े गैस टैंकर से टकराई यात्रियों से भरी लोडिंग गाड़ी; दो की हुई मौत



केटी न्यूज/आरा

♦ घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से लोगों को कराया भर्ती, इलाज के दौरान दो लोगों की हुई मौत

जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही गांव स्थित ओवर ब्रिज पर सोमवार की सुबह मुंडन में जा रहे सवारी से बड़ी पिकअप सड़क किनारे खड़ी एक गैस कंटेनर से टकरा गई। हादसे में पिकअप पर सवार एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने दम तोड़ दिया। जबकि उसी पिकअप पर सवार डेढ़ दर्जन लोग जख्मी हो गए। इसके बाद सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद एक की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है।

घटना को लेकर आसपास की इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतका आयर थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव निवासी द्वारिका यादव की 55 वर्षीर्या पत्नी धनराजो देवी है। जबकि जख्मियों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के विमवां गांव निवासी नंदीजी यादव की पत्नी ललिता देवी,पुत्र राधे श्याम,वजन यादव के पुत्र रुदल यादव,शिवनाथ यादव की पत्नी लवली देवी, रामजी यादव की पत्नी मीरा देवी, बिहिया थाना क्षेत्र के घाघा गांव निवासी लक्ष्मण यादव की पत्नी फूला देवी, तीयर थाना क्षेत्र के अरैला गांव निवासी श्री भगवान की पत्नी लक्ष्मीना देवी, अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के पराैरा गांव निवासी जगनारायण सिंह की पत्नी विजयंती देवी, आयर थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव निवासी व मृतका के पति द्वारिका यादव एवं बक्सर जिला के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कांटे गांव निवासी मंतोष यादव की पत्नी विक्की देवी एवं पुत्री श्रियांशी कुमारी शामिल है।

इलाज के दौरान उनके रिश्तेदार धनराज और देवी की हुई मौत : जख्मी विक्की देवी ने बताया कि उनके भाई लालजी यादव के पुत्र व उसके भतीजे राज बाबू का मुंडन था। उसी का मुंडन करवाने के लिए सभी लोग पिकअप पर सवार होकर विमवां गांव से बक्सर जिला के ब्रह्मपुर जा रहे थे। उसी बीच बनाही गांव स्थित ओवर ब्रिज पर सड़क किनारे खड़ी गैस टैंकर में उनकी पिकअप पीछे से टकरा गई। जिससे सभी लोग जख्मी हो गए। इसके बाद सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान उनके रिश्तेदार धनराज और देवी की मौत हो गई। जबकि जख्मियों में रुदल यादव का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया। वहीं सभी जख्मियों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। बताया जाता है कि मृतका को दो पुत्री सविता,रेम्पू एवं एक पुत्र संतोष यादव है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर ट्रैक्टर चालक की इलाज के दौरान मौत

आरा। आरा-सिन्हा मार्ग पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के यादवपुर गांव के समीप सोमवार की दोपहर अज्ञात पिकअप ने बाइक सवार एक ट्रैक्टर चालक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक गीधा थाना क्षेत्र के गीधा गांव निवासी स्व.शत्रुघन पासवान का 39 वर्षीय पुत्र संजय पासवान है एवं वह पेशे से ट्रैक्टर चालक था। इधर मृतक की पत्नी रिंकू देवी ने बताया कि कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के देवढिया गांव निवासी ट्रैक्टर मालिक द्वारा उन्हें ट्रैक्टर चलाने के लिए फोन किया जा रहा था। जिसको लेकर बाइक से अपने गांव से देवढिया जा रहे थे। उसी बीच यादवपुर गांव के समीप अज्ञात पिकअप ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

इसके बाद उन्हें डायल 112 नंबर पुलिस वाहन द्वारा इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद वह मौजूद लोगों द्वारा फोन कर इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना पाकर मृतक के परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी।

विषैले सांप के डसने से महिला की मौत

आरा। जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव में रविवार की सुबह विषैले सांप के डसने से अधेड़ महिला की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी जितेंद्र राम की 55 वर्षीर्या उर्मिला देवी हैं। इधर मृतका की गोतनी ने बताया कि रविवार के दोपहर घर में रहे छेद को बंद करने के लिए वह मिट्टी सान रही थी। उसी दौरान विषैले सांप ने उन्हें डस लिया। जिसे उनकी हालत काफी बिगड़ गई। जिसके बाद परिजन पहले उन्हें झांड़फूंक करने को लेकर भैरव टोला ले गए। जिसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया।

87 विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

केटी न्यूज/बिक्रमगंज



द डिवाइन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में साइंस ओलम्पियाड के दूसरे लेवल को क्वालीफाई करनेवाले तथा जोनल लेवल के टॉपर्स में अपना स्थान बनानेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कुल 87 विद्यार्थी पुरस्कृत हुए। जोनल रैंक टॉपर्स में रैंक 1 से रैंक 25 तक के रैंक होल्डर को शामिल किया जाता है। द एसओएफ की ओर से उत्कृष्ट जोनल रैंक प्राप्त करने पर प्रशस्ति पत्र दिया गया। कक्षा 6 के विद्यार्थियों पंकज कुमार केशरी एवं आदित्य कुमार को जोनल रैंक 2 प्राप्त करनेपर रडऋकी ओर से प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ सिल्वर मेडल तथा पच्चीस सौ रुपए का चेक प्राप्त हुआ।अन्य विद्यार्थियों में अमन कुमार,अंश कश्यप एवं प्रेमदीप जॉली को भी पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के सह निदेशक अखिलेश कुमार ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष फॉर्म भरने के मामले में हम पूरे बिहार में तीसरे स्थान पर रहे।इस वर्ष हमें इंटरनेशनल लेवल पर स्थान बनाना है।तप जितना कठिन होगा परिणाम उतना ही अविश्वसनीय आएगा।इंटरनेशनल लेवल पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों को साइंस ओलिंपियाड की तरफ से क्रमशः पचास,पच्चीस तथा दस हजार की पुरस्कार राशि दिल्ली बुलाकर दी जाती है।मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि जितनी इनाम राशि रडऋ आपको देगा उसमें उतनी ही राशि जोड़कर विद्यालय भी आपको देगा साथ ही दिल्ली तक आपकी एवं आपके माता-पिता की फ्लाइट की टिकट भी विद्यालय बुक करवाएगा इसलिए कमर कसकर इसकी तैयारी में लग जाइये।

छह शराब कारोबारी को शराब व बाइक के साथ किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

सूर्यपुरा, काराकाट एवं कछवां पुलिस ने अलग- अलग जगहों से 6 शराब कारोबारी को शराब एवं बाइक के साथ किया गिरफ्तार । सूर्यपुरा थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के अलीगंज टोला निवासी स्वर्गीय गणेश चौधरी के पुत्र हीरालाल चौधरी उर्फ भोदा चौधरी को 12 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि उक्त मामले में ही साकिम व थाना दावथ निवासी लक्ष्मण कहार के दो पुत्र भोदा कहार एवं बिहारी कहार को 2.5 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं काराकाट पुलिस ने भी थाना क्षेत्र के सवानंद डिहरी गांव से स्वर्गीय भगवान पासवान के पुत्र महावीर पासवान को 2 लीटर देशी शराब एवं परसिया निवासी जितेंद्र प्रसाद के पुत्र संटू कुमार को 1.5 लीटर देसी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने दी। वहीं कछवां पुलिस ने भी थाना क्षेत्र के बालदेव टोला निवासी स्वर्गीय बिजली महतो के पुत्र रविंद्र महतो को थाना क्षेत्र के मंगरांव गांव से गुप्त सूचना के आधार पर 2.8 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। साथ ही साथ मामले में प्रयुक्त एक पैशन प्रो बाइक को जब्त किया गया। कछवां थाना के थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार सभी कारोबारियों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी शिवालयों में आस्था का जनसैलाब देखने को मिला

सावन के पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब

केटी न्यूज/काराकाट



भगवान शिव को प्रिय सावन का पवित्र माह 22 जुलाई दिन सोमवार से शुरू हो गया। यह माह शिव भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी शिवालयों में आस्था का जनसैलाब देखने को मिला। शिव भक्त सोमवार को अहले सुबह से ही शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे।

इस दौरान वातावरण हर-हर महादेव और बम- बम भोले के जयकारों से गुंजायमान हो रहा था। शिव भक्त ब्रम्ह मुहूर्त से ही शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए कतारबद्ध खड़े होकर अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। अपनी बारी आने पर शिवलिंग की भक्तों ने विधि विधान से पूजा-अर्चना की। पूजन के दौरान शिव भक्तों ने शिवलिंग पर बेल्वपत्र, भांग, धतूरा, मदार, शमी, दही, दूध, चावल, गंगाजल, पुष्प, तिल, शहद सहित उस ऋतु अर्थात माह में मिलने वाली कई सामग्रियों से जलाभिषेक किया। हर-हर महादेव से पूरा वातावरण गूंजायमान हो रहा था।

सावन के पहले सोमवार पर वैसे तो अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सभी शिवालयों पर भक्तों की काफी भीड़ देखने को मिली। लेकिन खास भीड़ बिक्रमगंज नगर के कस्तर महादेव, आरा रोड शिव मंदिर, डुमरांव रोड काली मंदिर, सासाराम रोड डीएसपी कार्यालय व आवास समीप शिव मंदिर, दुर्गा स्थान, थाना चौक समीप शिव मंदिर, धनगांई काली मंदिर,पशु अस्पताल समीप मां काली मंदिर व शिव मंदिर, धारुपुर वार्ड 20 शिव मंदिर, वार्ड 21 मां काली व शिव मंदिर, दिनारा प्रखंड क्षेत्र के मां यक्षिणी भवानी भलुनी निज पावन धाम तो वहीं दूसरी ओर काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत काराकाट बाजार समीप मां दुर्गा मंदिर व शिव मंदिर, प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी बकस बाबा मंदिर, बीआरसी कार्यालय समीप शिव मंदिर, बुढ़वा महादेव मंदिर, देवमार्कण्डेय शिव मंदिर, घरवासडीह मठ,पहरमा शिव मंदिर सहित अन्य सभी शिव मंदिरों में काफी भीड़ रही।

सोमवार का विशेष महत्व : आचार्य हरिशरण दुबे एवं पंडित लालबाबू दुबे ने बताया कि मान्यताओं के अनुसार सावन मास में सोमवार का विशेष महत्व है। इस दिन को भगवान शिव का स्वरूप माना गया है। सावन मास में भगवान आशुतोष की पूजा का विशेष महत्व है। महीने में जितने भी सोमवार होते हैं शिवजी का व्रत किया जाता है। इस माह में बाबा भोलेनाथ की असीम कृपा सभी भक्तों पर बनी रहती है। पर्व के मद्देनजर अनुमंडल प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षाकर्मी मंदिरों पर तैनात दिखे। लंबी कतार को लेकर भक्त आपस में न भीड़े उसको लेकर सुरक्षाकर्मी इसका विशेष ध्यान रख रहे थे।

एक नजर

स्टॉफ नर्स, एएनएम, जीएनएम सहित संविदा कर्मियों ने किया धरना प्रदर्शन



काराकाट। रोहतास जिले के काराकाट प्रखंड मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोड़ारी में सोमवार को संविदा स्वास्थ्य कर्मी संघ काराकाट के तत्वाधान में मूलभूत सुविधाओं को लेकर अनिश्चित कालीन कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें स्टॉफ नर्स, एएनएम, जीएनएम सहित संविदा कर्मियों ने केंद्र व राज्य सरकार से अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। वहीं स्वास्थ्य कर्मियों ने धरना प्रदर्शन के दौरान मूलभूत सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी भी किया। धरना प्रदर्शन के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों की मांग ये थी कि समान काम का समान वेतन, सभी कार्यरत कर्मियों को राज्य कर्मी की दर्जा दिया जाए, स्वास्थ्य केंद्र पर मूलभूत सुविधाओं की मांग, स्वास्थ्य उपकेन्द्रों पर स्थाई भवन आवासीय सुविधा शौचालय, स्वच्छ पेयजल, बिजली, वाई फाई, इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधा सुनिश्चित की जाये। एनएचएम कर्मियो के लिये स्मार्टफोन से एफआरएएस विधि से उपस्थिति दर्ज करने के अव्यवहारिक एवं अविवेकपूर्ण आदेश को अविलम्ब निरस्त किया जाये। माह मार्च 2024 से बकाया मानदेय का भुगतान अविलम्ब किया जाये तथा हर माह के अंतिम तिथि को मानदेय भुगतान सुनिश्चित किया जाये। धरना में स्टाफ नर्स तहमिया बख्शी, शशी कुमार, हिमांशु तिवारी व राकेश कुमार एनएम साधना कुमारी, कल्पना कुमारी व शमांगी कुमारी सीएचओ अमीत कुमार, सचिन कुमार व रमेश कुमार सहित कई स्वास्थ्य कर्मी थे।

नासरीगंज एवं काराकाट क्षेत्र के गांवों को समस्याओं से मिलेगा छुटकारा, शुरू हुई पहल



नासरीगंज। पावर सब स्टेशन नासरीगंज एवं काराकाट क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला मंगराव, खिरिआंव, ओसांव, घरवाडीह, सरैया ग्रीड में एलटी सहित अन्य तकनिकी खराबी के प्रखंड के तुर्क बीघा, सवारी, कैथी, कछवा, नोआव, गनौरी बीघा, बालदेव टोला गांव में कई दिनों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने को ले भाजपा के बिहार प्रदेश कार्यकारणी सदस्य बलिराम मिश्रा ने इन गावों का दौरा कर विद्युत आपूर्ति बहाल करने को लेकर विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता, कार्यपालक अभियंता व अधीक्षण अभियंता से बात कर जल्द से जल्द इस समस्या को दूर करने को की बात कही। इस ग्रीड में खराबी आने के कारण किसानों को पटवन करने में भी काफी परेशानी उत्पन्न हो रही है। वहीं कैथी राजवाहा नहर से किसानों को खेतों तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत पर उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बात कर इस समस्या को जल्द से जल्द दूर करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता व किसानों की समस्या हमारी समस्या हैं। मौके पर सुनील कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह, समशीर खान, सुरेंद्र सिंह, टुनटुन सिंह, छोटन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बक्सर से गुप्ता धाम पैदल शिविर का उद्घाटन



चेनारी। हर साल की भाती इस साल भी चेनारी पावर हाउस से बस के द्वारा बक्सर के लिए कावरिया संघ रवाना होंगे। बक्सर से जल उठाकर पैदल कमरिया कुदरा कंकाली मंदिर में विश्राम करेंगे। वहां खाना भोजन नाश्ते की उचित प्रबंध कमेटी के द्वारा की गई है। रात्रि में भजन कीर्तन का प्रोग्राम भी किया जाता है। फिर पुनः कावरिया सुबह जल लेकर गुप्ता धाम के लिए प्रस्थान करेंगे जहां चेनारी पावर हाउस पर विश्राम करेंगे। कमेटी के द्वारा कमरिया और भक्तजनों को खाना पीना और नाश्ते का प्रबंध किया जाता है। विश्राम करने के बाद उगहनी घाट होते हुए बाबा गुप्तेश्वर नाथ पहुंचकर जलाभिषेक और पूजा अर्चना करेंगे। शिविर का उद्घाटन वीडियो प्रियंका कुमारी थाना अध्यक्ष रंजन कुमार अंचल अधिकारी ने किया। मौके पर पैक्स अध्यक्ष पप्पू चौबे उर्फ मनमौजी बाबा, पिंटू शुक्ला, जदयू अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, अशोक भारद्वाज, अनुपम चौबे, हरिशंकर तिवारी, सोनू तिवारी, नागा बाबा, कन्हैया शर्मा, कैलाश दुबे समेत हजारों की संख्या में शिव भक्त और लोग मौजूद थे।

सकला रजवाहा के गोडारी में विभाग द्वारा तोड़ा गया फॉल नहीं बनने से किसानों में आक्रोश

काराकाट। सकला रजवाहा के गोड़ारी में अंग्रेजों के जमाने का बना फॉल एक साल पहले तोड़ दिया गया था। जिससे सैकडों एकड़ खेतिहर जमीन पटवन से वंचित हो गया था। जिसको लेकर पिछले वर्ष किसानों ने जमकर प्रदर्शन और विरोध किया था, तब जाकर विभाग द्वारा आनन फानन में अस्थाई रूप से गोडारी पुल के पास एक दिवाल बना दिया गया, ताकि पानी का कुछ रुकावट हो सके। लेकिन मानसून की पहली बारिश में बनाए गए अस्थाई रूप से दिवाल भी टूट कर धरसाई हो गई। जिसके बाद एक बार फिर से किसानों के सामने पटवन की समस्या खड़ी हो चुकी है। जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों ने गोडारी पुल पर एकत्रित होकर विभाग के अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें की इस फॉल से प्रभावित गोड़ारी, बुढ़वल, देनरी, कंचनटोला, तेनुआ, कास्य बहुआरा सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों के किसानों के सामने एक बार फिर फसल की रोपनी से पहले ही समस्या खड़ी हो गई। सकला रजवाहा में अंग्रेजों के जमाने का बना गोड़ारी में फॉल को एक वर्ष पूर्व सिचाईं विभाग के एसडीओ ने बिना सोचे समझे जेसीबी से तोड़ था। फॉल तोड़े जाने के बाद गोड़ारी गांव के आस-पास दर्जनों गांवों के किसानों की भूमि पटवन से वंचित हो गये थे। फॉल तोड़े जाने के बाद उस वक्त भी भारी बवाल हुआ था। किसानों ने सड़क जाम कर फॉल बनाने की मांग किया था। काराकाट बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने वरीय अधिकारियों से बात कर किसानों को आश्वासन दिया था कि खरीफ व रबी फसल कट जाने के बाद रजवाहा सुख जाने पर फॉल का पुनः निर्माण कराया जाएगा।



गाजीपुर : हमीद सेतु के रेलिंग में 10 इंच की पड़ी दरार, जनपदवासियों में हड़कंप

केटी न्यूज/ गाजीपुर

- यूपी-बिहार को जोड़ने वाले हाई-वे पर स्थित है हमीद सेतु



जिला मुख्यालय से सेट गंगा नदी पर स्थित हमीद सेतु पड़ोसी राज्य बिहार को जोड़ने वाले हाई-वे पर स्थित है। इस सेतु की रेलिंग में अचानक करीब दस इंच की दरार पड़ने से लोहे ही रड नीचे की तरफ झुक गई है।

इसके चलते राहगीरों में हड़कंप मच गया है। हालात यह है कि क्षतिग्रस्त रेलिंग वाले जगह से किसी वाहन के गुजरने पर उसमें और सेतु में कंपन होने लगता है। अभी तक तो सबकुछ कुशल है, इस कारण सेतु से वाहनों के आवागमन पर किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं पड़ा है। लेकिन यही दशा रही तो कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। लोगों में हमीद सेतु के रेलिंग में पड़े दरार के चलते हादसे का भय सता रहा है। लोगों ने बताया कि इस महत्वपूर्ण सेतु के रेलिंग में पड़ी दरार की सूचना प्रशासन सहित एनएचएआई को दे दी गई है। मगर अभी तक एहतियातन सुरक्षा की दृष्टिकोण से वहां कोई व्यवस्था नहीं की जा सकी है। लोगों ने बताया कि वर्तमान समय में गंगा का जलस्तर बढ़ने से खतरा और बढ़ गया है। कहा कि शहर से सटे होने के कारण इस सेतु पर सुबह और शाम हर रोज बड़े पैमाने पर महिलाएं, पुरूष, बच्चे मार्निंग वाक के लिए आते हैं। कहा कि अगर उस दौरान कोई रेलिंग वाली दरार के समीप जाने पर बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। कहा कि जल्द इसकी मरम्मत की जाए। ताकि भविष्य में किसी तरह के हादसे को होने से रोका जा सके। लोगों ने कहा कि एनएचएआई के अधिकारियों के उपेक्षा का ही यह नतीजा है कि यह अतिमहत्वपूर्ण सेतु मात्र 39 वर्ष के अंतराल में ही धीरे-धीरे कमजोर होने लगा। जबकि इसकी उम्र 100 साल निर्धारित की गई थी।

एनएचएआई वाराणसी के परियोजना निदेशक आरएस यादव ने बताया कि उन्हें इसकी सूचना मिली है। कहा कि रेलिंग में पड़ी दरार को एक दो दिन में सही कर दिया जाएगा। फिलहाल उस स्थान को सुरक्षा की दृष्टिकोण से जल्द बैरिकेटिंग कर दिया जाएगा।

एक नजर

रोहित हत्याकांड मामले में फूटा लोगों का गुस्सा, एसपी कार्यालय पहुंचकर किया प्रदर्शन

बलिया। जिले के बांसडीह कोतवाली के सामने दिन दहाड़े हुए रोहित हत्याकांड के हत्यारों की गिरफ्तारी घटना के 72 घंटे बाद भी नहीं होने के



कारण लोगों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा?। घटना के बाद पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विभिन्न दलों सहित आक्रोशित ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पहुंच गये। बांसडीह कोतवाली गेट पर शनिवार को सुबह हुई हत्या के विरोध में सोमवार को सैकड़ों युवाओं ने शहर के एसपी आफिस पर प्रर्दशन किया।इस दौरान लोगों ने रोहित के हत्यारों को फांसी दो,फांसी दो आदि के नारे भी लगाये। युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अभिजीत तिवारी सत्यम एवं राकेश पाण्डेय के नेतृत्व में युवाओं सहित अन्य ने अपर पुलिस अधीक्षक डीपी तिवारी को पत्रक देकर को 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार करने, बांसडीह कोतवाल सहित सभी सिपाहियों पर मुकदमा दर्ज कर निलंबित करने तथा स्व रोहित पाण्डेय के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग किया। लोगों ने चेतावनी दी की यदि तय सीमा के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।राकेश पाण्डेय ने कहा कि 48 घंटे हो गया मेरे भाई की हत्या हुए लेकिन सात लोगों में से एक की भी गिरफ्तारी नहीं हुई,इस लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर आना पड़ा। कहा कि कायावाही नहीं होने की दशा में आत्मदाह करूंगा। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन विनोद शंकर दूबे, राजेश पाण्डेय, प्रतुल ओझा, प्रताप पुंज पाण्डेय अंशु, मुखिया पाण्डेय, आदि रहे।

भाभा एटॉमिक रिर्सच सेंटर मुंबई की परीक्षा में उत्तीर्ण हो चंदन भारती बने वैज्ञानिक



गाजीपुर। देवकली ब्लाक के माऊपारा निवासी चंदन भारती का चयन भाभा एटामिक रिर्सच सेंटर मुंबई (वैज्ञानिक परीक्षा) उत्तीर्ण करने के बाद वैज्ञानिक सहायक -सी पर चयनित होकर गांव सहित देवकली ब्लाक का नाम पूरे देश में रोशन किया है। चंदन रमाकान्त राम के पुत्र हैं, जो कृषि कार्य से जुडे हैं। बता दें कि चंदन भारती ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा शहीद स्मारक इंटर कालेज नंदगंज से उत्तीर्ण करने के बाद वर्ष 2018 में डिप्लोमा किया। तत्पश्चात एक्सलेंट विजन कोचिंग सेंटर प्रयागराज में खए की तैयारी की। उसके बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड लखनऊ में एक वर्ष तक अप्रेंटिसिप करने के बाद अपनी तैयारी जारी रखा। इसके चलते भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर मुम्बई में वैज्ञानिक सहायक सी पद पर सफलता अर्जित किया। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता आशा देवी व पिता रमाकान्त राम तथा बड़े.भाई को देते हैं। जिनके मार्गदर्शन में उन्हें सफलता मिली है। सफलता मिलने पर पूर्व विधायक शिवपूजन राम, पत्रकार नरेन्द्र कुमार मौर्य , चन्द्रिका राम गौतम, सोनू राम, अशोक कुमार कुशवाहा ने उज्वल भविष्य की कामना की है।

राज्य सरकार ने व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत विवेकानंद यूथ अवार्ड किया प्रदान

गाजीपुर। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विवेकानंद यूथ एवार्ड व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत युवाओं (पुरूष/महिला) को विस्तृत गाइड लाइंस के



अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में खेलकूद, सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग आदि क्षेत्रों में सराहनीय योगदान किया हो, राज्य सरकार द्वारा व्यक्तिगत श्रेणी का विवेकानंद यूथ एवार्ड प्रदान किया जाएगा। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया है कि विवेकानंद यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) के लिए एक अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2024 तक किए गए कार्यो के आधार पर व्यक्तिगत श्रेणी में इच्छुक युवा आवेदन पत्र जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी गाजीपुर के कार्यालय में 31 अगस्त 2024 तक जमा कर सकते हैं।

करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत



बलिया। मनियर क्षेत्र के पिलूई गांव में सोमवार की सुबह विद्युत पोल में लगे अर्थिंग के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बता दे कि मनियर-सिकन्दरपुर मार्ग पर लगे विद्युत पोल के पास ग्राम पंचायत की कुर्सी रखी गई है। जिस पर बैठने के लिए पिलूई निवासी मोहम्मद यासीन खान 17 वर्ष पुत्र मोहम्मद शाहिल आ रहा था जो विद्युत पोल से जमीन में गाड़े गए अर्थिंग की चपेट में आ गया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुराहाल है। उधर ग्रामीणों का कहना है की इसके पूर्व बिजली विभाग के अधिकारियों व क्षेत्रीय लाइनमैन से अर्थिंग वाले तार में करंट आने शिकायत कई बार की गई। लेकिन किसी ने इसका संज्ञान नहीं लिया। जिसके चलते आज एक युवक को जान गंवानी पड़ी। इस बाबत थानाध्यक्ष मनियर मंतोष सिह ने बताया कि पिलुई में एक युवक कि मौत हुई है। जिसका पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खबरें फटाफट

करेंट लगने से महिला की मौत

बलिया। बैरिया थाना क्षेत्र के मिश्र गिरी के मठिया निवासी हीरामुनी देवी (45) पत्नी हीरालाल शाह की करंट की जद में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। बता दे कि हीरामुनी देवी अपने घर के बगल में सोमवार की सुबह गोबर का उपला बना रही थी, जहाँ पास में ही बिजली का पोल था। उपला पाथते समय पोल में करेंट आ गया, जिसकी जद में आकर हीरामुनी छटपटाने लगी। ग्रामीणों ने किसी तरह हीरामुनी को बचा कर सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र सोनबरसा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

समाचार पत्र विक्रेता को मातृशोक

बलिया। समाचार पत्र विक्रेता सोनू कुमार की 50 वर्षीय माता समरथिया देवी पत्नी लालजी राम का निधन सोमवार को हो गया। समरथिया बीते कई दिनों से बीमार चल रही थी। सोमवार को उनका निधन हो गया। अंतिम संस्कार महावीर घाट पर हुआ। सम?रथिया देवी अपने पीछे चारों लड़के व पति को छोड़कर सदा के लिए गोलकवास हो गए। इस मौके पर पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट में दो मिनट का मौन रखकर उनकी गतात्मा की शांति लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर तिलक कुमार, इमरान खान, शमीम खान, श्रवण पांडेय, मुकेश चौहान, कंचन सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, आशिश द्विवेदी, धनंजय तिवारी सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहें।

छात्र संघ बहाल करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बलिया। छात्र संघ बहाल करने सहित तमाम मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग किया कि छात्र संघ बहाल किया जाए, विद्यालयों में जो वाहन चल रहे उनके मानक जैसे सीट, क्षमता, कागज एवं प्रदूषण की जांच हो। विश्वविद्यालय की दूरी को देखते हुए वाहन की व्यवस्था की जाए। शहर में स्थित चंद्रावली, रूद्रा, ग्रेंड सिंघानिया, पेप्सी जैसी होटलों की मानक जैसे पार्किंग, भोजन आदि की जांच की जाए।

बलिया जनपद के शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब, पूरे दिन लगा भक्तों को रेला

पहली सोमवारी... हर-हर महादेव के जयकारे से गुंजयामान हुई भृगुनगरी

- भांग-धतूरा व वेलपत्र चढ़ा श्रद्धालुओं ने मांगी मन्नतें
- भोर से ही शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

केटी न्यूज/ बलिया



प्राकृतिक फूलों से सजा था बाबा का दरबार

बलिया। नगर के बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर, गोला रोड स्थित कैलास धाम मंदिर व भृगु मंदिर को प्राकृतिक व अप्राकृतिक फूल-मालाओं से सजाया गया था। इसके अलावा विद्युत झालर आदि भी लगाए गए थे। वहीं भक्तों को कोई परेशानी न हो। उसके लिए अलग-अलग महिला व पुरुष प्रवेश व निकास द्वारा बनाए गए थे।



गंगा में आस्था की लगाई डुबकी

बलिया। सावन माह के पहले सोमवार को बाबा के भक्तों ने शिवरामपुर व कीनाराम घाट, पचरूखिया, मझौवा, भरौली गंगा घाट आदि पर आस्था की डुबकी लगाई। तत्पश्चात कलश व अन्य पात्र में गंगाजल भरकर बाबा भोले नाथ का जलाभिषेक व पूजन-अर्चन की परिवार के मंगलमय की कामना किया।

सावन के पहले सोमवार को नगर से लेकर ग्रामीणांचलों के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन किया और भांग, धतूरा, वेलपत्र, भस्म आदि चढ़ाकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं कुछ भक्तों ने भगवान भोले का गंगाजल व दूध से रूद्राभिषेक किया। इसके पूर्व घंट-घडिाल बजाकर हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से देवघर जा रहे कांवरियों का जत्था भी दिन भर बाबा बालेश्वर नाथ व बाबा भृगु के दरबार में पहुंच पूजन-दर्शन कर रवाना हुए। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर बाबा बालेश्वर नाथ सहित जनपद के प्रमुख मंदिरों पर महिला व पुरुष पुलिस बल भारी मात्रा में भोर से ही मौजूद रही। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरा और खुफिया विभाग के लोग भी सादे वेश में मंदिर व उसके आसपास मौजूद रहे। नगर के बालेश्वर मंदिर, गोलारोड स्थित कैलास धाम मंदिर, मिड्ढी स्थित शिव मंदिर व भृगु मंदिर पर चार बजे भोर से ही बाबा के भक्तों का तांता लगा रहा। इसके अलावा नगर से सटे देवकली गांव स्थित देवकलेश्वर मंदिर, नगरी स्थित नटकेश्वर मंदिर, मिड्ढा के बाजार व गोरथाना के पोखरा स्थित शिव मंदिर, निधरिया स्थित पंच मंदिर, हनुमानगंज स्थित कपलेश्वर मंदिर पर शिव भक्तों का भोर से ही रेला लगा रहा। ग्रामीण क्षेत्र के दिउली स्थित बाबा बालखंडी नाथ, छितौनी स्थित बाबा छितेश्वर नाथ, सहतवार कस्बा स्थित पंच मंदिर, असेगा स्थित शोकहरण नाथ, कारो स्थित कामेश्वर नाथ, कोटवा स्थित बाबा मुक्ति नाथ, रसड़ा स्थित श्रीनाथ व लखनेश्वर डीह, बड़सरी स्थित अवनी नाथ,भड़सर स्थित दुःखहरण नाथ, ब्यासी स्थित हरिहर नाथ, नगवां स्थित नागेश्वर नाथ, इब्राहिमपट्टी स्थित अवभूतेश्वर नाथ, बांसडीह कस्बा स्थित भुटेश्वर व रघुवेश्वर नाथ, थम्हनपुरा स्थित बाबा धर्मेश्वर नाथ मंदिर पर बाबा के भक्तों ने वेलपत्र, भांग, धतूरा, भस्म, चंदन, फूल-माला, प्रसाद आदि चढ़ाकर पूजन-अर्चन कर परिवार के मंगलमय की कामना की। वहीं घंट-घडिाल बजाकर हर-हर महादेव का उद्घोष किया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

सुहवल पुलिस ने तीन गांवों में छापेमारी कर फरार चल रहे 3 वारंटियों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ गाजीपुर



सुहवल थाना पुलिस ने सोमवार को न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू के आधार पर तीन अलग- अलग गावों में छापेमारी कर महीनों से फरार चल रहे तीन वारंटियों को दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तीनों आरोपियों को थाने लाकर उनसे कड़ी पूछताछ के बाद उनका मेडिकल मुआयना कराने के बाद चालान कर तीनों को सक्षम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पहले मामले में सुहवल थाना क्षेत्र के बड़ौरा गांव के उपेंद्र सिंह यादव, जिसके ऊपर दो वर्ष पहले तोड़फोड़ आदि के मामलें में मुकदमा दर्ज हुआ था। वह काफी दिनों से न्यायालय के आदेश के बाद हाजिर नहीं हो रहा था। जिसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उसके खिलाफ एलबीडब्ल्यू वारंट जारी किया। इसी तरह दूसरे मामले में सुहवल थाना क्षेत्र के ही रमवल गांव के समीम उर्फ चुन्नू के खिलाफ सड़क हादसे में एक की मौत आदि के मामलें में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मगर आरोपित न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहा था। जिसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उसके खिलाफ एलबीडब्ल्यू वारंट जारी कर दिया। इसी तरह तीसरा मामला सुहवल थाना क्षेत्र में ही करीब एक साल पहले एक युवक के अपहरण कर एक मामले में मलसा के राजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मगर वह न्यायालय के आदेशों को लगातार दरकिनार करता रहा। उसे गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उसके खिलाफ भी एलबीडब्ल्यू वारंट जारी कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तीनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करते समय पुलिस को सख्त हिदायत दिया था कि तीनों को हर हाल में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए।इसके बाद पुलिस टीम ने अभियान चलाकर तीनों को उनके घर से दबोच लिया, जो कहीं भागने की फिराक में थे।

गाजीपुर में अभियान चला खाद्य व पेय पदार्थों की जांच के लिये नमूने

केटी न्यूज/ गाजीपुर

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन सेक्टर-सी अलीगंज एवं अपर जिलाधिकारी आरसी पांडेय सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देश पर जनपद में खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर तथा वर्षा ऋतु में खुले, कटे-फटे, सड़े-गले एवं कृत्रिम रूप से पकाए गए फलों तथा दूषित खाद्य पदार्थों यथा फलों के जूस, गन्ने का रस, कैल्सियम कार्बाइड एवं अन्य कैमिकल से पकाए गए फलों तथा समस्त फल, आइसक्रीम व आइसकैंडी आदि के निर्माण व विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन/विशेष अभियान चलाकर कुल चार नमूना संग्रहित किया गया।

इसका विस्तृत विवरण निम्नवत है। पियरी बाजार सैदपुर स्थित प्रतिष्ठान राधाकृष्ण मिष्ठान भंडार से बर्फी का एक नमूना, पियरी बाजार सैदपुर गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान घनश्याम मिष्ठान भंडार से बर्फी का 01 नमूना, वीर सिंहपुर नसीरपुर, पेट्रोल पंप, गाजीपुर स्थित प्रतिष्ठान कन्हैया जलपान से छेना मिठाई का एक नमूना, बंशीबाजार नंद रेजीडेंसी होटल के सामने गाजीपुर स्थित राजेश कुमार के प्रतिष्ठान से किशमिश (जैनब आर्यन ब्राण्ड) का 01 नमूना। संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उत्तर प्रदेश प्रेषित किए जा रहे हैं, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम- 2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जाएगी। नमूना संग्रह की कार्रवाई गुलाबचन्द गुप्त मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों श्रीमती तूलिका शर्मा, राजीव कुमार सिंह, पंकज कुमार कन्नौजिया, विरेंद्र यादव एवं अरविंद प्रजापति की टीम द्वारा की गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चार साल पूरा होने पर शिक्षा सप्ताह का शुभारंभ

छात्रों और शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग को देना है बढ़ावा: गौतम

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लागू हुई थी इसके चार साल पूरे होने पर मना शिक्षा सप्ताह

केटी न्यूज / गाजीपुर



राष्ट्रीय शिक्षा नीति के चार साल पूरा होने पर ब्लाक अंतर्गत विभिन्न परिषदीय स्कूलों में शासन एवं बेसिक शिक्षा निदेशालय के निर्देश पर सोमवार से अगले सात दिनों तक चलने वाले शिक्षा सप्ताह का शुभारंभ बीईओ अशोक कुमार गौतम ने किया। आयोजित 22 से 28 जुलाई तक चलने वाले इस शिक्षा सप्ताह में प्रतिदिन अलग-अलग विषय पर गतिविधियां होगी। पहले दिन टीएलएम, दूसरे दिन एफएलएन, तीसरे दिन खेल गतिविधि, चौथे दिन सांस्कृतिक गतिविधि, पांचवें दिन स्किल और डिजिटल पहल दिवस, छठवें दिन स्कूल न्यूट्रीशन-डे व ईको क्लब से संबंधित गतिविधियां कराई जाएंगी। अंतिम दिन सामुदायिक सहभागिता दिवस आयोजित किया जाएगा। शिक्षा सप्ताह के शुभारंभ पर बोलते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। इस उद्देश्य के तहत सभी परिषदीय स्कूलों में शिक्षा सप्ताह का आयोजन नवाचारों के साथ जानकारी देने का उत्सव मनाया जा रहा है। कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लागू हुई थी। इसके चार साल पूरे होने पर यह शिक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान व्याख्यात्मक के साथ चार्ट आदि तैयार करने की जानकारी दी जाएगी।

बीईओ ने बताया कि टीएलएम दिवस पर कपड़े या गत्ते पर शैक्षिक बोर्ड गेम डिजाइन करने के साथ कठपुतली बनाना, कहानी कार्ड और चार्ट बनाना, विषयों पर व्याख्यात्मक के साथ चार्ट आदि तैयार करना बताया जाएगा। इस दौरान अभिभावकों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।छात्रों व स्कूल को निपुण बनाने के लिए शपथ दिलाई जाएगी। बच्चों से पुस्तकें पढ़ाने, मौलिक साक्षरता और संख्यात्मकता से संबंधित गतिविधियां होंगी। कहानी सुनाकर भाषा विकास की दिशा में प्रयास होगा।कहा कि खेल दिवस पर स्थानीय संस्कृति और धरोहर से छात्रों को परिचित कराने के लिए स्थानीय खेलों का आयोजन होगा। खेल से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों को स्कूल में आमंत्रित किया जाएगा। सांस्कृतिक दिवस पर लोकनृत्यों के जरिए विद्यार्थी प्रतिभा दिखाएंगे। जिसमें स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को आमंत्रित किए जाएंगे।इस अवसर पर ए आर पी संत कुमार गुप्ता, प्रभारी प्रधानाध्यापिका डेजी शर्मा,जय प्रकाश राय ,नेहा सिंह,मंजू पाल आदि मौजूद रहे।

श्रावण मास की पहली सोमवारी पर महादेव के दर्शन पूजन के लिए सुबह से शाम तक लगी रही कतार

पूर्वांचल के अति प्राचीन महाहर धाम में जलाभिषेक के लिए उमड़ा जन सैलाब

- सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच पहले दिन पच्चीस हजार से अधिक भक्तों ने किया दर्शन-पूजन
- रात्रि के तीसरे पहर के बाद से सायंकाल तक जलाभिषेक व दूधाभिषेक का क्रम जारी

केटी न्यूज / गाजीपुर

श्रावण मास के आरंभ होते ही पहली सोमवारी को पूर्वांचल का प्रसिद्ध व अति प्राचीन महाहर धाम में दर्शन- पूजन करने के लिए शिव भक्तों का जन सैलाब रविवार को अर्धरात्रि के बाद से उमड़ना शुरू हो गया। यह सिलसिला सोमवार को भोर से लेकर पूरे दिन चलता रहा। देर शाम को भी भक्तगण महाहर धाम में पंचमुखी शिवलिंग के दर्शन-पूजा एवं जलाभिषेक के लिए कतार में खड़े रहे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी ने भगवान भोलेनाथ की दर्शन पूजन एवं आरती की साथ ही सुरक्षा का जायजा लिया। महाहर धाम पहुंचने वाले शिव भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए कई थानों की फोर्स लगाई गई थी। ज्ञात हो कि राजा दशरथ से जुड़े पूर्वांचल का प्राचीन व प्रसिद्ध शिव मंदिरों में से एक महाहर धाम शिव भक्तों के आस्था का केंद्र है। यहां पहली सोमवारी को



शिवभक्तों की महाहर यात्रा

गाजीपुर। शहर स्थित ददरी घाट से गंगा जल लेकर हजारों शिवभक्तों ने रविवार की देर शाम से शुरू की जो सोमवार देर शाम तक चलता रहा। शिवभक्त उबड़-खाबड़ मार्ग द्वारा पैदल शिवालय पहुंचे और जलाभिषेक कर लगातार आगे बढ़ रहे थे। पैर में पड़े छाले व दर्द भी आस्था पर कोई असर नहीं डाल पा रहा था। 28 किलोमीटर की कठिन यात्रा शिवभक्त एक दिन में ही पूरी करते हैं। महाहर धाम जलाभिषेक करने के लिए कोसों लंबी यात्रा के दौरान भोलेभक्तों की सेवा के लिए जगह-जगह स्टाल भी लगाए गए थे।जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। महाहर धाम पहुंचे ग्रामीण अंचल एवं शहर क्षेत्र के हजारों भक्तों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से यात्रा कर रहे हैं।

पौराणिक मान्यता... राजा दशरथ के शब्दभेदी बाण से श्रवण कुमार की मृत्यु के बाद स्थापित हुआ शिव मंदिर

पौराणिक मान्यता है कि कभी अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधे पर लेकर तीर्थ कराने जा रहे बालक श्रवण की जान राजा दशरथ के शब्दभेदी बाण से चली गई थी। त्रेता में अपने को दोषमुक्त कराने के उद्देश्य से यहां पर शिवमन्दिर भव्य निर्माण कराया गया था। लगभग 25 हजार शिवभक्तों ने महाहर धाम में भोलेनाथ का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर दर्शन -पूजन किया। इस मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर सहित परिसर में सीसी कैमरे, एक सेक्सन पीएसी, फायर ब्रिगेड, पांच थानों की पुलिस, महिला कांस्टेबल, पुरूष कांस्टेबल, होमगार्ड, सब इंस्पेक्टर, पांच एचएसओ की ड्यूटी स्विफ्टवार लगाई गई है।इस मौके पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईराज राजा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, सीओ चोब सिंह, उप जिलाधिकारी आशुतोष कुमार, तहसीलदार जया सिंह, थानाध्यक्ष धर्मेंद्र पांडेय, मेला प्रभारी उप निरीक्षक ओंमकार तिवारी, विरेंद्र सिंह, डॉ. रामप्रवेश सिंह, सचिन्द्र सिंह, बृजेश सिंह, प्रवीण पटवा, रामप्यारे गोड़, वशिष्ठ शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला मुख्यालय अंतर्गत ददरी घाट से जल लेकर 28 किलोमीटर तक भक्तगण पैदल चलकर जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक रविवार को रात्रि बारह बजे के बाद से सोमवार की शाम तक जारी रहा। पुरुषार्थ के चार अंग- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति की कामना के साथ हर वर्ष वह महाहर धाम यात्रा करते हैं।महाहर धाम शिव मंदिर सहित सभी क्षेत्र के अन्य शिवालयों पर आधी रात से ही शिवभक्तों की कतारें लग गई थी। दूसरी तरफ महाहर धाम यात्रा पर निकले युवा शिवभक्तों के जयकारों से क्षेत्र का कण-कण भक्तिभाव में डूबा रहा।सावन मास लहुरी काशी में हर ओर हर-हर महादेव की गूंज सुनाई दे रही है। शिवालयों के कपाट रात के तीसरे पहर से खुलने के बाद दर्शन करने वालों की कतार बढ़ गई थी। महाहर धाम सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों शिव मंदिरों में हजारों भोले के भक्तों की कतार देर शाम तक लगी रही।

सावन के प्रथम सोमवार को शिवालयों पर उमड़ा शिवभक्तों का रेला

पीडीडीयू नगर (चंदौली)। सोमवार से आरंभ हुए श्रावण के पहले दिन बाबा विश्वनाथ की पूरे जिले में विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। मास का शुभारंभ सोमवार से होने से शिवभक्त अति शुभ मान रहे हैं। सावन के सोमवार को भोलेनाथ पर जलाभिषेक की परंपरा है। ऐसे में प्रथम सोमवार को नगर के कैलाशपुरी, रविनगर, सुभाषन नगर,40 फीट रोड,न्यू महाल, सुभाष नगर,चंधासी,नई बस्ती, लेदुआ शिवाला, व्यास मंदिर, बिलारीडीह, रेलवे के सेंट्रल कॉलोनी,आरपीएफ बैरक,काली महाल अलीनगर सहित आसपास व जनपद के सकलडीहा के बट्टी स्थित महाकालेश्वर,चकिया स्थित जगेश्वर नाथ तथा जिला मुख्यालय के तमाम शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी रही। भीड़ को देखते हुए शिवालयों पर सुरक्षा की व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों को भी लगाया गया है। महिला पुलिसकर्मी भी तैनात हैं। सोमवार अलसुबह से ही शिवभक्त स्नान कर जलाभिषेक के लिए शिव मंदिर पहुंचने लगे थे। जिस कारण शिवालयों पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। शिवालयों की साफ सफाई एक दिन पूर्व ही भक्तों ने कर दी थी। शिवालयों को सजाया गया है। शिवालयों के पास फूल माला,भांग-धतूरा आदि की दुकानें सजी हुई हैं। शिवालयों से घण्टों की आवाज व हर-हर महादेव के उद्घोष



से पूरा क्षेत्र गुंजायमान होता रहा। कुछ लोग रुद्राभिषेक भी किये। अधिकांश महिलाएं व कुंवारी लड़कियां सोमवार का व्रत भी रखीं हैं। ऐसे में महिलायें, लड़कियों सहित सैकड़ों शिवभक्तों से नगर व आसपास के सभी शिवालय भरे रहे।

बम बम भोले के नारों से गुंजायमान हुआ त्रिलोचन महादेव मंदिर

जौनपुर। श्रावण मास के पावन महीने की शुरूआत सोमवार से हुई। इसमें भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन माह में भगवान शिव और मां गौरी पृथ्वी पर आते हैं और भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर उन पर अपनी कृपा बरसाते हैं ।सावन में सोमवार के व्रत का भी खास महत्व होता है और कहा जाता है कि सावन सोमवार के दिन उपवास रखने और महादेव की आराधना करने से मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है। श्रावण के पहले सोमवार के शुभ अवसर पर जनपद के त्रिलोचन महादेव मंदिर में आज सुबह से ही हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से पूरा मंडित परिसर गुंजायमान हो रहा है ।त्रिलोचन महादेव मंदिर में सुबह से ही भोले के भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है।



श्रद्धालु लंबी-लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे है।भक्त भगवान शिव पर दुग्ध, जल, बेलपत्र भांग, धतूरा ,शमी के पत्ते, सफेद फूल इत्यादि से जलाभिषेक कर रहे हैं।कांवड़ यात्रा में गए कांवड़ियों के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी, कांवड़िए सुबह भोर से ही बाबा भोलेनाथ का गंगा जल से जलाभिषेक कर आशीर्वाद लिया।इस दौरान मंदिर में कांवड़ियों व अन्य श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर परिसर व उसके आस पास सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है।बेरिकेडिंग कर मंदिर परिसर में अलग अलग स्थानों पर पुलिस बल लगाए गए है।उच्च अधिकारी भी मंदिर व्यवस्थाओं की लगातार मोनिटरिंग कर रहे है।

एक नजर

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आयी 86 शिकायतों में 12 का मौके पर हुआ निस्तारण

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में तहसील मड़ियाहूं के सभागार में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा शिकायतों को सुनते हुए कई शिकायतों का मौके पर ही उनकी समस्या का निस्तारण कराया गया। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 86 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 12 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, तथा शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व की 06 संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर अवैध सरकारी जमीनों पर कब्जा हटाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होने जमीनों के सामांकन करने के लिए भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में समय से उपस्थित होकर जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा0लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी कुणाल गौरव, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

गैस पाइप लाइन लीकेज होने से मची अफरातफरी

जौनपुर। नगर के ढालगर मुहल्ले में गैस पाइप लाइन में लीकेज होने से अफरातफरी मच गई । स्थानीय लोग तुरंत रास्ते के आवागमन को ब्लाक कर दिया काफी समय बीत जाने के बाद भी पुलिस और गैस विभाग के कर्मी नही पहुंचे थे। नगर के किला रोड से अटाला जाने वाली सड़क पर बिजली विभाग सड़क के किनारे खंभा लगा रहा था । ड्रिल कर खंभा गाड़ ही रहे थे कि नीचे से गैस पाइप लाइन फट गई और गैस तेज आवाज के साथ गैस बाहर आने लगी सड़क पर गैस की जोरदार दुर्गंध उठ रही थी आसपास की दुकानें धड़ाधड़ बंद हो गई । स्थानीय लोग आने जाने वालों को रोका और रास्ते को ब्लाक कर दिया है । दुर्गंध और किसी अनहोनी घटना से वहा के लोग डरे सहमे है ।

बंटवारे को लेकर कलयुगी पुत्र ने पिता को पीटा

जौनपुर। गठाना गांव में एक सप्ताह पूर्व भूमि बंटवारे को लेकर कलयुगी पुत्र ने पिता की लाठी डंडा से जमकर पिटाई कर दिया। बचाव को आये दो भाई और भयहू को भी पीटकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल पिता की बीएचयू में उपचार के दौरान सोमवार को मौत हो गई। वहां से शव थाने लाया गया। दूसरे पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित पुत्र उसकी पत्नी और दो पुत्रों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है। शव का अंतिम संस्कार सुतौली घाट पर कर दिया गया। गांव निवासी 65 वर्षीय अकालू निषाद के पांच पुत्र हैं। तीसरे नंबर का पुत्र दयाकांत निशाद उनसे भूमि बंटवारा को लेकर आये दिन विवाद करता रहता था। बीते 14 जुलाई को इसी बात को लेकर अपने पिता से भिड़ गया। उनकी लाठी डंडा से पिटाई करने लगा। बचाव को आये उनके पुत्र रमाकांत और मेंहीलाल तथा पुत्रवधू अनीता को भी पीटकर अधमरा कर दिया। सभी घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जहां गंभीर हालत देख पिता अकालू को बीएचयू रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। आरोप के आधार पर पुलिस ने दयाकांत,इनकी पत्नी अनीता, पुत्र गण सूरज व अभिषेक के खिलाफ उचित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि आरोपितों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

पुलिस की सक्रियता से दो गौ तस्कर गिरफ्तार

मऊ। रतनपुरा कस्बा के पश्चिम रेलवे क्रॉसिंग के पास रविवार को अपराह्न के लगभग सवा तीन बजे वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने मऊ से बलिया के रास्ते होकर बक्सर (बिहार) के रास्ते पश्चिम बंगाल ले जाई जा रही गाय लदी एक मैजिक वाहन संख्या यूपी 54 बी टी 0321 को अपने कब्जे में ले लिया।पुलिस अनुसार जब वह संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी उसी समय एक मैजिक वाहन आती दिखाई दी। जिसे रोक कर जांच करने पर उसमें लदी एक अदद गाय पकड़ी गई।

विद्यालय की संपत्ति पर कब्जा का प्रयास कर रहे भू-माफिया

- राजस्व कर्मियों की भी मिलीभगत
- कायस्थ पाठशाला सोसाइटी के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से लगाई गुहार, सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज / जौनपुर

देश की आजादी से पूर्व स्थापित शिक्षण संस्था की बेशकीमती जमीन पर भू-माफियाओं की नजर है। वह राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। सोमवार को कायस्थ पाठशाला सोसाइटी के सदस्यों ने संस्था के अध्यक्ष रविंद्र प्रताप अस्थाना व जनरल सेक्रेट्री हरिश्चंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर मदद की गुहार लगाई है। ज्ञापन में पदाधिकारियों ने कहा है कि नगर के शेखपुर व हुसैनाबाद में इस शिक्षण संस्थान की स्थापना वर्ष 1920 में की गई है। संस्था द्वारा बीआरपी इंटर कालेज व मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कालेज संचालित है। संस्था भवन, विद्यालय का भवन, बाउंड्रीवाल, गेट, क्रीड़ा स्थल, दुकान आदि निर्मित है। संपूर्ण एरिया आबादी से आच्छादित है। भू- माफिया राजस्व कर्मियों से मिलीभगत अनावश्यक रूप से संस्था की संपत्ति को क्षति पहुंचाना चाह रहे हैं। आरोप लगाया कि एक माह पूर्व



कॉलेज प्रबंधन ने राज्यमंत्री से भी लगाई गुहार

जौनपुर। कायस्थ पाठशाला सोसायटी की बेशकीमती जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा क्षति पहुंचाने के मामले में सदस्यों ने नगर विधायक व राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव से भी गुहार लगाई। सोमवार को डाक बंगले में उन्हें ज्ञापन सौंपा। श्री यादव ने आश्वासन दिया कि यह संस्था आजादी से पूर्व स्थापित है। इसे किसी प्रकार की क्षति नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने मौके से ही जिलाधिकारी के फोन पर वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

विभागीय राजस्व कर्मी व नायब तहसीलदार शहर विक्रम पासवान को इस संबंध में संस्था व विद्यालय द्वारा संपूर्ण प्रपत्र उपलब्ध कराया जा चुका है।विद्यालय मान्यता प्राप्त एवं अनुदानित है। रविवार को वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार श्रीवास्तव आवश्यक कार्य से प्रयागराज गए थे। उनके पास अचानक चार बजे फोन आया कि आप कहां हैं विद्यालय आ जाइए, नाप-जोख करना है। असमर्थता जताने के बाद भी आकर नाप-जोख करने लगे। अगर कोई आदेश था तो पहले अवगत कराना चाहिए था। इतना ही नहीं संस्था का मामला दीवानी न्यायालय में लंबित है। मांग किया कि अनावश्यक दबाव डालने के मामले में कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में संस्था के मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कालेज के प्रबंधक दिलीप श्रीवास्तव, बीआरपी के प्रधानाचार्य प्रमोद श्रीवास्तव, पुष्पा श्रीवास्तव, शैलेंद्र त्रिपाठी, मनीष कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

जागरण मंडल ने भक्तों के बीच बाटा खीर का प्रसाद

चंदौली। नगर की धार्मिक संस्था जागरण मंडल ने शिव गोपाल सरकार के नेतृत्व में वाराणसी काशी विश्वनाथ को जल चढ़ाने वाले पैदल भक्तों के लिए नये रेलवे गेट के पास खीर व शीतल जल की व्यवस्था की थी। ज्ञातव्य हो कि सावन के प्रत्येक सोमवार को बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने के लिए चंदौली जनपद के विभिन्न स्थानों से भक्तजन रविवार की रात्रि पैदल यात्रा कर प्रात गंगा जी में स्नान करके बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाते हैं, इन्हीं भक्तगढ़ों की सेवा के लिए जागरण मंडल ने यह आयोजन किया था जिसका आनंद लगभग हजारों लोगों ने लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने वालों में सर्वश्री जगदीश दादा, शिव मूरत प्रसाद, महेश मधुर,अजय कुमार,आनंद गुप्ता, आशीष श्रीवास्तव,अमित सरकार,अंशु सरकार, नवनीत गुप्ता,सत्यम गुप्ता आदि शमिल थे।

चंदौली जनपद के 21 एसआई समेत 44 पुलिसकर्मियों का तबादला

चंदौली। जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने 21 सब इंस्पेक्टरों के साथ ही 22 आरक्षियों का स्थानांतरण कर उनके कार्यक्षेत्रों में बदलाव किया है। कुछेक को पुलिस लाइन से थाना व पुलिस चौकी पर स्थानांतरित किया गया है तो कुछ को थाना व पुलिस चौकियों से पुलिस लाइन में रखा गया है। विदित हो कि गैर जनपद से स्थानांतरित होकर पुलिस लाइन में आये एसआई प्रतीक्षारत थे। वहीं थाना व पुलिस चौकी ओर तैनात कई उप निरीक्षकों का तबादला दूसरे जनपदों में हो जाने की वजह से रिक्त हुए उन स्थानों पर एसपी आदित्य लांग्हे ने 21 उप निरीक्षकों को विभिन्न थानों व पुलिस चौकियों पर स्थानांतरित किया।



जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने दिया लोगों को आत्मीयतापूर्ण भरोसा

मेरे रहते ना करें चिंता, सबकी समस्या का होगा समाधान: योगी

- करीब 300 लोगों की समस्या सुनीं सीएम ने, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

केटी न्यूज / गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर हाल में सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा,हर मामले में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें पीएम-सीएम आवास योजना से मकान मिलेगा। जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके मुकम्मल इलाज की व्यवस्था की जाएगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी संतुष्टि के मुताबिक



कराया जाएगा। सीएम योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए। बड़े इत्मीनान से एक-एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश के साथ संदर्भित किया और लोगों को आश्वस्त किया कि परेशान मत होइए, समस्या समाधान के लिए त्वरित व प्रभावी कदम उठाया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान इलाज के लिए मदद की गुहार करने आए लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज के लिए इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए कि सभी जरूरतमंदों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। पुलिस व राजस्व से संबंधित मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर मामले में समाधान जल्दी से हो। साथ ही कार्यवाही ऐसी हो कि लोगों को दोबारा परेशान न होना पड़े। जनता दर्शन में कई जिलों से फरियादी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को करारा सबक सिखाया जाए।

सुभाषितम्

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

नए विवाद को जन्म देगा केंद्र का आदेश

शासकीय अधिकारी व कर्मचारी संघ के कार्यक्रमों में हो सकेंगे शामिल

9 जुलाई 2024 को केंद्र सरकार ने एक आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकारों के सभी शासकीय अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। यह आदेश भारत सरकार के पर्सनल एवं पब्लिक ग्रीवेंस पेंशन एवं ट्रेनिंग डिपार्टमेंट द्वारा जारी किया गया है। इस आदेश पर डिप्टी सेक्रेटरी के हस्ताक्षर हैं। इस आदेश पर प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। 1948 में जब महात्मा गांधी की हत्या हुई थी, उस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य शामिल होने की बात सामने आई थी। तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाया था। ऐसा ही प्रतिबंध 1966 में भी लगाया गया था। 1970 और अक्टूबर 1980 में भी केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया था। जब बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिराया गया था। उस समय भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अन्य पांच संगठनों पर प्रतिबंध लगाया था। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को संघ की शाखाओं में जाने पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा समय-समय पर प्रतिबंध लगाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं और संघ के कार्यक्रमों में सरकारी कर्मचारियों के शामिल होने पर प्रतिबंध था। 58 साल से यह प्रतिबंध लगा हुआ था। इस प्रतिबंध को मोदी सरकार ने 9 जुलाई 2024 को हटा लिया है। इस आदेश के बाद अब कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी संघ के किसी भी कार्यक्रम में शामिल हो सकता है। अब कोई रोक-टोक नहीं होगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक वैचारिक संगठन है। विचारधारा के प्रचार प्रसार को लेकर वह अपनी सोच के अनुसार विचारधारा को बढ़ावा देने का काम करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 80 से ज्यादा अनुवांशिक संगठन हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी संविधान के अनुसार नियम और कानून के तहत काम करते हैं। जहां विचारधारा के स्थान पर, मानवीय और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण का काम सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों को करना होता है। हाल ही में जिस तरह से कई न्यायपालिका के जजों और बड़े-बड़े अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए सार्वजनिक रूप से इजहार किया है। वह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है। ऐसी स्थिति में विचारधारा से संचालित होने वाले अन्य धार्मिक संगठन भी इसी तरह की मांग कर सकते हैं। जो भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत होगी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रमों में जाने की छूट सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को मिल गई है। अन्य धर्मों अथवा विचारधारा से संचालित इस तरह के संगठन, वह भी केंद्र सरकार से इसी तरह की छूट मांग सकते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की क्या भूमिका होगी। इसे समझना भी बहुत जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों द्वारा किस तरह से नाथूराम गोडसे को अपना आराध्य माना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साहित्य में गांधी जी की भूमिका तथा भारतीय संविधान के बारे में जो विचार व्यक्त किए गए हैं, वह संवैधानिक प्रावधान के विपरीत हैं। गांधी जी की हत्या को, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन समय-समय पर सही ठहराने का प्रयास करते रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय संविधान के विपरीत एक अलग विचारधारा का पोषण करता है। ऐसी स्थिति में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को उसमें शामिल होने देने से, भविष्य में कई तरह की परेशानियां और विवादों का सामना केंद्र एवं राज्य सरकारों को करना पड़ सकता है।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे। क बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

फूफा, साला, बहनोई, मौसा, मामा क्या ये लाडले नहीं है?

- चैतन्य भट्ट



अपने मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना शुरू कर हर महिला को एक हजार रुपए देने का जो दांव चला था उसने भारतीय जनता पार्टी के फिर से सत्ता में ला दिया , अब महाराष्ट्र चुनाव होने वाले हैं, शिंदे सरकार ने सोचा कि अपन कौन सी स्कीम बनाए ताकि एक बार फिर से मुख्यमंत्री की गद्दी हासिल हो जाए तो उन्होंने लाडली बहना की तर्ज पर लाडला भैया योजना शुरू कर दी जिसमें युवकों को हर महीने एक निश्चित धनराशि दी जाएगी, उधर छत्तीसगढ़ में महतारी योजना चालू है उसमें भी महिलाओं को सरकारी खजाने से पैसा दिया जा रहा है अब दूसरे नाते रिश्तेदार आवाज उठा रहे हैं की क्या सिर्फ भैया और बहन ही लाडले होते हैं ? क्या फूफा, साला साली, बहनोई, देवरानी जेठानी, साडू भाईमौसा मौसी, मामा भांजा, चाचा भतीजा, ननद भाभी, पोता पोती, नाती नातिन, ये लाडले नहीं होते। फूफा का तो अपने समाज में बड़ाजबरदस्त जलवा रहता है हर शादी ब्याह में फूफा कब मुंह फुला कर बैठ जाए कोई कह नहीं सकता, इसलिए किसी की व्यवस्था हो ना हो लेकिन फूफा की व्यवस्था जरूरी हो जाती है। दुल्हन का भाई साला भी बहुत महत्वपूर्ण होता है, साडू भाई की अपनी स्थिति है क्योंकि वो दूल्हे के समकक्ष होता है मामा भांजे का रिश्ता अपने आप में बड़ा पवित्र है। मामा उल्टा भांजे के पैर पड़ता है छोटा क्यों ना और फिर भांजा मानदान भी होता है, दामाद का तो पूछना ही क्या हर मां-बाप अपने दामाद को अपनी ताकत से ज्यादा देने का प्रयास करते हैं। इधर ननद भाभी का रिश्ता भी बड़ा ही नाजुक होता है जैसे ही भाभी पहली बार घर में आती है सबसे पहले उसके आसपास ननद ही मंडराती दिखाई देती है। यानीकुल मिलाकर ये तमाम रिश्ते बड़े ही महत्वपूर्ण हैं लेकिन कोई भी सरकार इन्हें लाडला मानने तैयार नहीं है और जब तक इन्हें लाडला नहीं मानेगी तब तकइनको पंजी नहीं मिलने वाली। अब ये सब कह रहे हैं किजब जनता कापैसा लुटाना ही है तो हम लोगों ने ऐसा कौन सा पाप किया है ? अरे भाई कोई हजार रुपए महीना दे रहा तो कोई पांच हजार महीना तो कोई छह हजार महीना, हम लोगों को ज्यादा नहींपांच पांच सौ रुपया महीना शुरू कर दो, साल में छह हजार की व्यवस्था तो हो जाएगी और ये भी महसूस होगा कि हां सरकार हमें अपना लाडला मानती है लेकिन अभी तो सरकार का ऐसा कोई मूड दिखाई नहीं देता कि इन लाड़लों के लिए भी कोई योजना लागू की जाए, लेकिन अगर लाडला भैया से भीजीत हासिल नहीं हुई तो हो सकता है कि अगले चुनाव में इन सबको लाडला मानकर सरकार इनको भी हर महीने कुछ पैसे देना शुरू कर दे क्योंकि आजकल तो वोट पैसे से खरीदे जाते हैं।

बेचारे मंत्री और विधायक

अपने को तो अभी तक ये मालूम था सरकार में मंत्री और विधायक बड़े ही पावरफुल होते हैं एक झटके में जो चाहे वो कर सकते हैंविधायक तो फिर भी ठीक है लेकिन मंत्री तो मंत्री होता है पूरा डिपार्टमेंट उसके अंडर में रहता है दूसरा डिपार्टमेंट भी उनके जैसे ही मंत्री संभालते हैं यानी एक मंत्री का जलवा पूरी सरकार पर बना रहता है लेकिन अब ये पता लगा कि अफसरों के सामने इन मंत्रियों और विधायकों की कोई हैसियत बची नहीं है। मंत्रियों विधायकों से ज्यादा पावरफुल अफसर हो गए हैं और वे भी कोई बहुत बड़े अफसर नहीं साधारण से टी आई, आरटीओ और छोटे-मोटे अफसर। बड़े अफसर की तो बात ही छोड़ दो जब ये छोटे अफसर इन मंत्रियों और विधायकों की नहीं सुन रहे तो फिर आम जनता की क्या औकात है। अब देखो ना मंत्री महेंद्र सिंह कंसाना नेप्रेस कांफ्रेंस करके बताया कि उनके इलाके का एक टीआई है वो झूठी झूठी एफआईआर दर्ज करता है लोगों को फंसाताहै और उनकी भी नहीं सुनता। उधर दूसरी तरफ फायर ब्रांड हिंदू नेता विधायक रामेश्वर शर्मा अपने इलाके के आरटीओ से हलाकान हैं उनका कहना है कि आरटीओ अपनी मर्जी का मालिक है कोई उस पर नकेल नहीं डाल पा रहा है, विधायक प्रीतम लोधी ने तो साफ-साफ कह दिया कि जब उनकी कोई सुनवाई नहीं है और उनको टारगेट किया जा रहा है तो बेहतर है कि वे विधायकी ही छोड़ दें।अब आप ही सोच लो कि अफसरशाही कितनी पावरफुल होती है। लोग बेवजहराजनीति में आने के लिए करोड़ों रुपया खर्च करते हैं उससे बेहतर है कोई भी डिपार्टमेंट में किसी तरह से जुगाड़ लगाकर घुस जाओ नेता आपके हाथ पैर जोड़ते हुए दिखाई देंगे क्योंकि अधिकार तोउनके ही पास हैंफाइल तो उनको हीचलाना है स्कीम तो उनको हीबनाना है ,मंत्री विधायक का क्या है जैसा समझा दोगे समझ जाएंगे लेकिन अब मुख्यमंत्री जी को सोचना होगा कि जब उनके मंत्री और विधायकों की ये दुर्दशा है तो उनकी रियाया का क्या हाल होगा।

साल भर का प्रोग्राम

स्कूल शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर दिया जिसमें सरकारी स्कूलों के मासाब और मास्टरनियों के लिए आदेश आया है कि वे पूरे सत्र का प्लान बनाकर जमा करें कि वेपूरे साल भर में क्या-क्या करेंगे। मासाब और मास्टरनियांबेचारे क्या बताएंगे कि वे साल भर क्या करेंगे लेकिन अपन बतलाए देते हैं कि इनको साल भर में क्या-क्या करना है नंबर एक।. घर-घर जाकर सर्वे करना है कि कौन सा बच्चा बच्चीस्कूल नहीं आ रहे हैं उनको पकड़ पकड़ कर स्कूल लाना यानी मोहल्ले मोहल्ले घर-घर सर्वे का काम उनके जिम्मे हैनंबर दो। अब जनगणना का समय साथ आ गया है 2011 के बाद जनगणना हुई नहीं तो किसी भी दिन जनगणना के आदेश आ सकते हैं तो मास्टर मास्टरनियां इसके लिए तैयार रहे और मास्टरनियों को मिलेगी तो वे पढ़ा देंगे और अगर नहीं मिली तो फिर ऊपर वाला जाने। वैसे भी जब इतने सारे काम इनके सर पर हैं तो उन बिचारों को पढ़ाने का समय मिले तो मिले कैसे ? अपना तो कहना है कि तमाम टीचर्स इन कामों की लिस्ट बनाकर उनकी फोटो कॉपी करवा कर सरकार को भेज दें ताकि उन्हें भी पता लगे कि जिनके जिम्मे बच्चों को पढ़ानेका काम है उनके सर पर कौन-कौन से कामों का बोझसरकार ने डाल कर रखा हुआ है।

जनगणना करना होगी कितनेस्त्री हैंकितने पुरुष है यह सब डाटा इकट्ठा करना पड़ेगा।

नंबर तीन। कभी भी कोई भी चुनाव हो सकता है और चुनावी ड्यूटी के लिए सबसे आसान शिकार होता है मास्टर मास्टरनियां जिधर चाहे ड्यूटी लगा दोऔर नहीं गए तो सस्पेंशन पक्का नंबर चार। आप कितने ही साल पढ़ा चुके हो रिटायरमेंट को कहो एक-दो महीना बचे होंलेकिन सरकार आपको प्रशिक्षण जरूर देगी तो कभी भी ट्रेनिंग और शिक्षक प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा। नंबर पांच। स्कूल के कार्यकलापों की, बाहर से आने वाले पत्रों की डाक बनाना है उन्हें डी ई ओ ऑफिस भेजना है। अब इन तमाम कामों से जब कभी दो-चार-पांच दिन की फुर्सत मासाबों और मास्टरनियों को मिलेगी तो वे पढ़ा देंगे और अगर नहीं मिली तो फिर ऊपर वाला जाने। वैसे भी जब इतने सारे काम इनके सर पर हैं तो उन बिचारों को पढ़ाने का समय मिले तो मिले कैसे ? अपना तो कहना है कि तमाम टीचर्स इन कामों की लिस्ट बनाकर उनकी फोटो कॉपी करवा कर सरकार को भेज दें ताकि उन्हें भी पता लगे कि जिनके जिम्मे बच्चों को पढ़ानेका काम है उनके सर पर कौन-कौन से कामों का बोझसरकार ने डाल कर रखा हुआ है।

देश में बढ़ रही कुतर्क की राजनीति

- सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में सकारात्मक दिशा के अभाव में देश को जो नुकसान उठाना पड़ता है, वह भले ही प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं दे, लेकिन उससे समाज पर प्रभाव अवश्य ही होता है। अगर यह प्रभाव नकारात्मक चिंतन की धारा के प्रवाह को गति देने वाला होगा तो देश को भी अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ता है। वर्तमान में जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, उसे भटकाव पैदा करने वाली राजनीति कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इतना ही नहीं, जो विषय राजनीति के नहीं होने चाहिए, उनको भी राजनीतिक दल राजनीति के दल दल में ले जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के किसी भी निर्णय का अपने हिसाब से परिभाषित करना राजनीति का प्रिय विषय बनता जा रहा है। इससे प्रायः मूल विषय बहुत पीछे छूट जाता है और बहस कहीं और चली जाती है। आज के राजनीतिक वातावरण का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि सभी राजनीतिक दलों के अपने अपने एजेंडे हैं। कोई भी किसी दूसरे की बात को ऐसे तर्क देकर उसका प्रक्षालन करते हैं, जैसे केवल उनकी ही बात सही है और बाकी सब गलत बयानी कर रहे हैं। हालांकि यह बात सही है कि कमी सभी जगह होती है, लेकिन कुछ अच्छे काम भी होते हैं, आज इन अच्छे कामों की चर्चा कहीं भी नहीं हो रही है। सब एक दूसरे की गलतियां निकालने में ही राजनीति का मुख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। यह राजनीति की सकारात्मक दिशा तो कतई नहीं मानी जा सकती। हाँड्ड इसे नकारात्मक राजनीति अवश्य कहा जा सकता है। ऐसी राजनीति आम जनता में भटकाव पैदा करती है। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि जो जनता सरकार के विरोध का विचार रखती है, वह विपक्ष की हर बात को सही मानकर ही व्यवहार करेगी और जो विपक्ष की बातों पर भरोसा नहीं करती, उसे सत्ता पक्ष की बात मानने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वास्तव में ऐसी राजनीति के बजाय देश हित की राजनीति करने की ओर सभी दलों को आगे आना चाहिए। लेकिन आज के वातावरण में ऐसा होना संभव नहीं लगता। क्या यह सही नहीं है कि देश में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनी है, लेकिन विपक्ष इस बहुमत वाली सरकार को पराजित सरकार कहकर लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहा है। हालांकि यह मानने में कोई अतिरेक नहीं है कि विपक्ष पहले से मजबूत हुआ है, लेकिन वह विपक्ष में ही है। इसको भी खुले मन से स्वीकार करने की मानसिकता बनानी होगी, तभी हम कह सकते हैं कि राजनीति देश को सही दिशा में ले जाने की हो रही है। आजकल समाचार के विभिन्न माध्यमों पर सामयिक विषयों पर चर्चा होती है, लेकिन इन चचाओं में सभी तरफ से पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्तियों को ही शामिल करने का चलन हो गया है। दूसरे की बात को नकारना ही इन चचाओं का एकमेव सिद्धांत बनता जा रहा है। इतना ही नहीं, कोई एंकर अपनी ओर से भारत के चिंतन पर आधारित कोई तथ्य रखता है तो उस एंकर को भी किसी राजनीतिक दल का समर्थक बताने में कोताही नहीं की जाती। हो सकता है कि कोई पत्रकार विचारधारा से किसी राजनीतिक दल की बात को सही ठहराने की वकालत कर रहा हो। क्योंकि आज के समय में अधिकांश पत्रकार और समाचार पत्र किसी न किसी राजनीतिक दल का खुल कर समर्थन करता है तो कोई विरोध की शैली ही अपनाता है। ऐसी पत्रकारिता भी ठीक नहीं कही जा सकती, लेकिन कई समाचार चैनल ऐसे भी हैं जो निष्पक्ष तरीके से बहस कराते हैं। यह एंकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों से ही सवाल करते हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं की ओर से एंकर को सवालों के घेरे में खड़े करना ठीक नहीं कहा जा सकता। आजकल जो डिबेट चल रही हैं, उनमें विपक्ष की ओर से ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, जैसे उन्होंने भाजपा को हरा दिया है। इसके लिए अगर कोई एंकर विजयी सांसदों की संख्या बताता है तो तर्क वितर्क प्रारंभ हो जाता है। यहां तक तो ठीक है, लेकिन जब यह तर्क वितर्क से आगे बढ़कर कुतर्क की शैली में आ जाता है तो विवाद होने लगता है। राजनेताओं को राजनीतिक लड़ाई केवल दलीय आधार पर करना चाहिए, लेकिन यहां पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अपने तरकस से तीर निकालने का प्रयास किया जाता है। अगर भाजपा का कोई प्रवक्ता तीसरी बार सरकार बनाने की बात को लोकतंत्र की विजय निरुपित करता है तो इसमें गलत क्या है। इसे विपक्ष को खुले मन से स्वीकार करने में हिचक क्यों हो रही है। एक कहावत है कि सच बहुत कड़वा होता है, जिसने सच को स्वीकार करना सीख लिया, वह कुतर्क करने की चेष्टा नहीं कर सकता। लोकतंत्र क्या है? इसकी परिभाषा या तो राजनेता जानते नहीं हैं या फिर जानते हुए भी नहीं जानने का नाटक करने का प्रयास कर रहे हैं। लोकतंत्र की परिभाषा ह्लजनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है। राजनेता तो मात्र जनता के प्रतिनिधि ही हैं। लेकिन वर्तमान में राजनेता जनता से ऊपर मानने की ओर प्रवृत हो चुके हैं। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि भारत की जनता ने लोकसभा के चुनाव में सबसे ज्यादा सीट भाजपा को दी हैं। इसे सीधे अर्थों में प्रदर्शित किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा ही जनता की पहली पसंद है। उसे जनता ने 240 सीट दी है। बाकी का कोई भी दल तीन अंकों की संख्या तक भी नहीं पहुँच सका है। ऐसे में क्या यह नहीं कहा जाना चाहिए कि मिलकर चुनाव लड़ने के बाद भी विपक्ष सरकार बनाने में सफल नहीं हो सका। इसे हार ही कहा जाएगा, लेकिन विपक्ष इसी हार को ऐसे प्रचारित कर रहा है, जैसे यह उसकी बहुत बड़ी जीत है। कांग्रेस ने भले ही अपनी स्थिति में सुधार करते हुए प्रदर्शन किया हो, लेकिन इसे बड़ी जीत नहीं कहा जा सकता। सत्य यह भी है कि कांग्रेस ने जो प्रदर्शन किया है, वह उसके अपने परिश्रम का परिणाम नहीं है। उत्तरप्रदेश में अगर सपा का समर्थन नहीं होता तो कांग्रेस किस स्थिति में होती, यह अनुमान लगाया जा सकता है। यहां एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल सपा ने बेहतर प्रदर्शन किया है, कांग्रेस राष्ट्रीय दल होने के बाद भी सपा से बहुत पीछे है। इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। यही लोकतंत्र की जीत है। तर्क वितर्क और कुतर्क करने की राजनीति से भ्रम की स्थिति बनती है। इस प्रकार की राजनीति का कोई ठोस आधार नहीं होता।

आपातकाल के कुछ अविदित तथ्य

- एल. एस. हरदेनिया

आपाताकाल के 50 वर्ष मनाते समय हम इस बात का ख्याल नहीं रखते हैं कि आपातकाल लागू करने का अधिकार संविधान में सरकार को दिया हुआ है। सरकार को तीन प्रकार के आपातकाल लागू करने का अधिकार है-पहला बाहरी, दूसरा आंतरिक और तीसरा वित्तीय। यदि हमारे उपर हमला हुआ है या हमने किसी पर हमला किया है तो उस स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार आपातकाल घोषित कर सकती है। देश के भीतर यदि अराजक स्थिति है, कानून और व्यवस्था पर नियंत्रण नहीं है, विद्रोह की स्थिति है तो भी केन्द्रीय सरकार को देश में आपातकाल लागू करने का अधिकार है। इसी तरह यदि वित्तीय स्थिति बहुत खराब है तो उस हालत में भी सरकार आपातकाल घोषित कर सकती है। प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरागाँधी ने सोच समझकर देश की आंतरिक स्थिति का मूल्यांकन कर आपाताकाल लागू किया था। इस बात में संदेह नहीं कि उस समय देश अत्यधिक गंभीर स्थिति से गुजर रहा था। बांग्लादेश से संबंधित युद्ध जैसी स्थिति से निपटने के लिए हमारे देश के सभी प्रकार के साधन खतरे में पड़ गये थे। कीमतें बढ़ रही थीं, बेकारी चरम पर थी। यहाँ तक कि सरकार अपने वित्तीय उत्तरदायित्व को भी नहीं निभा पा रही थी। इस तरह की स्थितियों के बीच में सारी गड़बड़ी के लिए विरोधी लोग इंदिरा गाँधी को दोषी मान रहे थे। इसके अतिरिक्त देश के प्रतिपक्ष के नेता पुलिस और आर्मी को यह परामर्श दे रहे थे कि वे इंदिरा गाँधी द्वारा जारी किये गये आदेशों का पालन न करें, खासकर कि यदि आदेश अनैतिक है। इस तरह का आह्वान जयप्रकाश नारायण ने स्वयं किया। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एक विदेशी पत्रकार ने कहा था कि सच पूछा जाये तो आपातकाल की इबारत जयप्रकाश और श्रीमती गाँधी ने लिखी थी। इसके पूर्व जयप्रकाश नारायण और उनके अनुयायियों ने सम्पूर्ण क्रांति की घोषण की थी कि यह प्रयास किया गया था कि जयप्रकाश और इंदिरा गाँधी के बीच समझौता हो जाये। इस प्रयास में जयप्रकाश के सहयोगी थे- चन्द्रशेखर, कृष्णकांत और प्रोफेसर पी.एन. धर। दूसरी तरफ कम्युनिस्ट पार्टी, नंदनी सटपथी, के.पी. गणेश, अरूणा आसिफ अली और एदत्य नारायण इस राय के थे कि किसी भी हालत में समझौता संभव नहीं है और श्रीमती गाँधी को आपातकाल लगाने में देर नहीं करना चाहिए क्योंकि कुछ लोग सम्पूर्ण क्रांति के माध्यम से देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में ही श्रीमती गाँधी ने सम्पूर्ण क्रांति का मुकाबला करने का फैसला कर लिया। सबसे पहला मुकाबला बिहार में कम्युनिस्ट पार्टी ने किया। इस बीच नई दिल्ली तक खबरें पहुंचने लगीं कि कुछ तत्व भारतीय महाद्वीप के नेताओं को खत्म करना चाहते हैं क्योंकि वे पाकिस्तान के टूटने से और बांग्लादेश के निर्माण से काफी नाराज हैं। जिन नेताओं को शारीरिक रूप से खत्म करना चाहते थे उनमें इंदिरा गांधी, शेख मुजिबुररहमान और पाकिस्तान के जुलफिकार अली भुट्टो आदि शामिल थे। इसी बीच इस तरह की खबर क्यूबा की कम्युनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति से भी आई। इस संदेश पर वहां के राष्ट्रपति फिडेल क्रेस्ट्रो ने स्वयं अपने हस्ताक्षर करके भेजा था। वे और पेलेस्टिइन के यासर अराफात ने इंदिरा गाँधी को उनके विरूद्ध चल रहे षड़यंत्र से अवगत कराया। इसी बीच इलाहाबाद हाइकोर्ट का इंदिरा गाँधी की लोकसभा की सदस्यता को रद्द करते हुए फैसला आ गया। इस फैसले ने इंदिरा गाँधी के विरोधियों को उनका त्यागपत्र मांगने का स्वर्ण अवसर दे दिया। एक समय ऐसाभी आया जब इंदिरा गाँधी स्वयं त्यागपत्र देने का सोच रही थीं।

आज का राशिफल

मेष आपकी आमदनी बढ़ेगी और पूरा दिन किसी प्रकार की विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा।

वृषभ आज दिन शुभ योग से सजा होगा और आपको कारोबार में भाग्य का पूरा साथ मिल रहा है।

मिथुन दिन बिजी रहेगा और पूरे दिन दौड़भाग करते रहेंगे। आज किसी मामले में आपकी चिंता दूर होगी।

कर्क आज दिन लाभ से भरपूर रहेगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

सिंह आज भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए धन में वृद्धि का दिन है। रुके कार्य पूर्ण होंगे।

कन्या आज दिन परेशानियों से भरा रहेगा और आपको कुछ जरूरी कार्य पूर्ण करने पड़ सकते हैं।

तुला आज दिन आनंद से भरा होगा। करियर और कारोबार में आपके लिए लाभ के योग बने हैं।

वृश्चिक आज दिन सम्मान से भरा होगा और आपके लिए धन में वृद्धि के योग बने हैं।

धनु रुपये-पैसे के मामले में दिन लाभ से भरा होगा। धन की प्राप्ति कराकर कोषवृद्धि हो सकती है।

मकर दिन काफी बिजी रहेगा। व्यापार और व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कुंभ आज लाभ होगा और आपको करियर में कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा।

मीन आज धन लाभ का दिन है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्ति के योग बने हैं।

विशेष

एनडीए के सहयोगी दलों द्वारा योगी सरकार का विरोध क्यों

इन दोनों एनडीए के सहयोगी दल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी सरकार के निर्णय का विरोध खुले आम करने लगे हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के खिलाफ सहयोगी दल के नेता काफी मुखर हो रहे हैं। निषाद पार्टी के संजय निषाद ने नौकरशाही और बुलडोजर पर योगी पर निशाना साधा है।अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल ने भी योगी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। रही सही कसर महाराष्ट्र में सहयोगी पार्टी शिवसेना और एनसीपी ने भी योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

यूपीएससी के अध्यक्ष का इस्तीफा क्यों

भारत की सबसे महत्वपूर्ण संस्था यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी 5 साल पहले ही अपना इस्तीफा देकर अलग हो गए हैं। सूत्रों से जो खबर प्राप्त हो रही है कि उन्होंने एक माह पहले ही अपना इस्तीफा दे दिया था।2017 में मनोज सोनी यूपीएससी के सदस्य बने थे। उसके बाद उन्हें अध्यक्ष बना दिया गया। इसके पहले वह बड़ौदा विश्वविद्यालय के कुलपति थे। 2029 में उनकी सेवानिवृत्ति होना थी । 2024 में ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। खबरें आ रही हैं, पूजा खेड़कर के चयन और नियुक्ति का मामला जैसे ही खुलकर पिटारे से बाहर आया। उसके बाद उन्होंने इस्तीफा देकर अपनी जान बचाने का प्रयास किया है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1555: सरहिंद की लड़ाई में सिकंदर सूरी को शिकस्त देने के बाद हुमायूं दिल्ली आया. 1759: रूसी सैनिकों ने पूर्वी जर्मनी में प्रसियाई सैनिकों को शिकस्त दी. 1850 बाल गंगाधर तिलक का जन्म हुआ. 1906 :प्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म हुआ. 1927: मुंबई से नियमित आकाशवाणी प्रसारण सेवा शुरू हुई. 1952: जनरल मुहम्मद नजीब ने मिस्त्र में सत्ता पर कब्जा किया. 1954: फ्रांस की नेशनल असेम्बली ने हिन्द-चीन समझौते की पुष्टि की. 1958: ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ ने चार महिलाओं को संसद के लिए मनोनीत किया. 1993: भारतीय उपग्रह इन्सेट-2- बी का कोरू, फ्रेन्च गुयाना में सफल परीक्षण. 2002: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिलदेव को इस शताब्दी का विजडन इंडियन क्रिकेटर घोषित किया गया.

दैनिक पंचांग

23 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.17 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	09.29 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.40 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.55 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	16.11 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	18.16 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	20.02 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.35 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	23.06 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	वृष	00.46 बजे से
		मिथुन	02.44 बजे से
		कर्क	04.57 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 205 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 10.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 20.18 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 14.36 बजे को समाप्त। **करण** गर 10.24 बजे तदनन्तर वणिज 20.57 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 17.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 01'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872049
जूलियन दिन 2460514.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
**सृष्



एक पेरेंट से बच्चा करने लगा है नफरत, तो समझें कहीं कुछ गलत कर रहे हैं आप

आपने ये तो सुना होगा कि एक से ज्यादा बच्चे होने पर मां-बाप उनमें से किसी एक को अधिक प्यार करते हैं या कोई एक बच्चा उनका फेवरेट होता है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अपने दोनों पेरेंट्स में से बच्चे के लिए भी कोई एक पेरेंट फेवरेट हो सकता है। जी हां, कई पेरेंट्स यह शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा उनसे कम प्यार करता है और वो अपने दूसरे पेरेंट से ज्यादा लगाव रखता है। इस आर्टिकल में हम इसी बात पर चर्चा करेंगे कि बच्चों को ऐसा क्यों लगता है और क्या उनका यह रवैया उम्रभर तक रहता है या एक उम्र के बाद इस स्थिति में बदलाव आ सकता है।

बच्चों का नजरिया

जॉन बोल्बी की प्रसिद्ध अटैचमेंट थ्योरी के अनुसार, बच्चे सुरक्षा के लिए अपनी देखभाल करने वालों के पास रहना चाहते हैं। यह भावनात्मक विकास का एक सामान्य हिस्सा है। उनकी थ्योरी बताती है कि बच्चों के शुरुआती संबंध उनके भावनात्मक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उम्र का डेवलपमेंट पर असर

बच्चे के विकास के साथ उसकी दुनिया को लेकर धारणा भी बदलती है। छोटे बच्चे अक्सर उस माता-पिता की ओर आकर्षित होते हैं जो उनके साथ अधिक समय बिताते हैं। वहीं, बड़े बच्चे अपने जैसी रुचियों या व्यक्तित्वों के आधार पर पसंद विकसित कर सकते हैं। जर्नल ऑफ मैरिज एंड फैमिली में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि विभिन्न विकासात्मक चरणों के दौरान बच्चों की पसंद एक माता-पिता से दूसरे की ओर बदल सकती है। यह केवल एक साथ बिताए समय के बारे में नहीं है बल्कि इसमें क्वालिटी टाइम भी महत्वपूर्ण होता है।

क्या पेरेंट्स के बीच कॉम्पीटिशन होना चाहिए

सुनने में भले ही यह आश्चर्यजनक लगे, लेकिन माता-पिता के बीच थोड़ा हेल्दी कॉम्पीटिशन होना लाभकारी हो सकता है। इससे दोनों को अपने पेरेंटिंग स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बच्चे को दोनों माता-पिता से सबसे अच्छा मिलता है। जर्नल ऑफ मैरिज एंड फैमिली में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि माता-पिता के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बच्चों के लिए सकारात्मक परिणाम उत्पन्न होते हैं और उनके अंदर उपलब्धि की भावना बढ़ती है।

अनहेल्दी फेवरिटिज्म के संकेत

अगर आपका बच्चा किसी एक पेरेंट को पसंद करता है और आपके साथ गलत व्यवहार करता है, तो आप कुछ संकेतों से इस समझ सकते हैं। इन संकेतों में हर एक्टिविटी से किसी एक पेरेंट को दूर रखना, पेरेंट के साथ अपमानजनक तरीके से व्यवहार करना और अपने फेवरेट पेरेंट के आसपास न होने पर तनाव में आ जाना।



वॉल डेकोर के यह आईडियाज देंगे घर को एक न्यू व स्टाइलिश लुक

अगर आप चाहें तो अपनी क्रिएटिविटी बेहद आसानी से घर की दीवारों पर उकेर सकती हैं और उसे एक बेहतरीन लुक दे सकती हैं। जरूरी नहीं है कि दीवारों को सिर्फ फैमिली फोटोज की मदद से ही सजाया जाए। यकीनन फैमिली फोटोज आपके घर को एक पर्सनल टच देती हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त भी वॉल डेकोर के आईडियाज का कोई अंत नहीं है।

घर की सजावट में दीवारों का एक अहम रोल होता है। अगर आप चाहें तो अपनी क्रिएटिविटी बेहद आसानी से घर की दीवारों पर उकेर सकती हैं और उसे एक बेहतरीन लुक दे सकती हैं। जरूरी नहीं है कि दीवारों को सिर्फ फैमिली फोटोज की मदद से ही सजाया जाए। यकीनन फैमिली फोटोज आपके घर को एक पर्सनल टच देती हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त भी वॉल डेकोर के आईडियाज का कोई अंत नहीं है। दीवारों को सजाने के लिए आपको महंगे-महंगे शोपीस को खरीदने की जरूरत नहीं है। आप घर में मौजूद ही कुछ चीजों के जरिए बेहद आसानी से अपनी दीवारों को एक नया स्वरूप दे सकती हैं।

वॉल प्लांट्स

दीवारों को सजाने का एक बेहद आसान और खूबसूरत तरीका है प्लांट्स। यह उन घरों के डेकोर का भी अच्छा आईडिया है, जिन्हें हमेशा स्पेस की परेशानी होती है। आप दीवार पर ही कुछ प्लांटर्स लगाकर उनमें कुछ छोटे पौधे लगाएं। यकीन मानिए, इसके बाद आपको दीवार को सजाने के लिए अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं होगी।

दें पर्सनल टच

दीवारों को पर्सनल टच देने के लिए हर बार फैमिली फोटोज टांगना जरूरी नहीं है। आप दीवार पर उन चीजों को भी सजा सकती हैं, जो आपको पसंद हैं। मसलन, अगर आपको संगीत का शौक है तो आप म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट दीवार पर सजा सकती हैं। इसी तरह आपको ड्राइंग या क्राफ्टिंग करना पसंद हैं तो आप दीवार पर अपने हाथों से एक आर्टपीस तैयार करके सजाएं। यह देखने में बेहद ही अच्छा लगता है, साथ ही अपने हाथों से घर को सजाने से एक अलग सुकून मिलता है।

सीलिंग पर फोकस

घर में दीवारों का अर्थ सिर्फ साइड की वॉल नहीं होतीं, बल्कि जरूरी है कि आप सीलिंग पर भी फोकस करें। आप सीलिंग को भी खूबसूरत बनाकर अपने घर का लुक बदल सकती हैं। आप चाहें तो इसे खुद भी पेंट कर सकती हैं या फिर आजकल मार्केट में कई बेहतरीन डिजाइन के थ्री डी वॉलपेपर मिलते हैं, उन्हें भी सीलिंग पर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह घर को एकदम रियल व डिफरेंट लुक देते हैं।



मैग्नेटिक वॉल

दीवारों को सजाने का यह आईडिया उन घरों के लिए बेस्ट हैं, जिनके घर में छोटे बच्चे हैं। आप घर की एक दीवार को मैग्नेटिक बनाकर उसमें एल्फाबेट आदि चिपका सकती हैं। इस तरह आप हर दिन दीवार पर एक नया विचार लिख सकती हैं। साथ ही इससे बच्चे को भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

बास्केट लुक

अगर आपके अपने घर की दीवारों को एकदम डिफरेंट लुक देना चाहती हैं तो आपको थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना पड़ेगा। इसके लिए आप अलग-अलग साइज व कलर की बास्केट को दीवार पर सजाएं। यह देखने में एकदम यूनिक लगता है। इसी तरह आप प्लेट्स या छोटे मिरर को भी दीवार पर सजाकर उसे खूबसूरत बना सकती हैं।



होम गार्डनिंग शुरू करने के आसान टिप्स

गार्डनिंग करने का शौक अगर आपको भी है तो आप खुद का गार्डन अपने घर में बना सकती हैं। गार्डनिंग शुरू करने के पांच आसान स्टेप्स हम आपको बताने वाले हैं।

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीज़ों को उगा सकती है।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है। सही मिट्टी का चयन करें पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं। पौधे को समय पर पानी दें पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फ़ॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।

सामान की पैकिंग में निकले हुए थर्माकोल का ऐसे करें इस्तेमाल



हम सभी अपने बगीचे को सुंदर बनाने के साथ-साथ पौधों के साथ अलग-अलग डिजाइनर गमले खरीद कर लाते हैं। बाजार में मिलने वाले इन गमलों का रेट इतना ज्यादा होता है कि हर कोई इन्हें खरीद नहीं पाता हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी तरकीब के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप कम पैसे में इन गमलों को घर पर ही तैयार कर सकती हैं। जी हां घर पर। हम सभी के किचन और लिविंग एरिया के लिए बर्तन या डेकोरेशन आइटम खरीद कर लाते हैं। क्रॉकरी से लेकर कांच के डिजाइनर आइटम्स को अक्सर दुकानदार पेपर या थर्माकोल से बने बॉक्स में पैक करके देते हैं ताकि इन सामान को लाने-ले जाने में दिक्कत का सामना न करना पड़े। अगर आपके घर पर थर्माकोल का बॉक्स रखा हैं तो आप इसकी मदद से गमले तैयार कर सकती हैं।

थर्माकोल के डिब्बे बनाएं फ्लावर पॉट

ऑनलाइन के अलावा बाजार से भी कांच और फर्नीचर का सामान खरीदने पर अक्सर थर्माकोल के बॉक्स मिलते हैं। क्या आप इसे घर लाने बाद इन बॉक्स को बेकार समझकर फेंक देती हैं। बता दें, कि आप इनका उपयोग कर कई प्रकार का सामान बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इससे गमला बनाने का तरीका

जरूरी सामान

थर्माकोल बॉक्स, पेंट, ग्लू, कैंची

बनाने का तरीका

- गमला बनाने के लिए सबसे पहले बॉक्स को इकट्ठा कर लें। अब इन डिब्बों को अच्छे से साफ कर लें।
- साफ करने इन डिब्बों पर अपना मनपसंद रंग करके पेंट कर सकती हैं।
- आप चाहे तो इसे ऐसे ही इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा बॉक्स को और सुंदर बनाने के लिए आप इस पर पेंट की मदद से छोटे-छोटे फूल पत्ती का डिजाइन बनाकर सजा सकती हैं।
- इसके बाद इसे धूप में सुखाने के लिए छोड़ दें।
- अब आप इस बॉक्स में मिट्टी भरकर पौधा लगा सकती हैं।
- ध्यान रखें कि थर्माकोल के बॉक्स को पेंट करने के लिए वाटर प्रूफ पेंट का इस्तेमाल करें।

बना सकती हैं ऑर्गेनाइजर

- थर्माकोल बॉक्स की मदद से आप सामान रखने के लिए घर पर ऑर्गेनाइजर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए बॉक्स को साफ करके उसमें ग्लू की मदद से न्यूजपेपर को पेस्ट कर दें।
- अब इसे सुखाने के बाद इस पर पेंट की मदद से कलर करके इसे अच्छे से धूप में सुखाएं।
- सामान रखने से पहले पेंट को टच करके चेक करें कि कहीं कलर निकल तो नहीं रहा।
- अब इस में आप कपड़े से लेकर बच्चों के खेलने का सामान भी रख सकती हैं।



संक्षिप्त समाचार

चीन का विकल्प बनने के लिए कौशल विकास पर जोर, शिक्षा का बजट छह प्रतिशत तक किया जा सकता है



नईदिल्ली, एजेंसी। विशेषज्ञों का मानना है कि देश में नौकरियां होने के बावजूद युवाओं को काम नहीं मिलने की सबसे बड़ी वजह है...कौशल की कमी। कौशल विकास पर जोर देकर ही हम चीन का विकल्प बन सकते हैं और चीन प्लस वन पॉलिसी को कामयाब बना सकते हैं। इसलिए, उम्मीद है कि इस बजट में शिक्षा क्षेत्र का आवंटन बढ़ाकर जीडीपी का 5 से 6 फीसदी किया जा सकता है, जो अभी ढाई से तीन फीसदी है।

सरकार ने आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। इस बजट में वित्त मंत्री महिलाओं के लिए खास घोषणाएं कर सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बजट महिलाओं की बेहतरी के लिए सब्सिडी लागू करना और महत्वपूर्ण वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए कर राहत दी जा सकती है। शादीशुदा महिलाओं को कर छूट में ज्वाइंट फाइलिंग विकल्प या टैक्स क्रेडिट जैसे फायदे मिल सकते हैं। साथ ही, सभी नौकरियों में महिलाओं को मातृत्व अवकाश की सुविधा मिल सकती है। रियल एस्टेट क्षेत्र को इस बार उद्योग का दर्जा मिल सकता है, जिसका लंबे समय से इंतजार है। इससे क्षेत्र में निवेश आएगा। अजमेरा रियल्टी एंड इन्फ्रा इंडिया लि. के निदेशक धवल अजमेरा ने कहा, सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम जैसी लंबित मांगें भी पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, आरबीआई और रेरा को किफायती आवास की मानक परिभाषा को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है, जहां इसे 45 लाख के मौजूदा मूल्य ब्रैकेट के बजाय 60 से 90 वर्गमीटर के घर के आकार तक सीमित किया जाना चाहिए।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की, अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद



बैंकॉक एजेंसी। चीन के केंद्रीय बैंक ने अपनी पांच वर्षीय प्रमुख ऋण दर और एक वर्षीय दर दोनों में कटौती की है। यह कदम उसके संपत्ति क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उठाया गया है। पांच साल की दर में 10 आधार अंकों की कटौती की गई जिससे यह 3.95 प्रतिशत से 3.85 प्रतिशत हो गई है। एक साल की दर को 3.45 प्रतिशत से घटाकर 3.35 प्रतिशत कर दिया गया।

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने बैंकों के लिए अपनी मध्यम अवधि की ऋण सुविधा के लिए संपार्श्विक आवश्यकताओं को भी कम कर दिया है। बैंक ने कहा कि इसका मकसद बॉन्ड बाजार पर दबाव कम करना है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसमें संपत्ति बाजार में मंदी एक बड़ी बाधा रही है। आर्थिक वृद्धि दर पिछली तिमाही में गिरकर 4.7 प्रतिशत हो गई लेकिन वर्ष की पहली छमाही के लिए यह सरकार के लक्ष्य (पांच प्रतिशत) के आसपास बनी रही।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।



खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी



नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर



नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा।

14 लाख निवेशकों के लिए मिलने वाला है फंसा पैसा, सुप्रीम कोट ने दिया आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इनकम टैक्स अधिकारियों को गोल्डन फॉरेस्ट इंडिया लिमिटेड से संबंधित संपत्तियों का वैल्यूएशन चार सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। दरअसल, कंपनी ने लगभग 14 लाख निवेशकों को चूना लगाया था और अब वे निवेशक अपने निवेश की वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

चंडीगढ़ की है कंपनी

चंडीगढ़ स्थित कंपनी ने देश भर में लगभग 7,750 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निवेशकों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई का रिफंड पाने के लिए कंपनी की संपत्ति की बिक्री पर प्रोसेस की मांग की थी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने 16 जुलाई को पारित अपने आदेश में कहा, कुछ संपत्तियों के वैल्यूएशन के संबंध में (जैसा कि हमने पहले के आदेशों



में निर्देश दिया था) भारत संघ की ओर से पेश होने वाले वरिष्ठ वकील का कहना है कि इस पर प्रक्रिया चल रही है और वह सुनवाई की अगली तारीख पर उसी की वर्तमान स्थिति के बारे में सूचित करने की स्थिति में होंगे।

अगली सुनवाई 28 अगस्त के लिए स्थगित

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त के लिए स्थगित करते हुए सीनियर एडवोकेट सुनील फर्नांडिस को न्याय मित्र नियुक्त किया जो इस मामले में सहयोग करेंगे. पीठ ने कहा, हम आयकर अधिकारियों से आज से चार सप्ताह की अवधि के भीतर वैल्यूएशन पूरा करने का अनुरोध करते हैं।

जीएफआईएल ने 1987 में कारोबार शुरू किया था। कंपनी ने अपनी योजनाओं के तहत निवेशकों से फंड मांगी थी और जिसके बदले में जमीन खरीदी गई थी। इस योजना ने बड़ी संख्या में निवेशकों को आकर्षित किया, क्योंकि इसमें 1,000 रुपये के न्यूनतम निवेश के लिए 20 प्रतिशत तक के हाई रिटर्न का वादा किया गया था। एक साल के भीतर कंपनी ने 311 करोड़ रुपये जुटाए और इसका कैपिटल बेस बढ़कर 1,037 करोड़ रुपये हो गया था।

साल 1997 में, सेबी ने कंपनी के खिलाफ जांच शुरू की और एक साल बाद जांच के निष्कर्षों के आधार पर, कंपनी पर एक्शन लिया गया था। बाद में मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया और फिर 2004 में त्रस्त्रढ्ढरु और इसकी समूह कंपनियों के निवेशकों और लेंडर्स से दावों को आमंत्रित करने के लिए एक समिति का गठन किया था।

हाल 2018 में, सुप्रीम कोर्ट ने निवेशकों को उनके क्लेम वेरिफिकेशन पर एकत्र की गई राशि का 70 प्रतिशत, लगभग 700 करोड़ रुपये का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट तब से समिति द्वारा की गई प्रगति की निगरानी कर रही है और संपत्तियों के वैल्यूएशन में समिति की सहायता कर रहे आयकर अधिकारियों की प्रगति की निगरानी कर रही है। पिछले साल जनवरी में, सुप्रीम कोर्ट ने समिति को आयकर अधिकारियों को नीलाम की जाने वाली पूरी संपत्तियों की एक लिस्ट देने का निर्देश दिया था।

अब एयरबस भारत में तैयार करेगा एच125 हेलीकॉप्टर, आठ एफएएल साइट का इस साल होगा भूमिपूजन

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में एयरलाइन निर्माता कंपनी एयरबस की मात्र ऐसी तीन जगहें हैं जहां कंपनी ने अपने अंतिम असेंबली लाइन स्थापित किए गए हैं। अंतिम असेंबली लाइन का मतलब जहां कंपनी अपने एच125 हेलीकॉप्टर्स का निर्माण करती है। वहीं एयरबस के अधिकारियों ने कहा कि यह सुविधा, जो एकल इंजन एच125 के लिए चौथी अंतिम असेंबली लाइन (एफएएल) होगी, शुरू में सालाना 10 हेलीकॉप्टरों का उत्पादन करेगी और बाजार की मांग के आधार पर क्षमता बढ़ाई जाएगी।

एयरबस हेलीकॉप्टर के वैश्विक व्यापार के कार्यकारी उपाध्यक्ष ओलिवियर माइकलॉन ने कहा, भारत हेलीकॉप्टरों के लिए भविष्य का बाजार है। वर्तमान में, बाजार बेहद प्रारंभिक अवस्था में है, जो कि संभावित संभावनाओं की तुलना में बहुत छोटा है। एफएएल के लिए भूमिपूजन समारोह इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है और यह सुविधा 2026 में चालू हो जाएगी जबकि डिलीवरी 2026 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है।



ओलिवियर माइकलॉन ने बताया कि हमने आठ जगहों की पहचान की है जिनका हम वर्तमान में मूल्यांकन कर रहे हैं। हम अभी भी मूल्यांकन के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में मैरिग्नेन में एक ब्रीफिंग में माइकलॉन ने कहा, हम आकर्षक और ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में रहना चाहते हैं जो औद्योगिक गतिविधियों, रसद, कर्मचारियों और निश्चित रूप से, विनियमों के लिए सबसे उपयुक्त हो। वहीं ओलिवियर माइकलॉन ने जोर देकर कहा कि 10 हेलीकॉप्टरों का निर्माण बहुत ज्यादा नहीं है और बाजार की मांग के आधार पर कुछ सालों में यह 20, 30 या 50 हो सकता है।

ओलिवियर माइकलॉन ने कहा कि हम हेलीकॉप्टर बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। साथ ही, हम सॉल्यूशन बनाते हैं, बेचते हैं और उनका समर्थन करते हैं। यही हम प्रदान कर सकते हैं। मेक इन इंडिया सॉल्यूशन भी। वहीं भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस हेलीकॉप्टर के प्रमुख सनी गुगलानी ने ब्रीफिंग में कहा कि एयरबस ने अगले 20 सालों में भारत और पड़ोसी देशों में एच125 हेलीकॉप्टरों की मांग 500 होने का अनुमान लगाया है। जानकारी के मुताबिक एयरबस गुजरात के वडोदरा में सी295 विमान के लिए एफएएल भी स्थापित कर रहा है। बता दें कि मैरिग्नेन एयरबस हेलीकॉप्टर का मुख्यालय है। जबकि एयरबस के लिए, एच125 भारत के साथ-साथ दक्षिण एशिया क्षेत्र में सबसे अधिक बिकने वाला हेलीकॉप्टर है। जो छह लोगों को ले जा सकता है। भारत और दक्षिण एशिया (भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव) में लगभग 350 नागरिक और आधे-सार्वजनिक हेलीकॉप्टर हैं। एयरबस के अनुसार, उनमें से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर भारत में सेवा में हैं। भारत में करीब 100 एयरबस हेलीकॉप्टर हैं, जिनमें से ज्यादातर एच125 और 130 हैं। दुनिया भर में 7,200 से ज्यादा एच125 हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहे हैं।

बाजार में उतरते ही 100 प्रतिशत का फायदा, 87 रुपये का शेयर 173 रुपये के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। सिक्योरिटी एंड सर्वेलंस सॉल्यूशंस देने वाली कंपनी प्राइजर विजटेक की शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत हुई है। प्राइजर विजटेक के शेयर मंगलवार को 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 165.30 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में प्राइजर विजटेक के शेयर का दाम 87 रुपये था। कंपनी का आईपीओ 12 जुलाई 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 25.15 करोड़ रुपये का था।

90 प्रतिशत के तगड़े प्रीमियम के साथ लिस्टिंग के ठीक बाद प्राइजर विजटेक के शेयरों में अपर सर्किट लग गया है। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 173.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, जिन निवेशकों को आईपीओ में प्राइजर विजटेक के



शेयर मिले हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। प्राइजर विजटेक की शुरुआत साल 2017 में हुई थी। कंपनी रिटेल, गवर्नमेंट, एजुकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सेगमेंट के लिए सीसीटीवी कैमरों की वाइड रेंज उपलब्ध कराती है। साल 2022 में कंपनी ने अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो में टेलिविजन, टच पैनल्स और मॉनिटर्स को जोड़ा है।

प्राइजर विजटेक का आईपीओ टोटल 219.45 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 264.20 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 280 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (त्तह्लक्र) की कैटेगरी में 94.54 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 139200 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

24 साल की लड़की लगातार 10 घंटों तक खाती रही खाना, लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान दर्दनाक मौत



बीजिंग, एजेंसी। आपने अक्सर सोशल मीडिया पर फूड ब्लॉगर्स के खाना-खाने के तमाम वीडियो देखे होंगे, जिसमें खाने के शौकीन खूब सारा खाना खाते हैं और नए रिकार्ड बनाते हैं। चीन में इसी तरह के एक चैलेंज में 24 साल की एक लड़की की अत्यधिक खाना खाने से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान हुई। ऐसा बताया जा रहा है कि वह लगातार 10 घंटे तक खाना खाती रही। इससे उसकी तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चीन में स्थानीय पोर्टल हनक्यूंग की रिपोर्ट के अनुसार यह दुखद घटना 14 जुलाई को हुई थी रिपोर्ट में बताया गया है कि पैन शियाओटिंग नाम की लड़की खाने की शौकीन थी और अक्सर अत्यधिक खाना खाने की चुनौतियों को लेती रहती है। इस तरह की चुनौतियों में अक्सर लगातार 10 घंटे से अधिक समय तक खाना पड़ता है। स्थानीय चीनी पोर्टल क्रेडर्स डॉट कॉम के अनुसार , शियाओटिंग एक बार में 10 किलो खाना खा जाती थी। इस काम को लेकर उसके माता-पिता और दोस्त ऐसा न करने की सलाह देते थे। लेकिन, उसने अपना काम नहीं रोका। ऐसी ही घटना में उसकी अत्यधिक खाना खाने से मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि शियाओटिंग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का राज खुला। रिपोर्ट में बताया गया है कि उसका पेट बेहद फूला हुआ था और उसमें वो खाना मिला, जो पूरी तरह से पचा नहीं था। रिपोर्ट से पता चलता है कि लड़की ने चबाने के बजाय खाने को सीधे निगल लिया। शियाओटिंग की मौत ने सोशल मीडिया पर नई बहस शुरू कर दी है। लोग फूड ब्लागर्स के इस तरह की चुनौतियों पर सवाल उठा रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा, मैं कभी नहीं समझ पाऊंगा कि कोई किसी को खाते हुए क्यों देखना चाहेगा। एक अन्य ने कहा, यह एक तरह का स्टंट है। लोग सिर्फ लाइक और कमेंट्स पाने के लिए इस तरह के वीडियो बनाते हैं, जो जान जोखिम में डालने जैसा है।

गाजा शरणार्थी शिविर पर इजरायल ने एक हफ्ते में 63 बार बमबारी की : हमास



गाजा, एजेंसी। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने सात दिनों में नुसेरात के शरणार्थी शिविर पर 63 बार बमबारी की है, जिसमें 91 फिलिस्तीनी मारे गए और 251 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने रविवार को शरणार्थी शिविर में लगातार हो रही हत्याओं के लिए इजरायल और अमेरिकी प्रशासन को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया, जहां वर्तमान में विस्थापितों समेत लगभग 250,000 लोग रह रहे हैं। पिछले मंगलवार को एक बड़े हमले में कम से कम 23 लोग मारे गए और संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित एक स्कूल में 73 अन्य घायल हो गए, लेकिन बाद में इजरायली सेना ने कहा कि हमला वहां सक्रिय आतंकवादियों को टारगेट कर किया गया था और यह सटीक खुफिया जानकारी पर आधारित था। एक बयान में, इजरायल रक्षा बलों ने हमास पर इजरायल के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए नागरिक संरचनाओं और आबादी का मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। हमास ने कहा, पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने 64 लोगों को मार डाला और 105 अन्य को घायल कर दिया, जिससे पिछले अक्टूबर में फ़िलिस्तीनी-इजरायली संघर्ष शुरू होने के बाद से कुल मौतों की संख्या 38,983 और घायलों की संख्या 89,727 हो गई।

भूकंप के झटकों से दहला जापान का इबाराकी प्रांत, रिक्टर स्केल पर 4.8 रही तीव्रता

टोक्यो , एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो के उत्तर-पूर्व में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापानी मौसम विभाग ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 10:07 बजे भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 4.8 दर्ज की गई। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। लेकिन, झटकों के बाद लोग सहम गए और घरों से निकल कर सड़क पर आ गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप की गहराई का केंद्र 90 किलोमीटर था। जो उत्तरी इबाराकी प्रांत के 36.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 140.8 डिग्री पूर्वी देशांतर के करीब आया। भूकंप के झटके मध्य टोक्यो तक महसूस किए गए, लेकिन मौसम विभाग की ओर से सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। बता दें कि जून 2024 में भी जापान में भूकंप के झटके लगे थे। जापान के फुकुशिमा में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई।

राष्ट्रपति का समर्थन पाकर खुश हूं। अब मेरा एक ही लक्ष्य है इस चुनाव को जीतना-कमला हैरिस

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की कमला हैरिस अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद को संभाल रही हैं। लगातार अपनी उम्र के कारण आलोचना का सामना कर रहे राष्ट्रपति जो बाइडन इस चुनाव में अपनी दावेदारी को वापस ले लिया हैं। उन्होंने भारतमूल की अमेरिकी नागरिक कमला हैरिस को अपना पूर्ण समर्थन देकर राष्ट्रपति पद का दावेदार बनाने का फैसला लिया है।

बाइडेन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा कि अपने देश और पार्टी के हितों का ख्याल रखते हुए मैं इस चुनाव में अपनी दावेदारी को वापस लेता हूं। इसी पोस्ट में उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए पूर्ण समर्थन करने की घोषणा कर दी। कमला हैरिस ने भी इस घोषणा के बाद अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति का समर्थन पाकर खुश हूं। अब मेरा एक ही लक्ष्य है इस चुनाव को जीतना।

कमला देवी हैरिस का जन्म कैलिफोर्निया में तमिल बायोलॉजिस्ट श्यामा गोपालन और जमैका-अमेरिकन पिता डोनाल्ड जे हैरिस के घर हुआ। अपने माता- पिता के तलाक के बाद कमला अपनी मां के साथ रहने लगी। उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी से अपनी बैचलर डिग्री पूरी की।

कमला हैरिस ने राजनीति विज्ञान और इकॉनॉमिक से अपनी पढ़ाई पुरी की, उसके बाद कमला ने कानून की पढ़ाई की और 1990 में बार काउंसिल की सदस्य बनी।



हैरिस ने लगातार अपनी पहचान एक जुझारू नेता की बनाई। उन्होंने अपनी पहचान टैक्स और हेल्थ रिफार्मस, अप्रवासियों को नागरिकता और गन कल्चर को खत्म करने के लिए बनाए गए नियमों का समर्थन करके बनाई। 2020 में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी भी पेश की लेकिन बाद में जो बाइडेन को समर्थन दिया, जिसके बाद उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिए चुना गया।

कमला का हैरिस के साथ कनेक्शन : हैरिस अगर ट्रंप को हराकर राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतती हैं तो फिर वह अमेरिका की पहली भारतीय मूल की राष्ट्रपति होंगी। अमेरिका के इतिहास में आज तक कोई भी महिला राष्ट्रपति नहीं रही है ऐसे में अगर वह जीतती हैं तो यह अमेरिकी इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी। डोनाल्ड ट्रंप के साथी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी ऊषा वेंस भी भारतीय मूल की हैं तो वहीं कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। ऐसे में दोनों का ही भारतीय मूल के अमेरिकी वोटर्स के ऊपर असर पड़ सकता है। कमला हैरिस ने कहा कि पिछले एक साल में वह देश भर में घूमी हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी लोगों से बातचीत की है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में भी मैं ऐसा ही करती रहूंगी। मैं वह सबकुछ करूंगी जो डेमोक्रेटिक पार्टी को एकजुट करे और हमारे देश को एकजुट करे। कमला हैरिस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके एक्स्ट्रीम प्रोजेक्ट 2025 एजेंडा को हराना है। इसके लिए चुनाव के दिन तक हमारे पास कुल 107 दिन हैं। हम एक साथ लड़ेंगे और एक साथ जीतेंगे। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व स्टेट सेक्रेट्री हिलेरी क्लिंटन ने भी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया है। दोनों ने एक संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि हमने बहुत से उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन ट्रंप का दूसरी बार राष्ट्रपति बनना हमारे लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। क्लिंटन दंपति के इस बयान में कहा गया है कि ट्रंप ने पहले ही दिन तानाशाह बनने का वादा किया। अब वक्त आ गया है कि हम कमला हैरिस का समर्थन करें और हर उस चीज से लड़ें जो उनको चुने जाने के रास्ते में बाधा है। भारतीय मूल के तीन अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का किया समर्थन, अन्य ने बनाई दूरी अमेरिकी संसद में मौजूद पांच भारतीय मूल के अमेरिकी सांसदों ने जो बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के फैसले की तारीफ की है, लेकिन इनमें से तीन ने ही कमला हैरिस को राष्ट्रपति बनाए जाने का समर्थन किया है। कमला हैरिस अमेरिकी इतिहास की पहली उम्मीदवार हैं, जो राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हो सकती हैं। साथ ही वे अमेरिका की पहली अश्वेत महिला उपराष्ट्रपति भी हैं।

इन सांसदों ने किया कमला हैरिस का समर्थन : अमेरिकी संसद में अभी भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और एमी बेरा सांसद हैं, ये भी डेमोक्रेट पार्टी से जुड़े हैं। इनमें से अभी रो खन्ना, श्री थानेदार और प्रमिला जयपाल ने ही कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दिया है। भारतीय मूल के सांसदों में प्रमिला जयपाल ने सबसे पहले कमला हैरिस को समर्थन देने का एलान किया। जयपाल चार बार की सांसद हैं और अमेरिका के निचले सदन के लिए निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला हैं। हाल के कुछ वर्षों में डेमोक्रेट पार्टी में प्रमिला जयपाल का कद बढ़ा है और वह पार्टी की मजबूत आवाज बनकर उभरी हैं। प्रमिला जयपाल के अलावा भारतीय मूल के रो खन्ना और श्री थानेदार ने भी कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। तीनों सांसदों ने जो बाइडन की भी तारीफ की।

महिला ने नवजात बच्चे को बेहद करीब से मारी गोली



न्यूयार्क, एजेंसी। एक महिला ने माता-पिता के बाद उनके नवजात को भी बेहद करीब से गोली मार दी। यह भयावह घटना पिछले सप्ताह शहर के होम्सबर्ग सेक्शन में हुई और कैमरे में कैद हो गई। आरोपी महिला की पहचान अमेरिका के पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया की बिलिप्स के रूप में हुई है। वीडियो में महिला को एक घर के बाहर 7 महीने के बच्चे और उसके माता-पिता पर गोली चलाते हुए साफ देख सकते हैं। गोली चलने के बाद बच्चा रोने लगा। उसकी मां भी चिल्लाने लगी। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि बच्चे के पैर में गोली लगी, लेकिन वह बच गया । जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो माता-पिता वहां नहीं थे। बच्चे को एक नेकदिल व्यक्ति ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने इस बीत की भी पुष्टि की है कि माता-पिता सुरक्षित हैं। वे इस क्षेत्र में नहीं रहते हैं। फिलाडेल्फिया पुलिस के मुख्य निरीक्षक स्कॉट स्मॉल ने कहा, हम बहुत भाग्यशाली हैं कि 7 महीने का बच्चा अब स्थिर स्थिति में है। घटना के बाद बच्चे के माता-पिता को खोजने में अधिकारियों को लगभग एक घंटा लगा। कपल को फायरिंग वाली जगह से कुछ दूर पाया गया। फिलाडेल्फिया पुलिस विभाग के लेफ्टिनेंट डेनिस रोसेनबाम ने कहा कि माता-पिता ने कबूल किया कि उनके पास वारंट है। पुलिस द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए घटनास्थल से भाग गए। जिस पड़ोसी ने बच्चे को अस्पताल पहुंचाया उसने कहा, मुझे पता चला कि बच्चा 7 महीने का है। दोनों माता-पिता ने कहा कि उनके पास वारंट हैं। वे कार से बाहर निकले और मैंने बच्चे को ले लिया। मुझे लगा कि मुझे इस बच्चे की रक्षा करनी है। यह डरावना था। वह महिला आती है और बिना किसी पछतावे के परवाह किए बिना बस गोली चला देती है।

बुशरा बीबी का आरोप- जेल में इमरान खान की जान को खतरा, अमानवीय हालात में रखा

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खानकी पत्नी बुशरा बीबी ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद अपने पति की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा गया है तथा खाने के लिए दूषित भोजन दिया जाता है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को जेल में संवाददाताओं से अनौपचारिक बातचीत में बुशरा ने अपनी जान के लिए भी खतरा बताया। बुशरा के अनुसार, उन पिछली घटनाओं के मद्देनजर खान का जीवन खतरे में है जिनमें उन्हें कथित तौर पर जहर दिया गया और गोली मारी गई। उन्होंने कहा कि इसकी जांच करने के उनके कानूनी अनुरोध का अदालत ने अभी तक समाधान नहीं किया है। जेल की स्थितियों के बारे में 49 वर्षीय बुशरा ने कहा कि 71 वर्षीय खान को गंदे हालात में रखा गया है और खाने के लिए दूषित भोजन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि अटक जेल में मुलाकात के दौरान खान कमजोर दिखाई दे रहे थे और उन्हें रात भर अपने बालों से कीड़े निकालने पड़े। बुशरा ने दोषी अपराधियों की तुलना में राजनीतिक कैदियों के साथ बुरे व्यवहार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि अन्य कैदियों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता है जबकि खान को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में संघर्ष करना पड़ता है।

रिपब्लिकन पार्टी के निशाने पर बाइडन, वेंस समेत कई नेता बोले- मानसिक रूप से फिट नहीं जो, इस्तीफा दें

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति जो बाइडन के नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से इन्कार के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के नेताओं से जो बाइडन से राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने की मांग की है। नेताओं का कहना है कि उनके चुनाव से हटने से साफ है कि वे मानसिक रूप से फिट नहीं हैं। इसलिए उनको आज भी राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। रिपब्लिकन पार्टी से उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और सीनेटर जेडी वेंस ने कहा कि दौड़ से हटने के राष्ट्रपति जो बाइडेन के कदम से साफ है कि वे मानसिक रूप से ठीक नहीं हैं। जब बाइडेन अपना री-इलेक्शन अभियान बीच में समाप्त कर सकते हैं, तो वह राष्ट्रपति कैसे रह सकते हैं? इससे साफ है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने बिल्कुल सही कहा था कि जो बाइडन कमांडर इन चीफ के रूप में सेवा के लिए मानसिक रूप से फिट नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो बाइडन अब तक के सबसे गलत राष्ट्रपति रहे हैं और कमला हैरिस ने उनका हर कदम पर साथ दिया। वेंस ने आरोप लगाया कि चार साल में उन्होंने बिडेन की खुली सीमा और हरित घोटाला नीतियों पर हस्ताक्षर किए। इससे आवास और किराने के सामान की लागत बढ़ गई।

उन्होंने यह भी कहा कि कमला हैरिस ने देश से चार साल तक झूठ बोला और देश में ऐसे राष्ट्रपति को बिठाया जो मानसिक रूप से ठीक नहीं है। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं से उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और वह मिलकर अमेरिका को बचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।



जेडी वेंस को हाल ही में रिपब्लिकन पार्टी के उप राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर चुना गया है। हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि अगर बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ के लिए ठीक नहीं हैं, तो वह राष्ट्रपति के तौर पर देश में काम करने के लिए भी उपयुक्त नहीं हैं। पांच नवंबर अभी दूर है। इसलिए बाइडन को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। हाउस मेजोरिटी व्हिप टॉम एम्मर ने कहा कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी ने बाइडन को दोबारा चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य माना है तो साफ है कि वह अमेरिका के परमाणु कोड को नियंत्रित करने के लिए फिट नहीं है। उन्हें तत्काल कार्यालय को खाली कर देना चाहिए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने भी बाइडन के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि जो राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ने लायक नहीं, वह राष्ट्रपति पद के लिए भी लायक नहीं है। उनको इस्तीफा दे देना चाहिए। सीनेटर रिट स्कॉट ने कहा कि यह अच्छा है कि अमेरिका के विनाशकारी राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल से वंचित कर दिया जाएगा। मगर हम अमेरिकी सपने को नष्ट होने और कैलिफोर्निया समाजवाद को लाने की अनुमति नहीं दे सकते। नवंबर में हम डेमोक्रेट को हराकर डोनाल्ड ट्रंप को चुनेंगे और सदन में वापसी कर देश को बचाएंगे। मिसौरी के सीनेटर जेम्स हॉले ने भी बाइडन का इस्तीफा मांगा। देश चलाने में असमर्थ रहे बाइडन- मार्शा टेनेसी से सीनेटर मार्शा ब्लैक बर्न ने कहा कि आखिरकार बाइडन को अहसास हो गया कि वह अमेरिका के लिए गलत नेता हैं, बल्कि राष्ट्रपति के तौर पर देश को चलाने में असमर्थ रहे। व्योमिंग से कांग्रेसी हैरियट हेजमैन ने कहा कि बाइडन का दौड़ से हटने का फैसला सही है। कांग्रेसी टॉम टिफनी, कार्लोस ए जिमेनेज़, जोश ब्रीचेन, रॉन एस्टेस ने भी बाइडन से इस्तीफा देने की मांग की।

बराक ओबामा और पूर्व स्पीकर पेलोसी ने कमला हैरिस को दिया झटका, समर्थन से इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन के राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग होने के फैसले की तो प्रशंसा की, लेकिन 5 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने से इनकार कर दिया है, जबकि ओबामा को कमला हैरिस का राजनीतिक गुरू माना जाता रहा है।

बावजूद उन्होंने तुरंत हैरिस का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। माना जा रहा है कि जो बाइडेन के समर्थन की वजह से कमला हैरिस का पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का आधिकारिक उम्मीदवार बनना लगभग तय हो चुका है। हालांकि, उन्हें अगले महीने शिकागो में होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान पार्टी के प्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचित होने की जरूरत है। बाइडेन के पास 3,896 प्रतिनिधि हैं, जबकि नामांकन जीतने के लिए 1,976 प्रतिनिधियों की ही दकरार है। दूसरी तरफ कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति



बिल क्लिंटन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का समर्थन तुरंत ही प्राप्त कर लिया है। इससे शिकागो में 19 अगस्त से शुरू होने वाले डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान प्रतिनिधि लड़ाई जीतना उनके लिए आसान होता दिख रहा है। पिछले महीने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बहस में खराब प्रदर्शन और डेमोक्रेट्स के बढ़ते दबाव के बाद 81 वर्षीय जो बाइडेन ने रविवार को घोषणा की कि वह अगले राष्ट्रपति चुनाव से हट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने 59 वर्षीय उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को नया डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनाने का समर्थन किया। इस बीच, पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने राष्ट्रपति जो बाइडेन की उम्मीदवारी के बारे में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं के समक्ष निजी तौर पर चिंता व्यक्त की है। इससे पहले प्रतिनिधि सभा की पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने बाइडेन को निजी तौर पर आगाह किया था कि अगर वह राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे नहीं हटते हैं तो डेमोक्रेटिक पार्टी सदन में नियंत्रण हासिल करने की क्षमता खो सकती है।

पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास की इमारत पर चढ़े अफगान प्रदर्शनकारी, राष्ट्रीय ध्वज गिराया; दो गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचारों के चलते अफगान नागिरकों का गुस्सा फूट गया। गुस्साए अफगान पश्तूनों ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में पाकिस्तानी वाणिज्य दूतावास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने दूतावास की इमारत के अंदर से पाकिस्तानी राष्ट्रीय ध्वज को जबरदस्ती हटा दिया। हालांकि, घटना के बाद दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक नागरिक घायल हो गए। पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास की इमारत से राष्ट्रीय ध्वज हटाने की घटना का वीडियो कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। वहीं, पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, अफगान नागरिकों ने फ्रैंकफर्ट में पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास पर धावा बोला और झंडा नीचे गिरा दिया। बाद में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के बाद, जर्मनी में पाकिस्तानी दूतावास ने कड़ी निंदा की। कहा, हम 20 जुलाई 2024 को अफगान उपद्रवियों द्वारा फ्रैंकफर्ट में की गई बर्बरता की निंदा करते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए जर्मन अधिकारियों के संपर्क में हैं कि



ऐसी स्थिति फिर से न आए। वहीं, उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा, पाकिस्तान ने जर्मन सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। हमने जर्मन सरकार से वियना सम्मेलनों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और जर्मनी में राजनयिक मिशनों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। बता दें कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मानवाधिकारों के हनन और अत्याचारों की घटनाओं के चलते अफगानिस्तान और विदेशों में पश्तून समुदाय के बीच अशांति का माहौल बना है।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने विश्वास मत जीता, 263 सांसदों में से 188 ने समर्थन में किया वोट, 74 ने विरोध में डाले मत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली ने संसद में विश्वास मत हासिल कर लिया है। रविवार को हुए बहुमत परीक्षण में केपी ओली को 263 सांसदों में से 188 सांसदों ने अपना समर्थन दिया। वहीं 74 सांसदों ने विश्वास मत के खिलाफ वोट किया। वहीं एक सांसद ने किसी के पक्ष में वोट नहीं किया।

केपी ओली ने 15 जुलाई को चौथी बार नेपाल के पीएम के तौर पर शपथ ली थी। चीन समर्थक माने जाने वाले ओली ने भारत समर्थक शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर सरकार बनाई है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड ने 12 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, वह संसद में विश्वासमत हासिल करने में नाकाम रहे। वे सिर्फ 1 साल 6 महीने ही प्रधानमंत्री रह पाए। दरअसल, इस महीने की शुरुआत में चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी एकीकृत-रूकने प्रधानमंत्री प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल से गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद उनकी सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल के संविधान के आर्टिकल 100 (2) के तहत उन्हें एक महीने में बहुमत साबित करना था। वे ऐसा नहीं कर पाए। फ्लोर टेस्ट में उन्हें 275 में से सिर्फ 63 सांसदों का साथ मिला। नेपाल की नेशनल असेंबली के 194 सांसदों ने उनके खिलाफ वोट किया। उन्हें सरकार बचाने के लिए 138 सांसदों के समर्थन की जरूरत थी। ओली के प्रधानमंत्री बनने से भारत पर क्या प्रभाव पड़ेगा बीसीसी की रिपोर्ट के मुताबिक केपी शर्मा ओली के



प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और नेपाल के रिश्तों पर थोड़ा असर पर सकता है। केपी ओली सरकार में ही नेपाल ने अपना एक नक्शा जारी किया था जिसपर विवाद खड़ा हो गया था। नेपाल ने मई 2020 में अपना आधिकारिक नक्शा जारी किया, जिसमें लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा इलाके को नेपाल की सीमा में दिखाया गया था। भारत ने इस पर आपत्ति जाहिर की थी और इस नक्शे को मानने से इनकार कर दिया था। इस बार सरकार में नेपाली कांग्रेस भी है। इस पार्टी का संबंध भारत से अच्छा है। नेपाली कांग्रेस डिप्लोमेसी के जरिए समस्या का समाधान ढूंढने पर जोर देती है। ऐसे में नई सरकार भारत के साथ रिश्ते में अधिक बदलाव कर पाएगी इसकी संभावना कम है।

यूएई को 78 रन से रौंदने के बाद बोलीं हरमनप्रीत - हमारा ध्यान तेज रन चुराने पर था

दांबुला, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एशिया कप में यूएई को 78 रन से रौंदने और लगातार दूसरी जीत दर्ज करने के बाद रविवार को कहा कि हम जोखिम भरे शॉट खेलने की बजाय तेज़ रन चुराने पर ध्यान दे रहे थे। कप्तान ने मैच के बाद कहा कि मैं फ़िलहाल ठीक हूं। जब मैं और जेमी (जेमिमाह रॉड्रिग्स) बल्लेबाज़ी कर रहे थे, तो बहुत अच्छा लग रहा था। ऋचा ने बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। मेरी बस यही भूमिका थी कि मैं उन्हें स्ट्राइक देती रहूं। वह साझेदारी बहुत अच्छी थी और इसका सारा श्रेय ऋचा को जाता है।



हरमनप्रीत और ऋचा ने मैच में शानदार अर्धशतक बनाये और ऋचा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। ऋचा ने कहा कि जब भी मैं हैरी दी (हरमनप्रीत कौर) के साथ बल्लेबाज़ी करती हूं तो वह मुझे बताती रहती हैं कि पिच कैसे खेल रहा है और उस पर कैसे शॉट खेलना है। जब भी मुझे मौक़ा मिलता है, मैं अपने आपको बैक करती हूं। पहला चौका कवर ड्राइव से आया, जो मेरा फ़ेवरिट था। यूएई की कप्तान इशा ओझा ने कहा कि भारत जैसी टीम के ख़िलाफ़ खेलना एक अच्छा अनुभव था और हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। एक पारी को कैसे खड़ा करते हैं और मैच को कैसे खत्म करते हैं, ये सब हमने आज सीधे रूप से देखा। हमें इन सब पर ही काम करना है। हम बड़े टीमों के ख़िलाफ़ और खेलना चाहते हैं और इससे कभी संतुष्ट नहीं होंगे। हमें सुनिश्चित करना होगा कि हमें 10 विकेट चाहिए ना कि तीन विकेट। हमने एक अच्छी विपक्षी टीम के ख़िलाफ़ एक अच्छा स्कोर खड़ा किया।

ऋचा घोष ने महिला एशिया कप में रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2024 के दौरान पहली बार टी20आई में 200 रन बनाने वाली भारत की टीम ने यूएई के खिलाफ दांबुला में अपनी शानदार पारी के दौरान इतिहास रच दिया। ऋचा महिला एशिया कप में अर्धशतक बनाने वाली पहली भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बनीं क्योंकि उन्होंने रविवार को भारत को शानदार प्रदर्शन करने में मदद की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 66 रन बनाए और पारी में सर्वोच्च स्कोरर रहीं। यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारत को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने मजबूत शुरुआत दी थी, लेकिन बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज जल्द ही आउट हो गईं। शेफाली ने 18 गेंदों पर 37 रन बनाए और सलामी बल्लेबाज के आउट होने से पहले भारत ने 5 ओवर में 52 रन बनाए। इसके बाद भारत को परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि हेमलता को हॉटचंदानी ने आउट कर दिया। हरमनप्रीत और जेमिमा ने पारी को संभाला और भारतीय कप्तान ने आक्रामक खेल दिखाया। दोनों ने 54 रन की साझेदारी की लेकिन 8 ओवर से ज़्यादा समय बचा होने पर जेमिमा आउट हो गईं। यहीं पर रिचा ने कदम रखा और खेल को पूरी तरह से बदल दिया। भारतीय विकेटकीपर ने दो सिंगल के साथ शुरुआत की, फिर एक चौका जड़ा। इसके बाद 15वें ओवर में छक्का लगाया और अगले ओवर में उन्होंने यूएई की कप्तान ईशा ओज़ा को 4 चौके लगाए। रिचा ने सुनिश्चित किया कि वह अपनी कप्तान के साथ स्ट्राइक रोटेट करती रहें और दोनों ने जल्दी ही 50 रन की साझेदारी पूरी कर ली। एक समय ऐसा लगा कि भारत 200 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाएगा, क्योंकि 19वें ओवर में हरमनप्रीत को दिक्कत आ रही थी। हालांकि भारतीय कप्तान ने आखिरी 3 गेंदों पर 2 चौके और एक छक्का लगाकर शानदार प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में भारतीय कप्तान रिचा के साथ हुई गलती के कारण रन आउट हो गए लेकिन भारतीय विकेटकीपर ने उनकी भरपाई कर दी। अंतिम 5 गेंदों को रिचा ने बाउंड्री पर भेजा और वह 29 गेंदों पर 64 रन बनाकर नाबाद रहीं और उनकी पारी में 12 चौके और एक छक्का शामिल था।



ऐतिहासिक टेस्ट में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 241 रन से हराया



जीती सीरीज, शोएब बशीर ने रचा इतिहास



नॉटिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड ने नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 241 रन से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने 385 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की, लेकिन फिर ढेर हो गई। उनके सलामी बल्लेबाजों ने 66 रन जोड़े, लेकिन उसके बाद शोएब बशीर (41/5), क्रिस वोक्स (28/2), गस एटकिंसन (49/2) और मार्क वुड (17/1) ने अंतिम सत्र में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद मेहमान टीम को महज 143 रन पर समेट दिया। पहली पारी में 121 और दूसरी पारी में 51 रन बनाने वाले इंग्लैंड के ओली पोप प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

गेंदबाजों से पहले रूट और ब्रूक ने जड़े शतक

एक समय, लगभग सभी को लगा कि यह खेल पांचवें दिन तक चलेगा, लेकिन वेस्टइंडीज के लगातार विकेट गिरने से चौथे चाय के बाद एक ही सत्र में खत्म हो गया। चौथे दिन न सिर्फ इंग्लैंड के गेंदबाजों ने कमाल किया, बल्कि सुबह यॉर्कशायर की जोड़ी हैरी ब्रूक और जो रूट ने शतक भी जड़े। दोपहर में मेहमान गेंदबाज के सभी प्रयास व्यर्थ गए और वेस्टइंडीज 241 रन से हार गया।

तीसरा टेस्ट मैच 26 से 30 जुलाई तक- इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज में खेले गए सीरीज के इस दूसरा टेस्ट को अपने नाम करने के साथ ही 3 मैच की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच एक पारी और 114 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 26 से 30 जुलाई के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा।

ब्रैथवेट-लुइस ने वेस्टइंडीज को दी थी अच्छी शुरुआत

इंग्लैंड के लिए चौथी पारी की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही, क्योंकि वेस्टइंडीज के कप्तान क्रैग ब्रैथवेट और मिकाइल लुइस ने पहले विकेट के लिए 13.1 ओवर में 61 रन जोड़ लिए। हालांकि, ड्रिंक्स के बाद क्रिस वोक्स ने पहली गेंद पर ही विकेट चटका दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज के विकेटों का पतन शुरू हो गया।

रूट का 32वां और ब्रुक का 5वां टेस्ट शतक

जो रूट ने अपने करियर का 32वां, जबकि हैरी ब्रूक ने पांचवां टेस्ट शतक लगाया। वेस्टइंडीज के सबसे सफल गेंदबाज जॉडेन सील्स (97 देकर 4 विकेट) ने ब्रूक को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। जो रूट ने एक छोर संभाले रखा, लेकिन दूसरी तरफ से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। हैरी ब्रूक ने अपनी पारी में 132 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके लगाए। जेसन होल्डर ने रूट की पारी का अंत किया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने आठवें नंबर के विकेट के रूप में आउट होने से पहले 178 गेंद खेली और 10 चौके लगाए। निचले क्रम में गस एटकिंसन ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 416 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 457 रन बनाकर 41 रन की बढ़त हासिल की थी।

शोएब बशीर अब घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच (पुरुष) में 5 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के सबसे युवा गेंदबाज हैं। इससे पहले जेम्स एंडरसन सबसे युवा गेंदबाज थे। शोएब बशीर घरेलू धरती पर टेस्ट मैच में 5 विकेट लेने वाले 21 वर्ष से कम आयु के पहले इंग्लिश स्पिनर बन गए हैं। शोएब बशीर साल 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के 8/70 के बाद ट्रेंट ब्रिज में 5 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर हैं। 2000 के बाद से इंग्लैंड की धरती पर वेस्टइंडीज की यह लगातार 8वीं टेस्ट सीरीज़ हार है। इससे पहले उन्होंने 1988 में इंग्लैंड में सीरीज़ जीती थी।

वेस्टइंडीज ने 6 ओवर में गंवाए 5 विकेट

वेस्टइंडीज ने छह ओवर में पांच विकेट खो दिए, जिसमें शोएब बशीर के हिस्से में 3 विकेट आए। एलिक एथनाज और कावेम हॉज ने पहली पारी में मिलकर 175 रन बनाए थे, जबकि वे दूसरी पारी में कुल 1 रन बना पाए। जेसन होल्डर और जोशुआ डिसिल्वा ने वेस्टइंडीज का स्कोर 91/6 होने के बाद पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास ज्यादा देर तक नहीं टिक पाया और इंग्लैंड जीत के करीब पहुंच गया।

शोएब बशीर की गेंद पर खत्म हुआ दूसरा टेस्ट

मार्क वुड की गेंद पर केविन सिंक्लेयर ने अपना विकेट गंवाया और फिर शोएब बशीर ने शमार जोसेफ को विकेट झटककर मैच को समाप्त करते हुए इंग्लैंड को सीरीज में जीत दिला दी। इससे पहले जो रूट (122) और हैरी ब्रूक (109) के शतकों की मदद से इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 21 जुलाई को 425 रन बनाए और वेस्टइंडीज के सामने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत के लिए 385 रन का लक्ष्य रखा। इंग्लैंड ने सुबह तीन विकेट पर 248 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। तब रूट 37 और ब्रूक 71 रन पर खेल रहे थे। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की। इससे इंग्लैंड निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के बावजूद मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

भारत के साथ क्रिकेट मैच खेलने के लिए पाकिस्तान का नया दांव!



नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करेगा. भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं, खैर पर संशय बना हुआ है. लेकिन इससे पहले बड़ी जानकारी सामने आ रही है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत को 2025 में किसी तटस्थ स्थान पर टी20 बायलेटलर सीरीज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं. साथ ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने के अपने फैसले पर कायम है.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी का प्लान क्या है... मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत को 2025 के दौरान किसी तटस्थ स्थान पर टी20 सीरीज के लिए आमंत्रित करेंगे. इससे पहले मोहसिन नकवी 19-22 जुलाई को श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में बीसीसीआई सचिव जय शाह से मुलाकात करेंगे. वहीं, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और भारतीय टीम पर पाकिस्तान का कहना है कि वह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी मैच लाहौर में खेले जाएं और भारतीय टीम पूरी सीरीज के दौरान एक ही होटल में रहेगी.

57वां बील शतरंज रैपिड

मार्टिरोसयान बने रैपिड के विजेता प्रज्ञानन्दा को दूसरा स्थान



बील, स्विट्जरलैंड, एजेंसी। बील शतरंज महोत्सव के 57वां संस्करण के रैपिड शतरंज में अर्मेनिया के हाइक मार्टिरोसयान ने कुल 10 राउंड में से 7 अंक बनाते हुए रैपिड का खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के आर प्रज्ञानन्दा , जर्मनी के विंसेंट केमर और वियतनाम के लिएम क्वांग ली ने प्रत्येक 10 में से 5 अंक बनाए पर बेहतर टाई-ब्रेक के अनुसार वह क्रमशः दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। प्रज्ञानन्दा के लिए रैपिड अच्छा नहीं बीता और वह केवल विन्सेंट केमर के खिलाफ जीत दर्ज कर सके उन्होंने और उन्हे एकमात्र हार यूएसए के सैम शैंकलैंड खिलाफ मिली जबकि अन्य आठ बाज़ियाँ उन्होने ड्रॉ खेली । वही जर्मनी के ग्रांडमास्टर अलेक्जेंडर डोंचेंको ने 7 अंक बनाकर चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता। भारत की आर वैशाली ने 5 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इहोर समुनेन्खोव (यूक्रेन) और मार्क एंड्रिया मौरिज़ी (फ्रांस) को हराया।

नॉर्डिया ओपन के फाइनल में राफेल नडाल को लगा तगड़ा झटका

बोर्गेस ने 6-3, 6-2 से हराया



नई दिल्ली, एजेंसी। वह पेरिस में रोलां गैरो पर ओलंपिक में खेलने की तैयारी में हैं। उन्होंने पहले दौर में स्वीडन के महान खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के बेटे लियो बोर्ग को हराया। 38 वर्ष के नडाल ने विम्बलडन में भाग नहीं लिया था। वह पिछले डेढ़ साल से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं।

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को तगड़ा झटका लगा है। नॉर्डिया ओपन के फाइनल मैच में उन्हें नूनो बोर्गेस के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सातवीं वरीयता प्राप्त पुर्तगाल खिलाड़ी ने स्पेन के अनुभवी खिलाड़ी को 6-3, 6-2 से हराया।

जीत के बाद बोर्गेस क्या बोले बोर्गेस?-नडाल 2022 फ्रेंच ओपन के बाद पहली बार एटीपी टूर पर किसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे। बोर्गेस ने एकतरफा जीत के बाद कहा, यह शानदार है, टेनिस में कभी-कभी ऐसा होता है जिसकी आप उम्मीद नहीं करते है। मुझे पता है कि यहां हम सभी चाहते थे कि राफा (नडाल) जीते, मेरे अंदर का एक हिस्सा भी यही चाहता था, लेकिन दूसरा हिस्सा मुझे कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

जाफना किंग्स ने गैले मार्वल्स को हरकार जीता लंका प्रीमियर लीग का खिताब

कोलंबो, एजेंसी। लंका प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल रविवार (21 जुलाई) जाफना किंग्स और गैले मार्वल्स के बीच खेला गया. खिताबी मुकाबले में जाफना किंग्स ने 9 विकेट से जीत हासिल की. यह टूर्नामेंट का पांचवां सीज़न था. हाई स्कोर बनने के बाद भी खिताबी मुकाबला एकतरफा रहा. मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए जाफना किंग्स की तरफ से रिली रोसो ने नाबाद शतकीय पारी खेली. इसके अलावा कुसंल मेंडिस ने भी कमाल की बैटिंग करते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली. कोलंबो के आर.प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए गैले मार्वल्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन बोर्ड पर लगाए थे. टीम के लिए भानुका राजापक्षे ने शानदार पारी खेलते हुए 34 गेंदों में 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से 82 रन बनाए थे. पहली पारी के बाद लगा कि मुकाबले में टक्कर देखने को मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं और लक्ष्य का पीछा करने उतरी जाफना किंग्स ने 15.4 ओवर में 1 विकेट पर 185 रन बनाकर जीत हासिल कर ली. जाफना किंग्स ने 26 गेंद पहले ही मुकाबला अपने नाम कर लिया था. टीम के लिए रिली रोसो ने शतकीय पारी खेलते हुए 53 गेंदों में 9 चौके और 7 छक्कों की मदद से 106* रन बनाए. बता दें कि यह जाफना किंग्स का चौथा खिताब रहा.



अनुष्का शेट्टी के 19 साल

1000 करोड़ की हिट देकर कहां गायब हो गई

'बाहुबली' की देवसेना?



साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्हें एस एस राजामौली की 'बाहुबली' जैसी सुपरहिट फिल्म अच्छा खासा नेम और फेम मिला था। फिल्म के दोनों पार्ट हिट रहे। इसके साथ ही इसमें काम करने वाले एक्टर्स का भी करियर बूम पर हो गया। फिर चाहे वो प्रभास रहे या फिर अनुष्का शेट्टी, राम्या कृष्णन के साथ अन्य कलाकार। यहां से सभी एक्टर्स का करियर चल पड़ा। पहचान भी मिली। फैन फॉलोइंग में भी इजाफा हुआ। वहीं, जहां सभी एक्टर्स आगे काम करते रहे और लाइमलाइट में रहे वहीं, अनुष्का शेट्टी लाइमलाइट से अचानक गायब ही हो गईं। ऐसे में चलिए बताते हैं उनके बारे मेंज

दरअसल, अनुष्का शेट्टी को फिल्म इंडस्ट्री में 19 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर फैंस अपनी चहेती एक्ट्रेस देवसेना यानि कि अनुष्का को याद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पुरानी तस्वीरों को शेयर खूब बधाइयां दे रहे हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया लेकिन, 'बाहुबली' उनके और प्रभास के करियर की टर्निंग प्वॉइंट रही। इस फिल्म के जरिए अनुष्का 1000 करोड़ की फिल्म देने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। साल 2017 में इस मूवी ने ये आंकड़ा पार कर दिया था। इसने दुनियाभर में 1700 करोड़ की कमाई की थी। अनुष्का ने अपने अभिनय से हर किसी को इंप्रेस कर दिया था।

2005 में की थी अनुष्का ने करियर की शुरुआत

अनुष्का शेट्टी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2005 में की थी। वो 'अरुंधति' और 'रुद्रमादेवी' जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उनकी हिट फिल्मों की लिस्ट में 'बाहुबली-1' और 'बाहुबली-2' के अलावा 'विक्रमारकुड', 'सौर्यम' और 'सिंघम' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं।

1000 करोड़ कमाकर कहां गायब हो गई अनुष्का शेट्टी

'बाहुबली' की रिलीज के बाद अनुष्का को खूब नेम और फेम मिला लेकिन, वो ज्यादा समय तक लाइमलाइट में नहीं रहीं। 1000 करोड़ से ज्यादा कमाई करने के बाद वो लाइमलाइट से दूर रहने लगीं। फिल्मों में एक्टिव रहीं लेकिन, इस बीच उन्होंने कोई खास फिल्म नहीं की। वो केवल तमिल और तेलुगु में ही सीमित रहना चाहती थीं। साल 2018 में उन्हें फिल्म 'भागमती' में देखा गया था। इसके बाद 2020 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'निशब्दम' में देखा गया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने करीब 3 साल का ब्रेक ले लिया था। इसे लेकर उन्होंने कहा था कि ये ब्रेक लेना जरूरी था। इस ब्रेक के पीछे का उनका उद्देश्य था कि आगे के प्रोजेक्ट्स पर अच्छे से ध्यान दे सकें। आपको बता दें कि 3 साल बाद वापसी के बाद एक्ट्रेस एक बार से दक्षिणी फिल्मों में एक्टिव हो चुकी हैं। उन्होंने 'मिस शेट्टी और पॉलीशेट्टी' से कमबैक किया था।

पर्सनल लाइफ की रही खूब चर्चा

फिल्मों के साथ-साथ अनुष्का शेट्टी अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब चर्चा में रही हैं। उनके करियर में उनका नाम कई एक्टर्स संग जुड़ा। इसमें प्रभास से लेकर नागा चैतन्य जैसे सेलेब्स का नाम शामिल है। लेकिन, 42 की उम्र में भी वो सिंगल हैं। प्रभास के साथ अनुष्का के प्यार के चर्चे जगजाहिर है। इनकी शादी से लेकर रिलेशनशिप में रहने तक की खूब चर्चा रही है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी कभी रिश्ते की बात को कबूला नहीं है। प्रभास के बाद उनका नाम सीनियर एक्टर से लेकर बड़े फिल्म मेकर तक से जुड़ चुका है। लेकिन, अनुष्का की ओर से कभी अपने रिश्ते को लेकर किसी के साथ ऑफिशियल मुहर नहीं लगाई है और ना ही शादी को लेकर कोई खुलासा किया है।

मैं कर चुकी हूं शादी....

बालिका वधू फेम अविका गौर ने की सीक्रेट वेडिंग!



27 साल की अविका गौर की शादी की खबरें लगातार तेजी से वायरल हो रही हैं. अविका ने बालिका वधू सीरियल में आनंदी के बचपन का रोल प्ले करके फेमस हो गई थीं. इस बीच ऐसी खबरें आ रही थीं कि एक्ट्रेस अपने से 18 साल बड़े हीरो को डेट कर रही हैं और दावा तो ये भी था कि वो शादी भी कर चुकी हैं. अब इन खबरों पर अविका गौर ने चुप्पी तोड़ी है. इसके साथ ही पूरा सच क्या है वो बताया है.

कर चुकी है शादी!

अविका गौर हर्ष लिम्बाचिया को दिए इंटरव्यू में अपनी निजी लाइफ को लेकर बात की. एक्ट्रेस ने कहा कि वो 4 साल से मिलिंद चंदवानी को डेट कर रही हैं और मन ही मन बॉयफ्रेंड से शादी भी कर चुकी हैं. एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि ये फैसला उन्होंने बिल्कुल भी जल्दबाजी में नहीं लिया.

अविका ने बताया कि ना तो उन्होंने और ना ही मिलिंद ने ये फैसला किसी जल्दबाजी में लिया है. एक्ट्रेस ने कहा वो दोनों कई महीने तक फ्रेंडजोन में रहे थे और उसके बाद मिलिंग ने उन्हें प्रपोज किया था. वो इतने अच्छे हैं कि मैं अपने दिमाग में ही उनसे शादी कर चुकी हूं. मैं तो चाहती हूं कि आज ही शादी कर लूं. लेकिन मिलिंद कहते हैं कि उनकी और मेरी उम्र में काफी फर्क है. मैं उस हिसाब से अपना पूरा टाइम लूं और बाद में शादी के बारे में सोचूं.

अविका गौर ने ससुराल सिमर का सीरियल में रोली का रोल प्ले किया है. इस शो के दौरान एक्ट्रेस का नाम मनीष रायसिंघन के साथ जुड़ा था. हालांकि दोनों ने कभी भी इन खबरों पर कुछ भी नहीं किया उस वक्त.लेकिन बाद में अविका ने अफवाह जरूर बताया.

सुष्मिता सेन ने रिलेशनशिप पर खुलकर की बात, बोलीं-

मेरी जिंदगी में कोई लड़का नहीं...



बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। सुष्मिता सेन को लेकर अक्सर अटकलें लगती है कि वह रोहमन शॉल को डेट कर रही हैं। बीच में ये भी खबरें आई थी कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। फिर से सुष्मिता सेन और रोहमन शॉल एक साथ नजर आने लगे तो दोनों को लेकर कयासबाजी होने लगी कि दोनों अभी भी रिलेशनशिप में हैं। इसी बीच सुष्मिता सेन ने बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की है। आइए जानते हैं कि सुष्मिता सेन ने क्या कहा है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने रिलेशनशिप को लेकर रिया चक्रवर्ती के साथ बात करते हुए कहा, मेरी जिंदगी में कोई लड़का नहीं है। मैं काफी समय से सिंगल हूं। मैं करीब दो साल से सिंगल हूं। साल 2021 से मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। मेरी किसी लड़के में दिलचस्पी नहीं है। मैं 5 साल के रिलेशशिप के बाद ब्रेक लेना चाहती हूं।

मेरी जिंदगी में कुछ खास लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं। गौरतलब है कि 48 साल की सुष्मिता सेन का नाम खुद से 16 साल छोटे रोहमन शॉल के साथ नाम जुड़ता आया है।

दिवाली पर होगा ट्रिपल धमाका!

सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 से भिड़ेगी आमिर की फिल्म?



फिल्म इंडस्ट्री इस स्वतंत्रता दिवस पर एक बड़े प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। तीन बहुप्रतीक्षित फिल्में स्त्री 2, वेदा और खेल खेल में 15 अगस्त को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार हैं। वहीं, इस बार की दिवाली भी सिनेप्रेमियों के लिए काफी ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। दिवाली के मौके पर भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन का आमना-सामना होने की उम्मीद है।

वहीं, अब टकराव की रेस में आमिर खान के जरिए प्रोड्यूस की गई एक और फिल्म का नाम जुड़ गया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान का प्रोडक्शन हाउस दिवाली के दौरान एक नई फिल्म रिलीज करने की योजना बना रहा है। हालांकि, फिल्म का फिलहाल कोई शीर्षक नहीं है। वहीं, एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि इसका नाम हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस होगा। इस फिल्म में मोना सिंह, मिथिला पालकर और शारिब हाशमी मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म का निर्देशन वीर दास और कवि शास्त्री ने किया है। फिल्म में वीर दास भी एक कैमियो भूमिका में हैं। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस में मोना सिंह एक गैंगस्टर की साहसिक भूमिका में हैं, जो उनके पिछले काम से अलग है।



'थप्पड़ मार दूंगी'

अर्चना गौतम ने कृष्णा अभिषेक संग किया फ्लर्ट तो भड़कीं कश्मीरा शाह, बोलीं- 'बर्दाश्त नहीं कर सकती'







रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' की कंटेस्टेंट रहीं अर्चना गौतम पर कश्मीरा शाह ने गुस्सा निकाला है। दरअसल, इन दिनों कश्मीरा पति कृष्णा अभिषेक के साथ कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में नजर आ रही हैं। ऐसे में हाल ही के एपिसोड में अर्चना गौतम भी पहुंचीं। वो उनकी मदद करने के लिए शो में आई थीं। लेकिन, इस दौरान कुछ ऐसा हो गया कि कश्मीरा उन पर भड़क गईं और थप्पड़ मारने की बात कह दी।

बात ऐसी रही कि अर्चना गौतम ने शो में कश्मीरा शाह के पति और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक से फ्लर्ट किया और अब इस पर कश्मीरा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फिल्मीबीट से बात की है। इस बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा कि वो अपने बच्चों, मां और पति को लेकर बेहद ही पजेसिव हैं। लाफ्टर शेफ्स के एक एपिसोड में अर्चना ने मजाक में कृष्णा को उन्हें गले लगाने के लिए कहा, जिससे कश्मीरा गुस्सा आ गया। उन्होंने इस पर अर्चना से कहा कि वो ढंग से बिहेव करें वरना वो उन्हें थप्पड़ मार देंगी।

कश्मीरा से क्या बोलीं अर्चना?

कश्मीरा ने कहा कि वो ये बात कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती हैं कि कोई महिला उनके पति से कहे कि वो उन्हें गले लगाएं। शो में कश्मीरा ने अर्चना को अपने पति के साथ फ्लर्ट ना करने की चेतावनी दी और सवाल किया कि वो उन्हें पीछे से क्यों गले लगाएं। हालांकि, इस पर अर्चना ने उनसे कहा कि वो सिर्फ एक मजाक था। उन्होंने उन्हें इस मामले को गंभीरता से ना लेने के लिए कहा। दोनों ने शो में मामले को आगे नहीं बढ़ाया और चर्चा बंद कर दी।

शादी को हो चुके 11 साल

बहरहाल, अगर कश्मीरा शाह और कृष्णा अभिषेक के रिश्ते की बात की जाए तो दोनों की शादी को 11 साल हो चुके हैं। इनकी लव स्टोरी साल 2005 में शुरू हुई थी। वो पहली बार फिल्म 'और पप्पू पास हो गया' की शूटिंग के दौरान जयपुर में पहली बार मिले थे। तब कश्मीरा पहले से फिल्म प्रोड्यूसर ब्रैड लिस्टरमैन से शादीशुदा थीं। जयपुर में पहली मुलाकात के बाद दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए थे। फिर 2007 में कश्मीरा ने ब्रैड लिस्टरमैन को तलाक दे दिया और कृष्णा के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगीं। लिव इन रिलेशन के बाद 2013 में दोनों ने शादी कर ली और अब सरोगेसी से दो बच्चों के पेरेंट्स हैं।

जैस्मीन भसीन की कॉर्निया हुई क्षतिग्रस्त



टीवी अभिनेत्री जैस्मीन भसीन हादसे की शिकार हो गई हैं। कॉन्टैक्ट लेंस की वजह से अभिनेत्री की कार्निया क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसकी वजह से वह कुछ देखने में असमर्थ हैं। छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री जैस्मीन भसीन को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री की आंखों में चोट लग गई है, जिसकी वह कुछ भी नहीं देख पा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली में एक कार्यक्रम के लिए पहने गए कॉन्टैक्ट लेंस की वजह से अभिनेत्री की कॉर्निया क्षतिग्रस्त हो गई। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है और उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बांध दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में शमिल होने के लिए कॉन्टैक्ट लेंस लगाकर गई थीं। इसके बाद से ही उनके आंखों में तकलीफ शुरू हो गई है।

अवैध संपत्ति निर्माण कार्य को लेकर रणदीप को राहत नहीं

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बीते महीने प्रशासन ने संपत्ति के अवैध निर्माण कार्यों पर रोक लगाई। कथित रूप से यहां अभिनेता रणदीप हुड्डा की संपत्ति पर भी निर्माण कार्य चल रहा था। वे यहां होटल बना रहे हैं, जिस पर कोर्ट ने रोक लगा दी गई। रणदीप पर आरोप है कि उन्होंने बिना अनुमति के यहां निर्माण कार्य शुरू किया। इस मामले में अभिनेता ने याचिका दायर की, जिसका आज एमपी हाईकोर्ट ने निपटारा किया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा की उस याचिका का निपटारा कर दिया है, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि कान्हा टाइगर रिजर्व के पास उनकी संपत्ति पर कथित निर्माण को लेकर अधिकारियों को उनके खिलाफ कार्रवाई करने से रोका जाए। अदालत ने पाया कि रणदीप हुड्डा की याचिका विचारणीय नहीं है, साथ ही रिजर्व के बफर जोन के पास कथित निर्माण के संबंध में उन्हें जारी किए गए कारण बताओ नोटिस को रद्द करने से भी इनकार कर दिया।

ये बहुत अजीब है...



द ग्रेट इंडियन कपिल शो से निकाले जाने की खबरों का सुमोना ने बताया सच

सुमोना चक्रवर्ती द कपिल शर्मा शो का अहम हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने हमेशा दर्शकों का मनोरंजन किया है। हालांकि, जब द ग्रेट इंडियन कपिल शो का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर हुआ तो प्रशंसकों को सुमोना की अनुपस्थिति का ध्यान आया। बाद में, इंटरनेट पर कई अफवाहें फैलने लगीं जिनमें दावा किया गया कि सुमोना को निकाल दिया गया है। वहीं, अब अभिनेत्री ने इस मामले पर खुलकर बात की है और शो का हिस्सा न बनने के पीछे की असल वजह बताई है। एक हालिया इंटरव्यू में सुमोना ने साफ किया कि उन्हें कपिल शर्मा के शो से नहीं निकाला गया है। अभिनेत्री ने कहा, यह बहुत अजीब है क्योंकि कुछ दिन पहले एक बहुत अच्छा आर्टिकल आया था। मैंने एक जर्नलिस्ट से बात की थी और मैंने बिल्कुल अलग बात कही थी। फिर जाहिर है दो दिन बाद एक दूसरे मीडिया आर्टिकल में बिल्कुल अलग बात कही गई थी।

-साभार एजेंसी